शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गणेश विसर्जन जुलूस में ट्रक घुसने से 9 लोगों की मौत, 20 से @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 14 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-253

ऑपरेशन सिंदूर : राफेल मारा नहीं था, राफेल के झांसे में आया था पाकिस्तान

परमाणु बम गिराने में सक्षम 114 सुपर राफेल विमान खरीदेगा भारत

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना ने 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय को भेज दिया है। इस प्रस्ताव के साथ संलग्न रिपोर्ट से यह पुष्टि हो गई है कि ऑपरेशन सिंदूर के दरम्यान राफेल विमान मार गिराने का पाकिस्तानी दावा झूठा था। दरअसल, पाकिस्तान राफेल विमान के झांसे में आ गया था। राफेल में लगे एक पुछल्ले ने पाकिस्तानी मिसाइल सिस्टम को भ्रमित कर दिया और पाकिस्तान को लगा कि उसने राफेल को हिट किया है। राफेल की इस तकनीक ने पाकिस्तान को उलझाया और उसके पूरे रडार सिस्टम को कुछ देर के लिए ठप्प कर दिया। राफेल विमानों की खरीद को लेकर भारत और फ्रांस के बीच 2 लाख करोड़ की सबसे बड़ी डील पर बातचीत शुरू हो गई है। भारत की शर्त है कि ये विमान फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन द्वारा भारतीय एयरोस्पेस कंपनियों के साथ मिलकर बनाए जाएंगे, जिसमें 60 प्रतिशत से अधिक भारतीय उपकरणों का इस्तेमाल होगा। भारतीय नौसेना ने भी 36 राफेल मरीन जेट ऑर्डर किए हैं।

इस खरीद से भारतीय रक्षा बलों में राफेल विमानों की संख्या 176 हो जाएगी। भारतीय वायुसेना के पास पहले से ही 36 राफेल फाइटर जेट हैं। नौसेना ने भी 36 राफेल मरीन जेट के ऑर्डर दिए हैं। यह प्रस्ताव ऑपरेशन सिंदूर के बाद आया है, जहां राफेल ने पाकिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। इसके स्पेक्ट्रा इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम ने चीनी पीएल-15 मिसाइलों को धूल चटा दी थी। भारत में निर्मित होने वाले इन नए राफेल विमानों में मौजूदा स्कैल्प मिसाइल से लंबी

फ्रांस से 2 लाख करोड़ की सबसे बड़ी डील पर बातचीत शुरू

60% स्वदेशी सामग्री के साथ भारतीय कंपनियां करेगी तैयार

रेंज वाली एयर-टू-ग्राउंड मिसाइलें लगाई जा सकती हैं। डसॉल्ट एविएशन हैदराबाद में एम-88 इंजनों के लिए रखरखाव, मरम्मत और ओ-वरहॉल (एमआरओ) सेंटर स्थापित करने की योजना बना रही है। कंपनी ने फ्रेंच जेट्स के रखरखाव के लिए पहले ही एक यूनिट बना ली है। टाटा जैसी निजी क्षेत्र की भारतीय कंपनियां इस एयरक्राफ्ट की मैनुफैक्चरिंग में शामिल होंगी। चीन और पाकिस्तान के साथ लगने वाली सीमाओं पर बढ़ते खतरे के कारण भारतीय वायुसेना को अधिक से अधिक लड़ाकू विमानों की जरूरत है। भारतीय वायु सेना की लड़ाकू विमानों की भविष्य की फ्लीट मुख्य रूप से सुखोई-30 एमकेआई, राफेल, तेजस और अन्य स्वदेशी प्रोजेक्ट्स पर आधारित होंगी। भारत सरकार ने हाल ही में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को 97 एलसीए एमके 1ए जेट के लिए भी ऑर्डर दिए हैं, जिसकी अनुमानित लागत 62,000 करोड़ रुपए है। 48000 करोड़ रुपए 83 एलसीए एमके 1ए जेट के लिए ऑर्डर 2021 में दिया जा चुका है।

इस डील के फाइनल होने पर यह दुनिया के सबसे बड़े डिफेंस समझौतों में से एक होगी। यह सौदा वायुसेना की सबसे बड़ी खरीद योजनाओं में से एक होगा और इसे मीडियम रोल फाइटर एयरक्राफ्ट (एमआरएफए) कार्यक्रम के तहत पूरा किया जाएगा। भारतीय वायुसेना के पास फिलहाल 36 राफेल फाइटर जेट हैं, जिन्हें साल 2020 में भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन में शामिल किया गया था। 114 विमानों का सौदा होने का मतलब है कि इससे भारतीय वायुसेना में राफेल लड़ाकू विमानों के 6-7 नए स्क्वाड्रन हो जाएंगे। अभी भारत के पास राफेल के 2 स्क्वाड्रन मौजूद हैं।

राफेल फाइटर जेट का एफ3आर वह वैरिएंट है, जिसे भारत ने साल 2016 खरीदने के लिए फ्रांस से डील किया था। 36 राफेल फाइटर जेट के लिए भारत ने अनुमानित 59,000 करोड़ रुपए का डील किया था। इस वैरिएंट में भारतीय वायुसेना की जरूरतों के मुताबिक करीब 13 बदलाव किए गए थे। भारतीय वायुसेना ने एफ3आर वैरिएंट को चीन के साथ 2020 के तनावपूर्ण हालात के दौरान पूर्वी लद्दाख में भी तैनात किया था, जिससे इसकी विश्वसनीयता और युद्ध क्षमता साबित हुई थी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान पर हमला करने के लिए राफेल फाइटर जेट का ही इस्तेमाल किया था।

राफेल के एससीएएलपी (स्काल्प) मिसाइलों ने पाकिस्तान में स्थिति आतंकवादियों के ठिकानों को तबाह किया था। एफ-4 वैरिएंट भविष्य की मिसाइलों, बेहतर रडार इमेजिंग, नेटवर्क वॉरफेयर क्षमता और स्मार्ट बमों की बड़ी रेंज के साथ लैस है। भारत अब एमआरएफए कार्यक्रम के तहत सीधे एफ-4 वेरिएंट की ओर देख रहा है।

मणिपुर और मिजोरम से प्रधानमंत्री मोदी ने दिया दूरगामी संदेश

आशा और आकांक्षाओं की धरती है मणिपुर

इंफाल/आइजोल, 13 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पूर्वोत्तर के दो राज्यों मणिपुर और मिजोरम का दौरा किया और पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर फैलाई जा रही तमाम भ्रांतियों पर पानी फेर दिया। पीएम मोदी ने मणिपुर और मिजोरम को विकास की विभिन्न परियोजनाओं का तोहफा दिया और साथ में भरोसा भी दिया कि भारत सरकार मणिपुर के लोगों और पूर्वोत्तर राज्य के सभी लोगों के साथ खड़ी है। मणिपुर में दो साल पहले भड़की हिंसा के बाद पीएम मोदी का यह पहला दौरा है। उन्होंने मणिपुर के चुराचांदपुर में विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखी। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, मैं आपके साथ हूं, भारत सरकार मणिपुर के लोगों के साथ है। प्रधानमंत्री ने मिजोरम को पहली रेल लाइन का ऐतिहासिक उपहार दिया और तमाम विकास योजन-ाओं की शुरुआत की। पूर्वोत्तर की धरती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री चुनी गईं पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को बधाई दी

पीएम मोदी ने किया मिजोरम की पहली रेल लाइन का उद्घाटन

और कहा कि विषम स्थितियों में भी नेपाल के नागरिकों ने लोकतंत्र को प्राथमिकता दी, इसके लिए नेपाल के नागरिक भी सराहना के पात्र हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर के लोगों के जज्बे को सलाम किया और कहा, भारी बारिश के बावजूद आप इतनी बड़ी संख्या में यहां एकत्रित हुए हैं। मैं आपके प्यार और स्नेह के लिए तहे दिल से आभारी हूं। जब मौसम की वजह से मेरा हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका, तो मैंने सड़क मार्ग से यात्रा करने का विकल्प चुना। सड़क किनारे लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर मेरा स्वागत किया। मुझे जो गर्मजोशी और प्यार मिला, उसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा। मैं मणिपुर के लोगों के प्रति सम्मानपूर्वक अपना सिर झुकाता हूं। पीएम मोदी ने कहा, मणिपुर की धरती आशा और आकांक्षाओं की धरती है। दुर्भाग्य से इस खूबसूरत क्षेत्र पर हिंसा का साया पड़ गया है। कुछ समय पहले मैं राहत शिविरों में रह रहे प्रभावित लोगों से मिला। उनसे मिलने के बाद मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मणिपुर में आशा और विश्वास का एक नया सवेरा उग रहा है।

▶10 पर

नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री को मोदी ने दी बधाई

इंफाल, 13 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज मणिपुर की इस धरती से मैं नेपाल में अपने सहयोगियों से भी बात करूंगा। नेपाल भारत का मित्र है, घनिष्ठ मित्र है। हम साझा इतिहास से, साझा आस्था से जुड़े हैं और साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। आज, देशवासियों की ओर से, मैं श्रीमती सुशीला जी को नेपाल में अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने पर हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि वह नेपाल में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगी। सुशीला जी का नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेना महिला सशक्तिकरण का एक बहुत अच्छा उदाहरण है। पीएम मोदी ने कहा, आज मैं नेपाल के हर उस व्यक्ति की प्रशंसा करूंगा जिन्होंने इतने अस्थिर वातावरण में भी लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोच्चता पर रखा। पिछले कुछ दिनों से, नेपाल के युवाओं को नेपाल की सड़कों की सफाई और रंग-रोगन में कड़ी मेहनत करते देखा जा सकता है। मैंने सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें भी देखी हैं। उनकी सकारात्मक सोच और सकारात्मक कार्य न केवल प्रेरणादायक हैं, बल्कि नेपाल के नए उदय का स्पष्ट संकेत भी हैं। मैं नेपाल को उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत-इजराइल ने पाकिस्तान को खूब धोया

इजराइल ने पाकिस्तान की बोलती बंद कर दी

न्यूयॉर्क, 13 सितंबर (एजेंसियां)। इजराइल ने पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते हुए उस पर दोहरा रवैया अपनाने का आर-ोप लगाया। इजराइल ने कहा कि पाकिस्तान इस तथ्य को नहीं बदल सकता कि खूंखार आतंकी ओसामा बिन लादेन उनकी धरती पर मारा गया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच जमकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। दरअसल पाकिस्तान ने कतर में इजराइली हमले की निंदा की और पूछा कि विदेशी धरती पर आतंकवादी को निशाना क्यों बनाया गया? इस पर इजराइली राजदूत ने तीखा जवाब देते हुए पाकिस्तानी प्रतिनिधि की बोलती बंद कर दी। इजराइली प्रतिनिधि डैनी डैनन ने कहा कि जब ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान में मार गिराया गया था, तब तो सवाल यह नहीं पूछा गया था कि विदेशी धरती पर एक आतंकवादी को क्यों निशाना बनाया गया?

आतंकवाद के प्रायोजक को उपदेश देने का हक नहीं : भारत

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की न्यूयॉर्क शहर में हुई बैठक,ओसामा बिन लादेन द्वारा आयोजित 9/11 के आतंकवादी हमलों की 24वीं बरसी पर हुई। इस बैठक में इजराइली और पाकिस्तान के दूतों के बीच तीखी बहस हुई। यह बहस गुरुवार को कतर की राजधानी दोहा में हुए हमले को लेकर हुई, जिसमें इजराइल ने हमास नेताओं को निशाना बनाया। अपने संबोधन में पाकिस्तान के दूत आसिम इफ्तिखार अहमद ने कतर के खिलाफ इजराइल के हमले को अवैध और अकारण आक्रामक करार दिया और हमले की कड़ी निंदा की। पाकिस्तान ने कहा कि निरंतर आक्रामकता क्षेत्रीय शांति को कमजोर करती है। पाकिस्तानी दूत ने गाजा में इजराइली सैन्य कार्रवाइयों को क्रूर बताया और कहा कि सीरिया, लेबनान, ईरान और यमन पर बार-बार हमले कर इजराइल ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है।

पाकिस्तान के आरोपों का जवाब देते हुए इजराइल के स्थायी प्रतिनिधि डैनी डैनन ने पाकिस्तान के राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद की ओर हाथ उठाते हुए कहा, जब बिन लादेन को पाकिस्तान में मारा गया था, तो तब यह सवाल क्यों नहीं पूछा गया था कि विदेशी धरती पर एक आतंकवादी को क्यों निशाना बनाया गया? सवाल यह था कि आखिर एक आतंकवादी को पनाह क्यों दी गई? बिन लादेन को कोई छूट नहीं थी, और हमास को भी कोई छूट नहीं मिल सकती। इजराइल ने पाकिस्तान पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने याद दिलाया कि 9/11 के हमले के बाद सुरक्षा परिषद ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि कोई भी देश आतंकवादियों को पनाह नहीं देगा, न ही उन्हें धन देगा और न ही उन्हें पनाह देगा।

डैनी डैनन ने कहा कि सच तो यह है कि ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान में मारा गया था और किसी ने अमेरिका की निंदा नहीं की। और जब इस परिषद के अन्य देश आतंकवादियों पर हमला करते हैं, तो कोई उनकी निंदा नहीं करता। यही दोहरे मानदंड हैं। जब आप अपने लिए लागू मानकों से अलग मानक इजराइल पर लागू करते हैं, तो यही इस संस्था की समस्या है। अमेरिकी सेना ने मई 2011 में पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एबटाबाद में एक विशेष अभियान चलाकर बिन लादेन को मार गिराया था।

भारत ने भी संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पाकिस्तान को जमकर फटकार लगाई। भारत ने कहा कि उसे ऐसे आतंकवाद के प्रायोजक से सबक लेने की आवश्यकता नहीं है

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में शत्रु सम्पत्तियों पर बसा दी गईं बस्तियां

नौकरशाहों ने फाइलें दबाईं, बिफरा गृह मंत्रालय

देहरादून, 13 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड से लेकर उत्तर प्रदेश तक शत्रु सम्पत्तियों पर अवैध कब्जों की भरमार है। शत्रु सम्पत्तियों पर बस्तियां और कॉलोनियां बसा दी गई हैं। रिश्वत लेकर नौकरशाहों ने शत्रु सम्पत्तियों पर अवैध कब्जा होने दिया और कार्रवाई की फाइलें दबा दीं। फाइलें दबाए जाने को लेकर गृह मंत्रालय ने भीषण नाराजगी जताई है और खास तौर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सख्त कार्रवाई करने का निर्देश भेजा है। उत्तराखंड की शत्रु सम्पत्तियां हरिद्वार से लेकर उत्तर प्रदेश के सहारनपुर तक फैली हैं, लिहाजा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी सम्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

देवभूमि उत्तराखंड में शत्रु सम्पत्ति मामलों में केंद्र के आदेश के बाद सीएम पुष्कर सिंह धामी के निर्देश के बाद शत्रु सम्पत्तियों की फाइलें एक-एक कर खुलने लगी हैं। फैज मोहम्मद की शत्रु

गृह मंत्रालय ने मुख्यमंत्रियों को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया

सम्पत्ति समेत 34 अन्य सम्पत्तियों की फाइलें खोली गईं लेकिन इन फाइलों को फिर से खामोशी की चादर में छिपा दिया गया। इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय से सख्त दिशा-निर्देश मिले हैं कि जिला मजिस्ट्रेट उक्त शत्रु सम्पत्तियों पर कब्जा लेकर सरकार के माध्यम से गृह मंत्रालय को रिपोर्ट करें। फैज मोहम्मद के नाम से शत्रु सम्पत्तियां देहरादून में पंजीकृत हैं और सहारनपुर एवं देहरादून के भू-माफिया पिछले कुछ समय से उन पर अतिक्रमण करने में लगे हुए हैं और फर्जी वारिसान दस्तावेजों के जरिए उन पर अवैध कब्जा कर रखा है। उत्तराखंड बनने के बाद भी देहरादून हरिद्वार के भू-राजस्व दस्तावेज सहारनपुर कमिश्नरी में ही रहे, क्योंकि उस समय कमिश्नरी सहारनपुर में हुआ करती थी और वहां वर्षों पुराने जमीन के दस्तावेज उपलब्ध थे, वहीं से भू-माफिया देहरादून की जमीनों के कागजात में फर्जीवाड़ा करते रहे। इससे पहले डीएम सोनिका ने इन मूल दस्तावेजों को देहरादून मंगवाया था, जिसके बाद भूमाफियाओं पर कार्रवाई शुरू हुई।

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,13,120/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,32,240/- (प्रति किलोग्राम)

सुनील शर्मा नेशनल क्रिकेट चैम्पियनशिप का दूसरा दिन रहा काफी रोचक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के सेंट जॉन्स खेल मैदान में चल रहे सुनील शर्मा नेशनल चैम्पियनशिप के दूसरे दिन भी सभी टीमों ने काफी रोचक और उत्साहवर्धक प्रदर्शन किए। टीमों के तमाम प्रदर्शनों को दर्शकों ने खूब सराहा और इस खेल भावना का भरपूर स्वागत किया। बताते चलें कि बेंगलूरु के प्रसिद्ध ट्रांसपोर्टर और अखिल भारतीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा ने अपने समाज के विभिन्न प्रान्तों के क्रिकेटरों का तीन दिवसीय नेशनल चैम्पियनशिप बेंगलूरु में आयोजित किया है।

सभी मैचों और टीमों के साथ रहकर उत्साहवर्धन और ग्रुप फोटो लेते रहे सुनील शर्मा ने बताया कि पूरे राज्य से आये लोगों के साथ मिलकर खेलना देखना और खुशियां मनाना काफी सम्मान और स्वागत से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि इससे उनके समाज की नई पीढ़ी खेल भावना सहित सामाजिकता निभाने में भी जाग्रत रहेगी। इस आयोजन के विशिष्ट आगन्तुक राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर शर्मा, महिला मंडल अध्यक्ष सरला शर्मा, अशोक मथुरिया, आर.के. शर्मा, बसंत शर्मा पाली, पुष्करराज शर्मा, कामिनी भोजक, दिलीप शर्मा, राकेश अबोटी, मुकेश शर्मा, नटवर शर्मा, विकास शर्मा, प्रकाश मिश्रा, राजेन्द्र पाठक, चेतन शर्मा, राजेश शर्मा, श्यामसुंदर भोजक, जयंतीलाल शर्मा, अविनाश शर्मा, भूपेश कश्यप, वीरेंद्र शर्मा, नरेंद्र शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे। पहला मैच छत्रपति महाराष्ट्र वारियर्स और चेन्नई बी. टीम के बीच खेला गया।

जिसमें चेन्नई बी पांच विकेट से विजेता रही। दूसरा मैच कर्णावटी किंग्स और भास्कर इलेवन के बीच खेला गया, जिसमें भास्कर इलेवन आठ विकेट से जीती। तीसरा मैच बेंगलूरु टाइटन और हुब्बल्ली स्ट्राइकर्स के बीच खेला गया, जिसमें बेंगलूरु टाइटन नौ विकेट से विजेता रही। शुक्रवार को खेले गये प्रारंभिक मैचों में मैन ऑफ द मैच खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह देकर सुनील शर्मा द्वारा सम्मानित किया गया।

परमात्मा की ओर ले जाने वाला साधन है सामायिक: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राजाजीनगर स्थानक में विराजित साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी उपमा ने प्रवचन में कहा कि परमात्मा द्वारा बताए गए छह आवश्यकों में प्रथम आवश्यक सामायिक है। सामायिक आत्मा को परमात्मा की ओर ले जाने वाला साधन है। सामायिक हमे सिद्धालय की ओर ले जाता है, जो जीव से शिव, नर से नारायाण बनाने वाला आवश्यक है वह है सामायिक। यह साधना समभाव से करनी चाहिए, जिसमें जीवों के प्रति मैत्री, प्रमोद और करुणा भाव उत्पन्न हों। उन्होंने बताया कि संसार का प्रत्येक जीव किसी न किसी रूप में दुखी है। उन सबके प्रति मेरे हृदय में करुणा जागृत हो, और हर क्षण मेरे भीतर करुणा की भावना सुदृढ़ होती जाए।

साध्वीजी ने कहा कि सामायिक साधना को सफल बनाने के लिए चार शुद्धियाँ अनिवार्य हैं। द्रव्य शुद्धि, सामायिक में उपयोग होने वाले उपकरण (आसन, पाटा, पुस्तक आदि) शुद्ध और स्वच्छ होने चाहिए। क्षेत्र शुद्धि, साधना का स्थल शांत, स्वच्छ और पवित्र होना चाहिए, ताकि मन एकाग्र हो सके। काल शुद्धि, सामायिक का समय ऐसा होना चाहिए जब वातावरण शांत हो और साधना में कोई विघ्न न आए। भाव शुद्धि, सबसे महत्व- पूर्ण है कि साधक के अंतरंग भाव निर्मल, शुद्ध और करुणा से पूर्ण हों। इन चार शुद्धियों के पालन से सामायिक साधना आत्मिक उन्नति और परम शांति की ओर ले जाती है। इस अवसर पर समरथमल कोठारी ने 25 एवं विशाल गांधी ने 26 उपवास के पच्चखान लिए। इचलकरंजी संघ मंत्री घिसूलाल पारख और होसपेट संघ अध्यक्ष गौतमचंद भंसाली का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मंजूनाथनगर सकल संघ अध्यक्ष उत्तमचंद आछा एवं अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। 14 सितंबर से 18 सितम्बर तक आयोजित गुरु आत्म शिव जन्मोत्सव के पंच दिवसीय आयोजन में रविवार के प्रथम दिवस भिक्षु दया एवं गुरु आत्म गुणगान दिवस स्वरूप मनाया जाएगा। संचालन सहमंत्री राकेश दलाल ने किया और आभार ज्ञापन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

समय से बड़ा बलवान कोई नहीं: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि जो प्रयास करते हैं, निरंतर अभ्यास करते हैं, वह विद्वान बन जाते हैं। धीरे धीरे ही सब कुछ होता है। कितना भी बड़ा अज्ञानी क्यों न हो अगर लगातार अभ्यास करता रहा तो वह भी विद्वान बन सकता है। उत्तराध्ययन सूत्र का श्रवण करते करते महाप- ुरुष महान बन गए। इसलिए कहते हैं कि लगातार अभ्यास करते रहना चाहिए। जीवन को बदलने का सबसे अच्छा मार्ग अभ्यास है। किसी भी चीज का अभ्यास किया जाए तो एक दिन वह परफेक्ट बन जाता है। धर्म ध्यान का भी अभ्यास करते करते मनुष्य का जीवन बदल जाता है। मनुष्य को अपनी इंद्रियों पर काबू रखना चाहिए। अगर काबू नहीं किया तो कर्मों के चक्र में फसना पड़ेगा। कर्म किसी को छोड़ने वाला नहीं है। जब मनुष्य धर्म ध्यान में लगता है तो उसको अच्छे बुरे कर्मों के बारे में पता चल जाता है। गुरुदेव ने फरमाया कि मनुष्य अपने कर्मों की वजह से ही संसार में भटक रहा है। जब तक कर्मों की निर्जरा नहीं होगी, संसार में भटकना जारी रहेगा। सब सुख और दुख का कारण कर्म ही है। संसार को पार करना है तो कर्मों को समझना पड़ेगा। कोई मौज मस्ती कर रहा हैं तो कोई दो रोटी के लिए भी परेशान है। दुख और सुख दोनों हमारा ही है। ये सब हमारे कर्मों का ही परिणाम है। जैसा देंगे वापस वैसा ही मिलेगा। समय बहुत बलवान होता है। समय आने पर मनुष्य ढीला हो जाता है। समय अगर अच्छा है तो अच्छा ही करना चाहिए। बुरा

किया तो समय बदलते देर नहीं लगता है। समय के हिसाब से कल का दुखी भी सुखी हो जाता है। समय से बड़ा बलवान कोई नहीं होता है। चेतन प्रकाश डूंगरवाल ने अपने वक्तव्य में गुरुदेव के प्रति काफी विचार व्यक्त किये। गौतमचंद मरडिया, शांतिलाल खीवेंसरा, कपूरचंद खीवेंसरा, हलसूर की महिला मंडल की विशेष उपस्थिति रही। कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने सभी का स्वागत किया। संचालन करते हुए महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने बताया कि रविवारीय प्रवचन मध्यान्ह 2 बजे से होगा।

समस्या को जान लेना पर्याप्त नहीं: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने संघवी परिवार के घर पगलिया के अवसर पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एक संत को एक साधक ने पूछा, मन में अच्छे विचार नहीं आते हैं।

करने जाता हूं तो बुरे विचार मन पर हावी हो जाते है। मैं क्या करूं? संत ने कहा कि, प्रश्न का उत्तर बाद में दुंगा पहले एक काम करो।

यहां नजदीक में एक झील है वहां से पीने के लिए पानी लेकर आओ। साधक पानी लेकर आया और बताने लगा कि यह पानी गंदा है, पीने लायक नहीं है। संत ने कहा कि, पात्र को जमीन पर रख दो। इस विषय में थोड़ी देर के बाद बात करेंगे। थोडी देर के बाद संत ने साधक को पानी देखने को कहा।

उसने देखा कि कचरा नीचे बैठ गया है। पानी स्वच्छ हो गया है। संत ने इस घटना के माध्यम से तीन सारभूत बातें बताईं एक, हमारा मन पानी जैसा है। पानी में कचरे की तरह बुरे संस्कार फैले होते हैं। जब जब मन सक्रिय रहता है, बुरे संस्कार भी सक्रिय हो जाते हैं। दूसरा, कचरे की शिकायत करने से पानी स्वच्छ नहीं होता। पानी को स्वच्छ करने के लिए उपाय-योजना करनी पड़ती है। अधिकतर लोग जीवन या मन के विषय में शिकायत करते रहते हैं। हाथ में चाय का कप लेकर कहते रहेंगे कि चाय फीकी है। परंतु एक चम्मच चीनी डालने का कष्ट नहीं करेंगे। समस्या को जान लेना पर्याप्त नहीं है। उसके उपर काम करना अनिवार्य है। तकलीफ के समय में हम पुरानी आदतों के परवश हो जाते हैं। समस्याओं को गोल-गोल घुमाते रहते हैं। नये उपाय के विषय में नहीं सोचते। दूसरों के विषय में सवाल उठाते हैं अपने आपको सवाल नहीं करते। तकलीफ में अपने आपको सवाल करो।

समाधान के नये रास्ते के विषय में सोचो। जितनी बार दिमाग सवाल करेगा या समाधान ढूंढेगा, उतनी बार दिमाग नये न्यूरोकनेक्शन (माहिती संबंध) बनाएगा। श्री सौधर्म बृहत्तपो- गच्छीय शंखेश्वर पार्श्व-राजेन्द्र गुरूमंदिर संघ ट्रस्टी महेंद्र जैन ने बताया कि साध्वीवृंद ने संघवी अनिल कुमार, घेवरचंद बालगोत्र के यहा सकल श्रीसंघ की उप- स्थिती में पगलिया किया। सभी की साधर्मिक भक्ति का लाभ संघवी परिवार ने लिया। राजु भंडारी ने बताया कि नेरल महाराष्ट्र से सतीश कुमार हिंगड, संजय कुमार सिसोदिया, रेश्मा हिंगड, रिना सिसोदिया, इशिता, जैनिश, बेंगलूरु से आनंदराज सुराणा, रितेश सुराणा, संजय सुराणा, मधु सुराणा, संतोष, शोभा, रिंकु, समर सुराणा, पूणे से हस्तिमल राणावत, चंचल राणावत, बेंगलूरु से लखमीचंद पालगोता, मनोज कुमार परमार, बेंगलूरु से हलसूर ग्रुप का संघ की ओर से बहुमान किया गया।

लोकसभा के अध्यक्ष ओमप्रकाश बिरला का स्वागत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
लोकसभा के अध्यक्ष ओमप्रकाश बिरला के तीन दिवसीय बेंगलूरु प्रवास पर पहुंचने पर शनिवार को राजभवन में प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के तत्व- ावधान में 13 राजस्थानी समाजों के प्रतिनिधियों के 100 सदस्यों ने उपस्थित होकर उनका भव्य स्वागत व अभिनंदन किया। प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के महामंत्री डॉ. जवरीलाल लूनावत ने बताया कि इस आयोजन में जैन, राजपूत, माहेश्वरी, राजपुरोहित, जांगिड, आंजणा पटेल, सीरवी, जाट, देवासी, श्रीनाथ, माली, राजपूत करनी सेना, राजपूत नवयुवक, राजपूत क्षत्रिय, प्रजापत एवं चारण समाज ने उपस्थिति दर्ज कराई। बिरला ने प्रवासी राजस्थानी समाजों का दिल से आभार व्यक्त कर कहा कि भारत के सभी प्रद- ेशों में आप लोगों की सेवा व सहयोग की भावना को सुनकर दिल गदगद हो जाता है। बिरला ने कहा कि आप लोग जन्म भूमि व कर्म भूमि से निरंतर जुड़े रहते हैं। दोनों जगह तन-मन व धन से कार्य करते हैं। यही हमारी संस्कृति व संस्कार की पहचान है। डॉ. लूनावत ने बेंगलूरु में राजस्थान भवन बनाने हेतु व प्रवासी राजस्थानी बोर्ड का गठन करने हेतु ज्ञापन भी दिया जिस पर बिरला ने सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का हुआ आयोजन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के बन्नूर कस्बा स्थित रोटरी स्कूल में कोयम्बत्तूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से समाजसेविका गवरीद- ेवी- कान सिंह राजपुरोहित की ओर से नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन रखा गया। शिविर में मैसूरु, बेंगलूरु और मांड्या जिलों के आसपास के गाँवों के 150 लोगों ने नेत्र जांच करवाई।

परामर्श के बाद 51 लोगों की आंखों में दिक्कत पाई गई। ऑपरेशन हेतु अरविंद नेत्र चिकित्सालय लेकर गए। कोयम्बत्तूर अरविंद नेत्र चिकित्सालय में आँखों की समस्या से ग्रस्त रोगियों की नि:शुल्क सर्जरी और चश्मे दिए गए। समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने स्वयं रोगियों की स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनकी सहायता की। समाजसेवी महेंद्र सिंह ने कहा कि यह शिविर पिछले 17 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य गरीबों के जीवन में प्रकाश लाना है और उन्होंने सभी से आयोजित होने वाले इस शिविर का लाभ उठाने का आह्वान किया। इस अवसर पर रोटरी के लक्ष्मण राम, मणिकचंद, रमेश जैन, अरविंद नेत्र चिकित्सालय के पीआरओ विजय, डॉ.चंद्रवदन, डॉ.शाही तेजा, संतोष कंवर, राजेश सिंह, विराट सिंह, वन्य कंवर आदि लोग उपस्थित रहे।

सामूहिक क्षमापना पर्व मनाया गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु शहर के मंजूनाथनगर क्षेत्र के श्री सकल जैन संघ मंजूनाथनगर शिवनगर के तत्व- ावधान में महासती श्रीनिर्मला श्रीजी की शिष्या तप चंद्रिका महान साध्वी श्री नंदिनी श्री जी, साध्वी श्री ऋषिता जी की पावन निश्रा में जैन भवन में सामूहिक क्षमापना पर्व मनाया गया। इस कार्यक्रम में महासती ने क्षमा, दान एवं धर्म की महिमा बताई। गुरुवर्या के प्रवचन के पश्चात संघ की ओर से मंत्री राकेश दलाल ने सभी से क्षमायाचना की। संघ के अध्यक्ष संघवी उत्तम चन्द आच्छा ने सभी का आभार व्यक्त किया। संघ की योजना के अनुरूप जिन महिला सदस्यों ने ज्यादा से ज्यादा सामायिक की उन्हें पुरस्कृत किया गया।

सुमित्रा दलाल को प्रथम पुरस्कार में स्वर्ण सिक्का, चंद्रा बाई बाँठिया को दूसरा पुरस्कार एवं संघवी पुष्पा बाई आच्छा को तृतीय पुरस्कार में रजत के सिक्कों से सम्मानित किया गया। मंच का संचालन संघ के प्रचार मंत्री अंकित आच्छा ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *विभिन्न हिंदू संगठनों द्वारा हंपी नगर चौराहे पर आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

धर्मस्थल मामला : एसआईटी कार्यालय में तीन लोगों से फिर पूछताछ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
धर्मस्थल मामले में शुक्रवार को तीन और लोग बेल्टांगडी एसआईटी कार्यालय में पूछताछ के लिए पेश हुए। गिरीश मत्तनवर, जयंत टी. और यूट्यूबर प्रदीप को इस मामले में पूछताछ के लिए पेश होने को कहा गया था। इसलिए, ये तीनों बेल्टांगडी एसआईटी कार्यालय में पेश हुए। मामले में शिकायतकर्ता चिन्नैया की गिरफ्तारी के बाद, एसआईटी के अधिकारी इन तीनों से दो-तीन बार पूछताछ कर चुके हैं और पूछताछ के दौरान उनके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर कुछ जानकारी हासिल की है। अधिकारी इन तीनों से फिर पूछताछ कर रहे हैं और जाँच के तहत और जानकारी जुटा रहे हैं।

व्यक्ति की हत्या के आरोप में ग्राम पंचायत सदस्य गिरफ्तार

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले की कोडिगेनहल्ली पुलिस ने एक मामूली विवाद के बाद, पोलेनहल्ली बस स्टैंड पर दिनदहाड़े अपनी एसयूवी से एक ग्रामीण को कुचलने के आरोप में एक ग्राम पंचायत सदस्य को गिरफ्तार किया है। मृतक आनंद (42), जो एक निजी फर्म में कार्यरत था, का पानी के बिल कलेक्टर रामकृष्ण से झगड़ा हुआ था। रामकृष्ण ने ओवरहेड टैंक के ओवरफ्लो होने और अपने नियमित काम के दौरान पानी की बर्बादी को लेकर उससे झगड़ा किया था। पुलिस ने कहा पड़ोसियों ने दोनों को शांत कराया और रामकृष्ण के वहां से जाने के बाद, आनंद ने कथित तौर पर उसका पीछा किया और रामकृष्ण से भिड़ गया। रामकृष्ण के बेटे और ग्राम पंचायत सदस्य नागेश, जो मौके पर पहुँचे, ने कथित तौर पर आनंद को अपनी गाड़ी से कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। एक चश्मदीद और आनंद के रिश्तेदार की शिकायत के आधार पर, पुलिस ने नागेश पर हत्या का आरोप लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया। परिवार, रिश्तेदारों और आनंद के समुदाय के अन्य सदस्यों ने हत्या के लिए उकसाने के आरोप में रामकृष्ण और उनकी पत्नी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी और मृतक अलग-अलग जाति के हैं और उनके बीच सदियों से मतभेद थे, जिसके चलते हत्या की गई।

गणेश विसर्जन जुलूस में ट्रक घुसने से 9 लोगों की मौत, 20 से अधिक घायल

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

हासन तालुका के मोसाले होसाहल्ली में शुक्रवार रात एक दुखद घटना में, एक लॉरी के गणेश विसर्जन जुलूस से टकराने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

जुलूस राष्ट्रीय राजमार्ग 373 पर चल रहा था, तभी एक कैंटर लॉरी अचानक सामने आई एक बाइक से बचने की कोशिश में नियंत्रण खो बैठी। टक्कर से बचने के प्रयास में, चालक ने गाड़ी मोड़ दी, जिससे लॉरी सड़क के डिवाइडर को पार कर भीड़ में जा घुसी। इस टक्कर में नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को हासन के एचआईएमएस अस्पताल ले जाया गया, जहाँ कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने ट्रक चला रहे भुवनेश के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 281, 106 और 125 के तहत मामला दर्ज किया है। दुर्घटनास्थल पर रिकॉर्ड की गई वीडियो क्लिप में दिख रहा है कि ट्रक

एक दोपहिया वाहन को टक्कर मारता है और फिर डिवाइडर पार करके गणेश जुलूस में नाच रही भीड़ से टकरा जाता है। घटना में चालक को भी चोटें आईं। पुलिस ने दनायकनहल्ली निवासी मंजूनाथ के बयान के आधार पर मामला दर्ज किया, जिन्होंने इस घटना में अपने भतीजे ईश्वर को खो दिया था। मृतकों में तीन मोसाले होसाहल्ली स्थित सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज के इंजीनियरिंग छात्र हैं। वे चित्रदुर्गा जिले के होसदुर्गा तालुक के गविरंगपुरा के 21 वर्षीय मिथुन, चिक्कमगलूरु तालुक के मल्लेनाहल्ली के 21 वर्षीय सुरेश, बल्लारी के 22 वर्षीय प्रवीण कुमार हैं। मरने वाले अन्य लोगों में राजेश, 18, ईश्वर, गोकुल 17, कुमारस्वामी 25, प्रवीण कुमार 25 और प्रभाकर 51 शामिल हैं। मौके का दौरा करने वाले सांसद श्रेयस पटेल ने इस घटना को 'दुखद' बताया। उन्होंने कहा यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। हमें जानकारी मिली है कि कई लोगों की जान चली गई है। ऐसी घटना कभी नहीं होनी चाहिए थी। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूरी जाँच के बाद ही सही कारण का पता चलेगा। विधायक एच. डी. रेवन्ना ने भी घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, जो हासन जिले के प्रभारी भी हैं, ने भी हासन तालुका के मोसाले होसाहल्ली का दौरा किया, जहाँ दुर्घटना हुई थी। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ, उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें घटनाक्रम की पूरी जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने प्रत्येक मृतक के लिए 5 लाख के मुआवजे की घोषणा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने हासन हादसे में मारे गए लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है और मृतकों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है। सोशल मीडिया पर इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें यह खबर सुनकर गहरा दुख हुआ कि हासन में गणेश विसर्जन जुलूस में शामिल होने जा रहे लोगों को एक ट्रक ने कुचल दिया, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा घायल हो गए। उन्होंने कहा कि वह मृतकों की आत्मा की शांति और घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं।

मृतकों के परिवारों को सरकार की ओर से 5-5 लाख रुपये दिए जाएँगे। सरकार इस घटना में घायल हुए लोगों के इलाज का खर्च वहन करेगी। यह बहुत ही दुखद क्षण है। उन्होंने कहा कि आइए हम सभी दुर्घटना पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़े हों। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने भी इस घटना पर ट्वीट किया और मृतकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा गणपति विसर्जन जुलूस के दौरान हुए एक भयानक हादसे की खबर सुनकर मुझे गहरा सदमा लगा, जिसमें कई लोगों की जान चली गई और 20 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मुझे गहरा दुख है कि एक ट्रक ने गणपति जुलूस में जा रहे लोगों को कुचल दिया, जिससे कई श्रद्धालुओं की मौत हो गई। यह एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है, ईश्वर मृतकों की आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवारों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। मैं प्रार्थना करता हूँ कि सभी घायल जल्द से जल्द स्वस्थ हो जाएँ। राज्य सरकार घायलों को अच्छा और मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए।

प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिवारों के लिए 2-2 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक के हासन जिले के होलेनरसीपुर तालुका में मोसाले होसल्ली के पास गणेश उत्सव के दौरान हुए ट्रक हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए 2-2 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है।

मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर यह पोस्ट करते हुए घोषणा की कि वह ट्रक दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान करेंगे।

घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए, मोदी ने कामना की कि जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे घायल जल्द से जल्द स्वस्थ हों। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएँ। दुर्घटना की खबर सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ है।

मुझे खेद है कि गणेश विसर्जन समारोह के दौरान ऐसी त्रासदी हुई। मुझे सूचित किया गया है कि कर्नाटक सरकार घायलों को हर संभव चिकित्सा सहायता प्रदान करेगी। वहाँ की सरकार ने कहा कि वह पीड़ितों को जल्द से जल्द इलाज मुहैया कराएगी। घटना की खबर सुनकर, मेरा दिल शब्दों में बयां नहीं कर सकता। सरकार पीड़ित परिवारों के साथ है। मैं प्रार्थना करता हूँ कि उनके घाव जल्द से जल्द ठीक हो जाएँ।

गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान त्रासदी

निखिल कुमारस्वामी ने उच्च स्तरीय जांच की मांग की

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने हासन तालुका के मोसालेहोसल्ली गाँव में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान हुई त्रासदी की उच्च-स्तरीय जाँच की माँग की। देर रात, उन्होंने दुर्घटना के बाद जिला अस्पताल का दौरा किया और मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। बाद में, उन्होंने घायलों का हालचाल जाना और परिजनों को ढाँढस बँधाया। बाद में, मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने कहा दुर्घटना का वीडियो देखकर हम सभी स्तब्ध हैं। यह एक ऐसा दृश्य है जिसे हम बर्दाश्त नहीं कर सकते। माता-पिता अपने बच्चों के भविष्य के लिए बड़े सपने देखते हैं। इस दुर्घटना ने उनके मन पर जो आघात पहुँचाया है, उसे हममें से कोई भी दूर नहीं कर सकता। मैं प्रार्थना करता हूँ कि माँ चामुंडेश्वरी देवी मृतकों के परिवारों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। दुर्घटना में हुई जान-माल की क्षति की कोई कीमत नहीं लगा सकता। उन्होंने दुख व्यक्त किया कि उनके माता-पिता के अपने बच्चों का भविष्य संवारने के सपने आज चकनाचूर हो गए। हम मुख्यमंत्री द्वारा मृतकों के लिए 5 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा का स्वागत करते हैं। निखिल कुमारस्वामी ने मांग की कि सरकार को उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए मानवता के नाते और अधिक मुआवजे की घोषणा करनी चाहिए। इस अवसर पर विधायक स्वरूप प्रकाश और एच.टी. मंजू सहित कई नेता उपस्थित थे। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने भी हासन जिले के मोसाले होसल्ली गाँव में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान हुई भीषण दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। इस दुर्घटना में 9 लोगों की मृत्यु हो गई और कई गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हृदयविदारक घटना ने मन को गहरा आघात पहुँचाया है। देवेगौड़ा ने कहा कि ईश्वर मृतकों की आत्मा को शांति प्रदान करे और उनके परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करे। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

भड़काऊ भाषण देने वालों के खिलाफ एफआईआर जरूरी: सीएम

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शांति भंग करने और भड़काऊ भाषण देने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की आवश्यकता का बचाव किया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सरकार राजनीतिक द्वेष भड़काने वाला कोई कदम नहीं उठा रही है, भाजपा नेता आए दिन बयानबाजी कर लोगों को भड़का रहे हैं। शांति, सद्भाव और सौहार्द बनाए रखना सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मामले दर्ज किए जाएँगे। यह आरोप कि हिंदू नेताओं पर आपराधिक मामले दर्ज करके उन्हें निशाना बनाया जा रहा है, निराधार है। क्या मैं हिंदू नहीं हूँ? मेरे नाम में भगवान के दो नाम हैं। सिद्ध का अर्थ है भगवान का नाम, और राम विष्णु का नाम है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभिन्न संगठनों की इस मांग की जाँच करेगी कि पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा को दशहरा समाप्त होने तक जिले से निर्वासित किया जाए। जिन लोगों ने दशहरा के उद्घाटन के लिए कवि बानू मश्ताक के चयन के खिलाफ अदालत में जनहित याचिका दायर की है, उन्हें बताना चाहिए कि वे अदालत क्यों गए हैं। सरकार अदालत के फैसले का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा कि दशहरा एक सांस्कृतिक उत्सव है और इसमें समान धर्म के लोगों के शामिल होने के लिए कोई नियम नहीं हैं।

धर्मस्थल मामले में एसआईटी जाँच चल रही है। सरकार किसी भी तरह का हस्तक्षेप नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि जाँच में कोई देरी नहीं हो रही है और इसे अनावश्यक रूप से टालने की कोई जरूरत नहीं है।

भाजपा का यह आरोप कि सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण में नई जातियाँ बनाई जा रही हैं, बेमानी है। केंद्र सरकार भविष्य में जाति जनगणना भी कराएगी। उन्होंने सवाल किया कि क्या भाजपा तब भी इसी तरह की बात करेगी? भले ही हम कहें कि हम धर्मांतरण नहीं चाहते, लोग व्यवस्था के प्रभाव से धर्म परिवर्तन करते हैं। हमारे हिंदू समाज में सभी के लिए समानता और समान अवसर नहीं हैं, इसलिए वे धर्म परिवर्तन करते हैं। उन्होंने कहा कि भले ही किसी भी धर्म में असमानता हो, लेकिन शोषितों को धर्म परिवर्तन का अधिकार है। जिन लोगों ने धर्म परिवर्तन किया है, वे सर्वेक्षण में वही धर्म या जाति लिखेंगे। अगर उन्हें लगता है कि मैंने हिंदू धर्म से मुस्लिम धर्म अपनाया है। अगर उन्हें लगता है कि मैं धर्म परिवर्तन नहीं करूँगा, तो उन्हें सर्वेक्षण में अपना धर्म लिखना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपक्ष के दबाव में झुक गए और मणिपुर का दौरा किया। पहले जब वहाँ अशांति थी, तब वे वहाँ नहीं गए थे। अब, जब स्थिति बेहतर हो रही है, तब उन्होंने दौरा किया है। उन्होंने सवाल किया कि वे दो साल तक चुप क्यों रहे? गोवा सरकार महादयी नदी पर कलासा बंदूरी बांध के निर्माण में बाधा डाल रही है।

न्यायाधिकरण ने 15 साल पहले 2010 में अलमट्टी बांध की ऊँचाई 519 मीटर से बढ़ाकर 524 मीटर करने का आदेश दिया था। हालाँकि, महाराष्ट्र सरकार इसका विरोध कर रही है। तमिलनाडु कावेरी नदी पर मेकेदातु के पास एक संतुलित बांध के निर्माण का विरोध कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राज्यों के मुख्यमंत्रियों को सूचित करना चाहिए और उन्हें सिंचाई परियोजनाएँ शुरू करने की अनुमति देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और गोवा में भाजपा के मुख्यमंत्री हैं, उन्हें सलाह दी जानी चाहिए।

यातायात जुर्माना छूट योजना समाप्त: कर्नाटक ने अब तक 89 करोड़ रुपये एकत्र किए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार की यातायात जुर्माना भुगतान पर 50 प्रतिशत छूट योजना, जो 23 अगस्त से लागू हुई थी, के तहत करोड़ों रुपये का बकाया जुर्माना वसूला जा चुका है। शुक्रवार को इस योजना का आखिरी दिन होने के कारण, कई वाहन मालिक अपने बकाया का भुगतान करने के लिए दौड़ पड़े, क्योंकि यह लंबित चालानों का भुगतान करने का सबसे अच्छा समय था। यह समय सीमा शुक्रवार रात 12 बजे समाप्त हो गई।

रिपोर्ट्स के अनुसार, शुक्रवार दोपहर 2 बजे तक इस योजना के तहत कुल 89 करोड़ रुपये वसूले जा चुके थे। 50 प्रतिशत जुर्माना माफी योजना की घोषणा कर्नाटक सरकार ने 21 अगस्त को की थी और यह मोबाइल ई-चालान के माध्यम से दर्ज किए गए जुर्माने पर लागू थी। 23 अगस्त से 12 सितंबर के बीच, वाहन चालकों को केवल आधी राशि का भुगतान करके यातायात उल्लंघन के जुर्माने से छुटकारा पाने की अनुमति थी। यातायात पुलिस ने नागरिकों के लिए जुर्माना भरना आसान बनाने और सड़कों पर उल्लंघनों को कम करने के लिए यह पहल शुरू की थी। योजना के अंतिम दिन, यातायात प्रबंधन केंद्रों पर लंबी कतारें देखी गईं क्योंकि लोग अपना बकाया चुकाने के लिए दौड़ पड़े। इस योजना के दौरान उल्लेखनीय संग्रह हुआ। 23 से 28 अगस्त के बीच पहले छह दिनों में 6.72 लाख चालान निपटाकर 18.95 करोड़ रुपये एकत्र किए गए। 2 सितंबर तक, केवल 11 दिनों के भीतर, यह राशि बढ़कर 31.87 करोड़ रुपये हो गई। 8 सितंबर तक, 17 दिनों के बाद, 19.36 लाख चालान निपटाकर कुल संग्रह 54.30 करोड़ रुपये तक पहुँच गया। शुक्रवार दोपहर 2 बजे तक, संग्रह 89 करोड़ रुपये को पार कर गया, जो एक बड़ी उपलब्धि है। अधिकारियों ने बताया कि यह पहली बार है जब किसी एक योजना में इतनी बड़ी राशि एकत्र की गई है, जो सड़क सुरक्षा के बारे में बढ़ती जन जागरूकता का भी संकेत है।

फूलों की कीमतें गिरीं, उत्पादक संकट में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गौरी-गणेश उत्सव के दौरान फूलों की आसमान छूती कीमतें पितृ पक्ष में अपने सबसे निचले स्तर पर पहुँच गई हैं और फूल उत्पादक बेहद मुश्किल में हैं। एक पखवाड़े पहले, सेवंती का एक मरू 150 रुपये में बिक रहा था। अब, बाजार में एक मरू 40 रुपये में बिक रहा है। इसके अलावा, कीमत गिरकर 40 रुपये प्रति किलो हो गई है। इससे फूल उत्पादकों को भारी परेशानी हो रही है। पितृ पक्ष के दौरान किसी भी शुभ कार्य के न होने से कीमतों में गिरावट आई है। कोलार, चिक्कबल्लापुर, तुमकुरु, चित्रदुर्ग और रामनगर के किसान, जहाँ फूल उगाए जाते हैं, यह सोचकर फसल उगाने से हिचकिचा रहे हैं कि पितृ पक्ष के दौरान फूलों की कोई कीमत नहीं मिलेगी, और उन्होंने दशहरा के लिए फूल उगाए हैं। कहा जा रहा है कि दशहरा के लिए कीमतों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। फूलों का उपयोग केवल पार्टियों और पूजा-पाठ के लिए किया जाता है। कोई विवाह, मुंजि या शुभ कार्य नहीं हो रहे हैं। इसलिए, फूलों की माँग में कमी के कारण कीमतों में गिरावट आई है। किसान बिना किसी खरीदार के, अपनी तोड़ी हुई और बाजार में लाई गई फूलों की फसल को मनचाहे दामों पर बेच रहे हैं। इसका मतलब है कि परिवहन और फूलों की कटाई का खर्च पूरा नहीं हो पा रहा है। कुछ किसानों ने तोड़े बिना ही फूलों को खेतों में ही छोड़ दिया है। कीमत चाहे कितनी भी गिरे या बढ़े, इससे किसानों को कोई फायदा नहीं होगा। एक किसान ने बताया कि जो भी होगा, उससे व्यापारियों, दलालों और बाजारियों को ही फायदा होगा। राज्य के विभिन्न बाजारों में सेवंतिगे 40 रुपये प्रति किलो, गेंदा 60 रुपये, गुलाब 50 रुपये, काकड़ का फूल 250 रुपये और सुगंध राजा 250 रुपये प्रति किलो बिक रहा है।

कपड़ा नीति निर्माण से 2 लाख रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा : मंत्री शिवानंद पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कपड़ा, गन्ना विकास, चीनी और कृषि विपणन मंत्री शिवानंद पाटिल ने कहा कि कपड़ा और रेडीमेड परिधान क्षेत्र में अधिक निवेश आकर्षित करने और लगभग 2 लाख रोजगार सृजित करने के लिए कपड़ा नीति 2025-30 तैयार की जाएगी। नई कपड़ा नीति के निर्माण हेतु सुझाव प्राप्त करने हेतु शुक्रवार को विधान सौधा में बुलाए गए प्रतिनिधियों और कपड़ा उद्यमियों की एक बैठक में बोलते हुए, मंत्री ने आश्वासन दिया कि बैठक में व्यक्त सुझावों पर विचार किया जाएगा और उन्हें कपड़ा नीति में शामिल किया जाएगा। कपड़ा क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। कर्नाटक हथकरघा विकास निगम और कर्नाटक राज्य कपड़ा अवसंरचना विकास निगम का 2020 से ऑडिट नहीं हुआ है। अब जब ऑडिट हो गया है, तो घाटे के कारण दोनों का विलय करने का निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री से सरकारी विभागों के लिए हथकरघा उत्पाद खरीदने का अनुरोध पहले ही किया जा चुका है। विधायकों के साथ फिर से मुख्यमंत्री से मिलने का इरादा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों के लिए हथकरघा उत्पादों की खरीद से हथकरघा बुनकरों को प्रोत्साहन मिलेगा।

यह भी कहा गया है कि शून्य ब्याज दर वाले ऋणों पर जीएसटी लगने के कारण बुनकरों को ब्याज मुक्त ऋण मिलने पर भी कोई लाभ नहीं मिल रहा है। सभी के सहयोग से जीएसटी हटाने का प्रयास किया जाएगा। बेलगावी में एक वस्त्र अनुसंधान केंद्र शुरू किया जाएगा। चमड़े से बने चप्पल-जूते उद्योग के विकास के लिए भी नीति बनाने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि लघु उद्योग क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इस उद्योग को वस्त्र नीति में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा।

जिन स्थानों पर विभाग की संपत्ति है, वहाँ पेट्रोल पंप स्थापित करने की मांग की जाएगी ताकि आय के स्रोत का पता लगाया जा सके। साथ ही, घाटे में चल रहे सहकारी क्षेत्र के वस्त्र उद्योग को उसकी संपत्ति बेचे बिना पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जाएगा। कपड़ा क्षेत्र के विकास के लिए चाहे कितनी भी योजनाएँ बनाई जाएँ, अगर बजट में आवश्यक धनराशि उपलब्ध नहीं कराई जाती, तो वे उपयोगी नहीं होंगी। इसलिए, पूर्व विधायक और केएचडीसी के पूर्व अध्यक्ष एम.डी. लक्ष्मीनारायण ने सुझाव दिया कि एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिलकर धनराशि बढ़ाने का अनुरोध करे। बुनकरों को साल भर रोजगार उपलब्ध कराया जाए।

रूपांतरण निधि में वृद्धि की जाए। निगम को लाभ की राह पर ले जाने के लिए आय के स्रोत सृजित किए जाएँ। विधायक अभय पाटिल ने कहा कि उत्तर कर्नाटक में कपड़ा क्षेत्र के विकास के लिए एक अनुसंधान केंद्र शुरू करने की आवश्यकता है और इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इस मौके पर कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, कावेरी हैंडलूम के अध्यक्ष जे.बी. गणेश, केएचडीसी के पूर्व अध्यक्ष रवींद्र कलबुर्गी सहित कई लोगों ने सुझाव और निर्देश दिए।

यूपीआईटीएस 2025 : इंडिया एक्सपो मार्ट में लगेगा विकास और निवेश का महाकुंभ

लखनऊ, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश निवेश और औद्योगिक विकास का नया केंद्र बन चुका है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2025 में भी इसकी एक झलक देखने को मिलेगी। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित होने वाले इस मेगा शो के मास्टर एग्जिबिशन लेआउट के अनुसार प्रदेश के प्रॉयरिटी सेक्टर्स, राइजिंग सेक्टर्स और चैंपियन सर्विसेज सेक्टर्स को विशाल क्षेत्रफल अलॉट किया गया है। मास्टर लेआउट के मुताबिक हॉल-1 से लेकर हॉल-8 तक और हॉल-15 बी2बी गतिविधियों के लिए, जबकि हॉल-9, हॉल-10 और हॉल-12 बी2सी के लिए अलॉट हैं। हॉल-11 और हॉल-14 को बी2बी और बी2सी दोनों का हब बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार ने यूपीआईटीएस को न सिर्फ प्रदेश का, बल्कि देश का एक भविष्य निर्धारक निवेश मंच बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। निवेशकों, उद्यमियों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को आकर्षित करने

वाला यह आयोजन उत्तर प्रदेश को औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान देने वाला साबित होगा।

मास्टर लेआउट के मुताबिक ग्राउंड फ्लोर पर हॉल-1 में यूपीसीडा और इन्वेस्ट यूपी को 2,156 स्क्वायर मीटर क्षेत्र दिया गया है।

हॉल-2 में जीनीडा, यीडा, सिविल एविएशन और रूस के पवेलियन के लिए 2,400 स्क्वायर मीटर जगह अलॉट हुई है। हॉल-5 को यूपीएलसी पवेलियन, स्टार्टअप्स, आईटी/आईटीईएस और इले-क्ट्रिकल-इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर के लिए 1,930 स्क्वायर मीटर क्षेत्र में सजाया जाएगा, जो प्रदेश के प्रॉयरिटी सेक्टर्स में शामिल है। वहीं, हॉल-7 को टूरिज्म विभाग, स्टेट वॉटर एवं सैनिटेशन मिशन, क्लीन ग्रुप और नोएडा अथॉरिटी के लिए 2,000 स्क्वायर मीटर एरिया में बनाया गया है। इसे चैंपियन सर्विसेज हॉल का दर्जा दिया गया है।

प्रदेश की महत्वाकांक्षी योजना वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) के लिए हॉल-9 को 3,300 स्क्वायर मीटर क्षेत्रफल में भव्य प्रदर्शनी स्थल बनाया जाएगा। हॉल-10 नए वेंचर्स और महिला उद्यमियों के लिए समर्पित है, जिसे 3,300 स्क्वायर मीटर जगह मिली है। हॉल-11 में यूपीएसआरएलएम, जीआई प्रोडक्ट्स, एफएसडीए (फूड), एफएमसीजी, फिशरीज और एनीमल हस्बैंड्री सेक्टर्स के स्टॉल्स 3,300 स्क्वायर मीटर क्षेत्र में लगेंगे। ये तीनों हॉल (9, 10 और 11) को राइजिंग सेक्टर के रूप में मान्यता दी गई है। हॉल-12 में कृषि एवं संबद्ध उद्योग, डेयरी, हॉर्टीकल्चर और गन्ना-चीनी सेक्टर को 3,300 स्क्वायर मीटर में प्रदर्शित किया जाएगा। हॉल-14 को टाउन ऑफ एक्सीलेंस एक्सपोर्ट्स (हैंडीक्राफ्ट, हैंडलूम, टेक्सटाइल और खादी) के लिए 3,300 स्क्वायर मीटर जगह मिली है। हॉल-15 में इन सेक्टर्स के अलावा वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक भी शामिल होंगे, यह भी 3,300 स्क्वायर मीटर एरिया में होगा। इसी तरह, हॉल-18ए को सीएम युवा और हॉल-18बी को क्रेडाई (रीयल एस्टेट) तथा ट्रांसपोर्ट (ऑटो/ईवी) के लिए अलॉट किया गया है।

सेकेंड फ्लोर पर भी व्यापक आयोजन होंगे। हॉल-2 को इनॉगरेशन, बी2बी मीटिंग्स, प्लीनरी सेशन और नॉलेज सेशन के लिए 2,000 स्क्वायर मीटर क्षेत्र दिया गया है। हॉल-4 में यूपी एट ए ग्लांस का प्रदर्शन होगा, जबकि हॉल-6 को 2,000 स्क्वायर मीटर में रिन्यूएबल एनर्जी, सोलर एनर्जी, पॉवर, डिफेंस मैनुफैक्चरिंग और अर्बन डेवलपमेंट के लिए तैयार किया गया है। हॉल-8 में एफएसडीए (ड्रग्स), आयुष, स्वास्थ्य और अस्पताल, उच्च शिक्षा, यूपीएसडीएम, बैंक और फाइनेंस, वन विभाग तथा सिंचाई विभाग को 2,032 स्क्वायर मीटर जगह मिली है। इसी तल पर सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए भी एरिया तय किया गया है।

बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन व्यवस्था में बदलाव

वीआईपी पर्ची से दर्शन का चलन बंद हुआ

मथुरा, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

वृंदावन में ठाकुर श्रीबांकेबिहारीजी मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मंदिर में वीआईपी दर्शन पर्ची की व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है। वीआईपी प्रोटोकॉल व्यवस्था पूर्ववत जारी रहेगी। इसका उद्देश्य दर्शन को निष्पक्ष और व्यवस्थित बनाना है, ताकि हर श्रद्धालु को समान अवसर मिले।

वीआईपी पर्ची के नाम पर अवैध वसूली हो रही थी। उसे अब बंद कर दिया गया है। यह पता लगा है कि एक दिन में करीब 1000-1200 वीआईपी पर्चियां निकल रही थीं। हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी की अहम बैठक शनिवार को मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई। इसमें कई महत्तवपूर्ण निर्णय लिए गए। मंदिर में सेवायतों से लेकर मंदिर की दर्शन व्यवस्था में बडे. बदलाव के फैसले लिए गए। इस मीटिंग के बाद सेवायतों के होश फख्ता हो गए हैं।

बैठक की अध्यक्षता इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अशोक कुमार ने की। बैठक में जिला एवं सत्र न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) मुकेश मिश्रा, वर्तमान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह तथा गोस्वामी राजभोग व शयन भोग समूह के सदस्यगण उपस्थित रहे।

कमेटी द्वारा मंदिर के गेट नंबर 2 और 3 का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निर्णय लिया गया कि श्रद्धालुओं के प्रवेश के लिए प्रत्येक द्वार पर तीन-तीन लाइनें बनाई जाएंगी, जिनमें रेलिंग लगाई जाएगी। श्रद्धालु दर्शन के बाद इन्हीं मार्गों से मंदिर से बाहर निकलेंगे। इससे कुल छह लाइनों के माध्यम से दर्शन और निकास की प्रक्रिया सुगम और व्यवस्थित होगी।

मंदिर परिसर में ऊपर खडे. होकर दर्शन करने में पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग आरक्षित दर्शन क्षेत्र बनाए गए हैं, लेकिन कोई भी किसी में चला जाता है। अब ऐसा नहीं होगा। समिति ने निर्देश दिए हैं कि महिला आरक्षित क्षेत्र में केवल महिलाएं ही रहें और पुरुष आरक्षित क्षेत्र में केवल पुरुष ही। इस व्यवस्था का पालन मंदिर प्रशासन और पुलिस द्वारा कड़ाई से कराया जाएगा।

कमेटी के अध्यक्ष हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज अशोक कुमार की बैठक में यह भी सामने आया कि कई सेवायत गोस्वामी अपने साथ 10-15 सेवकों को लगाते हैं, जो श्रद्धालुओं से अवैध रूप से पैसे वसूलते हैं। इस पर सख्त रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। अब प्रत्येक सेवायत केवल एक या दो सेवकों को रख सकेगा और उनकी जानकारी समिति को देनी होगी। यह व्यवस्था 2-3 दिनों के भीतर लागू कर दी जाएगी।

समिति अध्यक्ष अशोक कुमार ने श्रद्धालुओं से अपील की कि दर्शन करते समय वे शीघ्र आगे बढ़ें और पीछे आने वाले लोगों को भी दर्शन का लाभ लेने दें। मंदिर प्रबंधन सभी के लिए सुगम और सुरक्षित दर्शन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बांकेबिहारी मंदिर मार्ग का निरीक्षण के दौरान टीम को कई दुपहिया वाहन बेतरतीब ढंग से खड़े मिले तो टीम के अध्यक्ष ने तुरंत ही पुलिस को वाहनों के चालन करने के निर्देश दिए। दर्जनों वाहनों के चालान किए गए। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि गलियों में वाहन खड़ा करने से जाम के हालात बने रहते हैं। इसलिए चालान किए गए हैं।

डिफेंस कॉरिडोर के तहत अलीगढ़ में बनेंगे खास रडार

अलीगढ़, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

अलीगढ़ के खैर रोड और अलहदादपुर में विकसित हो रहे डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में खास रडार भी बनाए जाएंगे। ये हवा, जमीन और समुद्र में दुश्मन के लक्ष्य और जहाजों की स्थिति का पता लगा सकेंगे।

इन रडार का उपयोग भारत की वायु रक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाने में किया जाएगा। इसके अलावा, यहां छोटे आग्नेयास्त्र (स्माल आर्म्स) भी बनाए जाएंगे, जिनमें लेजर तकनीक का इस्तेमाल होगा। दो चरणों में विकसित हो रहे डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के पहले चरण में 100 हेक्टेयर से अधिक जमीन पर काम चल रहा है। दूसरे चरण में 217 एकड़ जमीन विकसित की जा रही है।

पहले चरण में कुल 23 निवेशकों ने यूपीडा के साथ करार किया था, लेकिन अभी तक रक्षा कंपनियां वेरीविन डिफेंस, एमिटेक इंडस्ट्रीज आदि ने ही यहां अपना काम शुरू किया है, जबकि अन्य कंपनियां अपनी यूनिट स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं। यह कॉरिडोर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और दिल्ली के करीब होने के कारण निवेशकों के लिए एक पसंदीदा स्थान है।

अलीगढ़-आगरा क्षेत्र के डिफेंस कॉरिडोर के कार्यकारी अभियंता एसपी सिंह ने बताया कि भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है। अलीगढ़ में डिफेंस कॉरिडोर का विकास खैर रोड के अलावा नोड टू में भी किया जा रहा है, जिससे यहां रक्षा उत्पादन को और बढ़ावा मिलेगा।

बिहार : मोदी मित्र डिजिटल योद्धा अभियान शुरू विकास गाथा को घर-घर तक पहुंचाने की कवायद

पटना, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

बिहार में इस साल होने वाले चुनाव को लेकर भाजपा ने अपने विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अपनी डिजिटल राजनीति की शुरुआत कर दी। शनिवार को पटना में भाजपा बिहार सोशल मीडिया सेल और आईटी विंग की ओर से ' मोदी मित्र डिजिटल योद्धा अभियान ' का शुभारंभ किया गया। इस अभियान का उद्देश्य हर विधानसभा क्षेत्र से दस हजार डिजिटल योद्धाओं को तैयार करना है, ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार की एनडीए

सरकार की उपलब्धियों को हर घर तक पहुंचाया जा सके।

इस मौके पर हजारों की संख्या में पहुंचे डिजिटल योद्धाओं ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं और बिहार में एनडीए सरकार के कामों को सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से आम जनता तक पहुंचाएंगे। इस मौके पर बिहार के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि यह अभियान जनता के साथ भाजपा के रिश्ते को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि यह केवल चुनावी रणनीति नहीं, बल्कि जन-जागरण का सबसे बड़ा डिजिटल माध्यम है। एनडीए सरकार की योजनाओं और प्रधानमंत्री मोदी के विजन को जनता तक पहुंचाना ही इस अभियान का लक्ष्य है।

उन्होंने कांग्रेस-राजद के समय को याद दिलाते हुए कहा कि एक समय था जब बिहार का उद्योग-धंधा ठप था, युवाओं को पलायन करना पड़ता था और कानून व्यवस्था की हालत खराब थी। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने इस मौके पर कहा कि एनडीए सरकार के कार्यकाल में बिहार ने सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और डिजिटल कनेक्टिविटी में ऐतिहासिक काम किए हैं। आज गांव-गांव तक सड़कें बनीं, हर घर बिजली पहुंची और अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 'मोदी मित्र' जैसे अभियानों के माध्यम से लोकतंत्र को और मजबूत किया जाएगा।

इस दौरान आईटी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक अमित मालवीय ने इस अभियान की तकनीकी रूपरेखा बताई। उन्होंने कहा कि भाजपा का आईटी विंग अब बिहार में गांव के स्तर तक सक्रिय होगा। हर विधानसभा से दस हजार मोदी मित्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

नीतीश को डुप्लीकेट सीएम बताकर निकले ही थे कि एक शख्स ने पकड़ लिया तेजस्वी का पैर

मुजफ्फरपुर , 13 सितंबर (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मुजफ्फरपुर जिले के कांटी विधानसभा क्षेत्र में पहुंचे। यहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार से लेकर बिहार सरकार को निशाने पर लेते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को डुप्लीकेट मुख्यमंत्री तक बता दिया।

तेजस्वी यादव ने उपस्थित लोगों से पूछा कि बिहार को विजन वाला मुख्यमंत्री चाहिए या बुजुर्ग मुख्यमंत्री? इस सरकार में कभी चूहा पुल गिरा देता है, तो कभी करोड़ों की शराब पी जाता है। इस सरकार को हटाना है। जोरदार भाषण देने के बाद तेजस्वी यादव हेलीकॉप्टर में बैठने की तैयारी कर रहे थे, तभी एक शख्स दौड़ता हुआ आया और तेजस्वी का पैर पकड़ लिया।

दरअसल, मुजफ्फरपुर के कांटी विद्यालय में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम के समापन के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई। हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर में सवार होने के दौरान अचानक एक युवक सुरक्षा घेरे को चकमा देकर दौड़ता हुआ तेजस्वी यादव के पास पहुंच गया और उनका पैर पकड़ लिया। घटना से सुरक्षा कर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। तत्काल मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने युवक को तेजस्वी यादव से अलग कर लिया और उन्हें सुरक्षित हेलीकॉप्टर में बैठाया गया। इसके बाद हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरी। दौड़कर पहुंचे युवक की पहचान सर्रीफुल इस्लाम के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे तत्काल हिरासत में ले लिया है और पूछताछ कर रही है।

तेजस्वी ने कहा कि बिहार को अब डुप्लीकेट मुख्यमंत्री नहीं चाहिए, बिहार की जनता को ऐसा मुख्यमंत्री चाहिए जो बिहार का विकास कर सके। उन्होंने बिहार में महागठबंधन की सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि हमारी सरकार की वजह से आज नीतीश कुमार को 125 यूनिट बिजली मुफ्त करनी पड़ी। हम लोगों ने पहले से ही जनता के बीच में यह 200 यूनिट बिजली देने की घोषणा कर दी थी।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनते ही सभी मां-बहनों के खाते में 2500 रुपये महीना माई बहन मान योजना के तहत दिया जाएगा जिससे विकास कार्य में काफी सहयोग मिलेगा। लोगों को सचेत करते हुए उन्होंने नीतीश कुमार सरकार की महिला रोजगार योजना पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि फिलहाल महिलाओं को 10,000 रुपये दिया जाएगा, लेकिन बाद में समीक्षा करने के बाद आपको पैसा खाते में नहीं आएगा, इसलिए इस भ्रम में नहीं रहें। तेजस्वी ने लोगों से आने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के सभी प्रत्याशियों को जिताने के लिए लोगों से अपील की। नेता प्रतिपक्ष ने भ्रष्टाचार को लेकर कहा कि बिहार में किसी भी ब्लॉक ऑफिस में चले जाइए, बिना घूस दिए काम नहीं होता। उन्होंने लोगों से कहा कि आप ही लोग दिल पर हाथ रखकर कहिए, क्या कोई काम बिना पैसे दिए होता है? लगातार नौजवानों पर लाठी बरसाई जा रही है, महंगाई बढ़ गई है और जनता को ठगने का काम मोदी-नीतीश की सरकार कर रही है। उन्होंने ऐसी सरकार को बदलने का आह्वान किया।

बीजेपी नेता ने दी अंचल अमीन को जान से मारने की धमकी

सदर थाने में दर्ज हुआ एफआईआर, जांच में जुटी पुलिस

दरभंगा , 13 सितंबर (एजेंसियां)।

सरकारी काम में बाधा डालने और एक सरकारी कर्मचारी के साथ मारपीट करने के आरोप में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता राजेश यादव की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दरभंगा सदर अंचल के अमीन अविनाश कुमार ने उनके खिलाफ सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने गंभीर आरोप लगाए हैं। इस घटना ने एक बार फिर से नेताओं के बर्ताव और सरकारी अधिकारियों के साथ उनके व्यवहार पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सदर अंचल के अमीन अविनाश कुमार ने अपनी प्राथमिकी में बताया है कि वह खेसरा नंबर 638 की जमीन की नापी करने गए थे। नापी के दौरान, उन्होंने ऋझड फोटोग्राफी का सहारा लिया, लेकिन जमीन पर भारी मात्रा में कुम्भी (जलीय घास) होने के कारण नापी पूरी नहीं हो पा रही थी। जब अमीन ने नापी रोककर वापस जाने का फैसला किया, तो मौके पर मौजूद राजेश यादव ने उन्हें रोका। अमीन के मुताबिक, राजेश यादव ने उन्हें धमकाते हुए कहा कि वे बिना नापी पूरी किए नहीं जा सकते। अमीन ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि राजेश यादव ने उनके साथ न सिर्फ गाली-गलौज की, बल्कि मारपीट भी की। राजेश यादव ने कथित तौर पर अमीन को धमकाते हुए कहा, ङ्गतुम मुझे पहचानते नहीं हो, मैं भाजपा का प्रवक्ता हूं। मुझे किसी का डर नहीं है।ङ्घ अमीन ने बताया कि वह किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से निकलने लगे, तो राजेश यादव ने उन्हें दोबारा धमकी दी, ङ्गअगर बिना जमीन नापी किए गए तो तुम्हें जान से मार डालूंगा।ङ्घ इस घटना के बाद, अमीन ने तुरंत सदर थानाध्यक्ष को लिखित शिकायत देकर मामला दर्ज कराया।

प्राथमिकी में अमीन अविनाश कुमार ने यह भी बताया है कि राजेश यादव का यह व्यवहार नया नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे पहले 3 सितंबर को भी राजेश यादव ने अंचल कर्मचारी राजकिशोर ठाकुर को फोन करके गाली-गलौज की थी और धमकी दी थी। उस घटना में भी राजेश यादव ने कहा था, ङ्गतुम कहां हो, वहीं आकर मारूंगा। तुम हमको नहीं पहचानते हो, मैं किसी से नहीं डरता।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर थानाध्यक्ष ने बताया कि उन्हें अमीन का आवेदन प्राप्त हो चुका है। उन्होंने पुष्टि की कि अमीन ने सरकारी कार्य के दौरान मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की बात कही है। थानाध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है और जल्द ही इस पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी ने रोहतास के युवा शंखनाद कार्यक्रम में भरी हुंकार, विरोधियों पर किया प्रहार

सासाराम , 13 सितंबर (एजेंसियां)।

बिहार देश की वह पावन भूमि है, जहां ज्ञान और मोक्ष का संगम है और जहां ज्ञान और मोक्ष का संगम हो, वहां के युवा कभी भी दिशाहीन नहीं हो सकते। बिहार ने भारत में विकास का एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है। उक्त बातें दिल्ली की भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने शनिवार की शाम सासाराम में आयोजित युवा शंखनाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

बांसुरी स्वराज ने कहा कि बिहार के युवाओं ने 2005 से पहले छाए हुए अंधकार एवं जंगलराज को देखा है। पटना हाई कोर्ट के न्यायमूर्तियों ने राजद के शासनकाल को जंगल राज का तमगा दिया था, लेकिन 2005 के बाद जब यहां के मतदाताओं ने एनडीए का सूर्योदय कराया तो अपहरण व अपराध से छुटकारा मिल गया। एनडीए की सरकार आते हैं सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35% आरक्षण दिया गया। जिसके फलस्वरूप बिहार पुलिस में मातृ शक्ति 27 हजार तक पहुंच गई।

भाजपा नेता बांसुरी स्वराज ने विपक्ष पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि एक तरफ जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर संस्कार विहीन विपक्ष प्रधानमंत्री के लिए तू तड़ाक की भाषा का इस्तेमाल करते हुए उनकी दिवंगत माता का भी अपमान कर रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि आगामी चुनाव में सीता माता के भक्त बिहार की जनता इस अभद्रता का प्रतिशोध निश्चित लेगी, क्योंकि यह अभद्रता लोकतंत्र में कायरता है।

भाजपा नेता सह प्रसिद्ध निशानेबाज श्रेयसी सिंह कहा कि विपक्ष के नेता संस्कार बेचकर खा चुके हैं। उनके नेता मंच से प्रधानमंत्री की मां को गालियां देते हैं और विधानसभा में बैठकर अमर्यादित भाषा व गलत इशारेबाजी करते हैं। इस सब के बावजूद वे कार्यकर्ताओं की तरफ से माफी नहीं मांगते, बल्कि मरीन ड्राइव पर जाते हैं।

लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के स्थापना दिवस समारोह में बोले सीएम योगी

राष्ट्रहित और जनहित में निर्णय लेना ही हमारी संस्कृति है

298 करोड़ की परियोजनाओं का किया लोकार्पण

लखनऊ, 13 सितंबर (एजेंसियां)। हमारे जीवन की तीन स्थितियां होती हैं, जिसमें पहली प्रवृत्ति, दूसरी विकृति और तीसरी संस्कृति होती है। इसमें स्थिति का यथारूप रहना प्रवृत्ति है। इंसान परिवर्तन तो चाहता है, लेकिन परिवर्तन करने के लिए अपने आपको तैयार करने में हिचकता है। वहीं अगर कोई संस्थान या इंसान लगातार गिरावट की ओर जाता है तो यह विकृति होती है। इसी कड़ी में अगर एक व्यक्ति निर्णय लेता है। उसका निर्णय व्यापक जनहित और राष्ट्रहित में है, तो उसका निर्णय संस्कृति है। इसी संस्कृति का एक बेहतरीन उदाहरण डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान है। संस्थान ने महज 19 वर्षों में 20 बेड से बढ़कर 1,375 बेड का विस्तार किया है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के स्थापना दिवस समारोह में कही। इस दौरान सीएम योगी ने 298 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोहिया संस्थान एक ऐसे स्थान पर स्थित है, जो पूर्वी उत्तर प्रदेश का मुहाना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश का हर पेशेंट सबसे पहले आरएमएल में आता है। इसके बाद केजीएमयू या एसजीपी-ीजीआई की तरफ जाता है। उन्होंने कहा कि सबसे घनी आबादी पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, नेपाल की है।

ऐसे में यहां से लोग सबसे पहले आरएमएल की ओर अपना रूख करते हैं। सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश में चिकित्सा और चिकित्सा शिक्षा में हुए सुधारों की दिशा में तीन प्रमुख संस्थानों का योगदान अत्यधिक सराहनीय रहा है।

इन संस्थानों ने सम और विषम परिस्थितियों में कार्य करते हुए प्रदेश में स्वास्थ्य और शिक्षा के नए मानक स्थापित किए हैं। यह सुधार खासतौर पर कोरोना महामारी के दौरान देखे गए, जब उत्तर प्रदेश को पहली बार ऐसी महामारी का सामना करना पड़ा। कोरोना के प्रारंभिक दिनों में उत्तर प्रदेश में कोविड की जांच की कोई सुविधा नहीं थी। जब पहला मरीज आगरा और नोएडा से आया, तो उनके सैंपल दिल्ली के प्रतिष्ठित अस्पताल एम्स और सफदरजंग में भेजे गए थे। धीरे-धीरे प्रदेश में जांच की सुविधाएं विकसित की गईं और टेस्टिंग प्रक्रिया में सुधार हुआ। उस समय राज्य में 36 जनपद ऐसे थे, जहां आईसीयू का एक भी बेड नहीं था और ट्रेंड मैनपावर की भारी कमी थी। इसके बावजूद प्रदेश ने नए मॉडल अपनाए, जैसे वर्चुअल आईसीयू। एसजीपीजीआई, केजीएमयू और आरएमएल अस्पतालों ने प्रदेश के 75 जनपदों में वर्चुअल आईसीयू के माध्यम से मरीजों को बेहतर राहत देने के लिए प्रशिक्षित मैनपावर को भेजा। इन संस्थानों ने प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनर्स की मदद से अन्य मेडिकल कॉलेजों और कोविड अस्पतालों को मार्गदर्शन प्रदान किया। इसी का परिणाम है कि प्रदेश ने टेक्न-ोलॉजी का उपयोग करके महामारी को मात देने का मॉडल दुनिया के सामने प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर जिस तरह भीड़ को नियंत्रित किया गया, आज भी उसे अपनाकर अस्पतालों और संस्थानों में भीड़ को कम किया जा सकता है।

टेली कंसल्टेशन की सुविधा दूर-दराज के क्षेत्रों में पीएचसी, सीएचसी और डिजिटल अस्पतालों में उपलब्ध कराकर मरीजों की स्क्रीनिंग को सही तरीके से पूरा किया जा सकता है। जब स्वास्थ्य की बात की जाती है, तो सुश्रुत और चरक जैसे भारतीय चिकित्सकों का उल्लेख नितांत आवश्यक है। भारत ने दुनिया को सर्वोत्तम चिकित्सक दिए हैं, जिनका योगदान बेमिसाल है। इन संस्थानों ने अपने अनुभव और ज्ञान के आधार पर चिकित्सा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की दिशा तैयार की है। उन्होंने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में पिछले कई वर्षों में 50,000 से अधिक बच्चों की मौत इंसेफेलाइटिस बीमारी से हुई थी, लेकिन टीमवर्क और जागरूकता के बाद बीमारी पर पूरी तरह से काबू पाया लिया गया है।

स्वास्थ्य विभाग के नेतृत्व में हुए इस परिवर्तन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब सभी विभाग और संस्थान मिलकर काम करते हैं, तो सकारात्मक परिणाम आ सकते हैं। इन सुधारों का परिणाम यह हुआ कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रों में जहां पहले भय का माहौल था, अब उत्साह और उमंग का वातावरण है। सीएम ने कहा कि संस्थान में 50 करोड़ की गामा नाइफ मशीन और प्रदेश के पहले एडवांस्ड न्यूरो साइंसेज सेंटर का उद्घाटन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश के लोगों को अब ब्रेन ट्यूमर और अन्य मस्तिष्क संबंधित बीमारियों के इलाज में सहायता मिलेगी। उत्तर प्रदेश में मेडिकल डिवाइस और फार्मा पार्क के विकास की दिशा में भी सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। सीएम ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर में मेडिकल डिवाइस पार्क और ललितपुर में फार्मा पार्क का कार्य जारी है। हम प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं, जो आगे भी युद्धस्तर पर जारी रहेगा। इस अवसर पर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, राज्य मंत्री मयंकेश्वरण शरण सिंह, प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा, संस्थान के निदेशक प्रो. सीएम सिंह, डीन प्रो. प्रद्युम्न सिंह, सीएमएस विक्रम सिंह वगैरह उपस्थित थे।

महाकुंभ-2025 में उत्कृष्ट कार्यों की गूंज देश से विदेश तक पहुंची

यूपी के अग्निशमन विभाग को मिला एफएसएआई का शीर्ष सम्मान

लखनऊ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। फायर एंड सेक्योरिटी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएसएआई) ने महाकुंभ-2025 के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग को ब्रेवरी एवं सुपर हीरो ऑफ फायर सर्विसेज अवार्ड से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार विभाग की एडीजी पद्मजा चौहान (आईपीएस) के नेतृत्व में टीम को प्रदान किया गया।

महाकुंभ-2025 की सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुरुआत से ही सुरक्षित महाकुंभ का संकल्प लिया था। उनकी निरंतर निगरानी के चलते न सिर्फ फायर एवं इमरजेंसी सर्विसेज को अत्याधुनिक तकनीक और उपकरण उपलब्ध कराए गए, बल्कि बड़े स्तर पर संसाधनों और जनशक्ति की भी तैनाती की गई। यही कारण रहा कि इतने विशाल आयोजन में आगजनी की किसी भी घटना से जनहानि नहीं हुई और महाकुंभ का समापन सुरक्षित एवं सफलतापूर्वक हुआ। एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में विभाग ने गंभीर से गंभीर अग्निकांड पर भी त्वरित काबू पाया और पूरे 45 दिन के आयोजन में शून्य जनहानि का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया। इस दौरान 185 अग्निकांड और 24 बड़ी आग की घटनाओं पर काबू पाते हुए लगभग 16.5 करोड़ रुपए की सम्पत्ति को सुरक्षित बचाया गया।

सम्मान पाने वालों में प्रमुख रूप से प्रमोद शर्मा (नोडल अफसर महाकुंभ मेला), अंकुश मित्तल (सीएफओ), रमेश तिवारी (सीएफओ), संजीव कुमार (फायर अफसर) और अमित कुमार (सेकंड फायर अफसर) शामिल रहे। प्रमोद शर्मा ने बताया कि फायर डिपार्टमेंट ने आयोजन से पहले जो युद्धस्तर की तैयारियां की थीं, ये उसी का नतीजा है कि आयोजन के दौरान हमारी टीम ने दिन रात अग्निजनित घटनाओं का पूरी बहादुरी से सामना किया और शून्य जनहानि का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया

उन्होंने बताया कि महाकुंभ-2025 में 25 सेक्टरों में 54 फायर स्टेशन और 27 चौकियां स्थापित की गईं। 1500 प्रशिक्षित अग्निशमन कर्मियों की तैनाती की गई। 351 फायर टेंडर और आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। आर्टिकुलेटिंग वाटर टावर, क्विक रिस्पॉन्स व्हीकल, एटीवी, फायर मिस्ट बाइक, रोबोट और फायर फाइटिंग बोट जैसी तकनीक का उपयोग किया गया। इन व्यवस्थाओं की वजह से बिना जनहानि के सभी घटनाओं को नियंत्रित किया जा सका। महाकुंभ से पूर्व, गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने भी एडीजी पद्मजा चौहान और नोडल अधिकारी प्रमोद शर्मा को सम्मानित किया था तथा यूपी फायर सर्विसेज की तैयारियों की सराहना की थी।

एसटीएफ ने करोड़ों की साइबर ठगी गैंग का किया भंडाफोड़

आधा दर्जन लोग गिरफ्तार, कई और लोगों की तलाश जारी

लखनऊ, 13 सितंबर (एजेंसियां)। विगत कुछ दिनो से यूपी एसटीएफ को सूचना प्राप्त हो रही थी कि एनसीआर के जनपद गौतबुद्धनगर एवं गाजियाबाद क्षेत्र में एक गैंग सक्रिय हैं जो जनता के लोगों को अधिक धन देने का लालच देकर ठगी तथा साइबर फ्रॉड के माध्यम से व्यक्तियों के खाते में धन मंगाकर आर्थिक अपराध करने में संलिप्त है। एसटीएफ नोएडा की टीम को दिनांक 11 सितम्बर को ज्ञात हुआ कि इस गैंग के बाबा नाम के व्यक्ति द्वारा हरियाणा निवासी युनुस खान से ठगी की गयी है। काफी छानबीन करने के बाद एसटीएफ को गैंग को पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई। एसटीएफ ने शुभम राज, प्रदीप कुमार, धीरज मिश्रा, सोनू कुमार, अमरजीत एवं अनुराग को अपराध में संलिप्तता के कारण गिरफ्तार किया।

अभियुक्तों द्वारा छल करने के लिए विभिन्न सोसायटियों में फ्लैट किराए पर लिया गया था जिसमें गौर सिद्धार्थम सोसायटी, साया गोल्ड सोसायटी इन्दिरापुरम, प्रतीक सोसायटी, सिद्धार्थनगर गाजियाबाद, पंचशील ग्रीन टू ग्रेटर नोएडा वेस्ट, सूपर नोवा सुपरटेक सेक्टर 94 नोएडा तथा अंकुर विहार लोनी गाजियाबाद में फर्जी कूटरचित आधार कार्ड का प्रयोग करके फ्लैट किराये पर लिए गए थे। इन फ्लैट में लोगों को नोट बदलने के लिए बुलाया जाता था। अभियुक्त ठगी करके फ्लैट खाली करके अन्यत्र ठिकाना बदल लेते थे।

गिरफ्तार अभियुक्त शुभम राज ने पूछताछ में बताया कि उसकी उम्र लगभग 26 साल है और वह कक्षा 12 पास है। वर्ष 2019 में वह स्नातक की पढाई करने दिल्ली आया था परन्तु पढाई छोडकर प्राइवेट काम करने लगा था। वर्ष 2022 में बिहार में इसके मित्र धीरज ने इसकी मुलाकात सीतामढ़ी बिहार निवासी नसीम सिद्दीकी से कराई जो नोट बदलने के नाम पर ठगी के अपराध में संलिप्त था। अभियुक्त शुभम राज ने करीब एक वर्ष नसीम सिद्दीकी के साथ रहकर बड़े नोटों के बदले छोटे नोट ज्यादा देने का झांसा देकर ठगी करने का काम सीखा। इसके उपरान्त शुभम राज ने वर्ष 2023 में दिल्ली आकर इन्द्रमणी के साथ मिलकर एक गिरोह बनाया और भारत के विभिन्न स्थानों से झांसा देकर बड़े पैमाने पर ठगी का काम करने लगा। इस गैंग द्वारा प्रत्येक व्यक्ति से ठगी के लिए एक फ्लैट कूटरचित दस्तावेजों का प्रयोग कर किराए पर लिया जाता था और ठगी करने के पश्चात उस फ्लैट का तत्काल खाली कर देते थे।

इस गैंग द्वारा ठगी करने का एक अनोखा तरीका प्रकाश में आया। इसमें लोगों को यह कहकर लालच में फंसाया जाता था कि उनके पास 100 एवं 200 के नोट के करोड़ों रुपए हैं, उन्हें किसी राजनीतिक पार्टी को देना है, यह धन 500 के नोटों में बदलना है, अतः उनसे 500 के नोट एक निश्चित धनराशि के मंगाए जाते थे और उन्हें 100-200 के नोट उस धनराशि से डेढ गुना तक देने का लालच देकर अपने बताए फ्लैट पर बुला लिया जाता था, जहां पर पूर्व से नियोजित कमरे में एक तखतनुमा चौकी का प्रयोग किया जाता था जिसे बीच से काटकर एक छेद बनाया हुआ है इस तख्त को ऐसे स्थान पर रखा जाता था जहां तख्त के पीछे की दिवार में भी एक छेद बना लिया जाता था, एक व्यक्ति तख्त के ऊपर बैठकर बैंग में गड्डियां रखने का काम करता था तथा नोटों की असली गड्डियां चौकी के नीचे बैठे व्यक्ति को पकड़ा देता था तथा उससे कागज की गड्डियां लेकर बैग में रख देता था।

इस तख्त के सामने कुर्सियों पर ग्राहक को बैठाया जाता था तथा उससे मशीन से नोट गिनकर देने को कहते थे, उन्ही के आसपास 2-3 लोग उनका ध्यान भटकाने का काम करते थे।

ग्राहक को बैग में नोटो की गड्डियों दिखाई जाती थी जबकि केवल ऊपरी परत पर ही असली नोट होते थे बाकी कागज की नोट के साईज की गड्डियां होती थीं। इस ठगी का कार्य जादू के खेल की तरह ट्रिक का प्रयोग कर किया जाता था जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का हिस्सा तय होता था। लोगों को लाने वाले व्यक्ति को एजेंट कहते थे जो सोशल मीडिया एवं व्यक्तिगत सम्बन्धों का प्रयोग करके ग्राहक को फ्लैट पर लेकर जाते थे। इंस्ट्राग्राम, यू-ट्यूब एवं अन्य सोशल साइटों पर नोटों की गड्डियों की वीडियो डालकर नोट बदलने एवं अच्छा मुनाफा प्राप्त करने का प्रचार किया जाता था। यह ठगी का काम कैश के बदले कैश, अथवा आरटीजीएस के बदले कैश, यूएसडीटी के बदले कैश के रूप में करते थे। इसके लिए बैंक के कई फर्जी एकाउंट प्रयोग में लाए जाते थे।

इस गैंग के लिए बंधन बैंक, तकियापुर जनपद दानापुर बिहार के कर्मचारी तन्मय एवं एचडीएफसी बैंक, सोनपुर जनपद छपरा बिहार के कर्मचारी अमिताभ और आयुष मदद करते थे जिनको बदले में आर्थिक लाभ प्राप्त होता था। इस गैंग से लगभग 100 बैंक एकाउंट की डिटेल प्राप्त हुई है जिन पर 25 से अधिक साइबर फ्रॉड की शिकायतें संज्ञान में आई हैं, जिसमें लगभग 1 करोड़ 9 लाख 51 हजार 169 रुपए की धोखाधड़ी रिपोर्ट की गई है। इन एकाउन्ट में बहुत सारे म्यूल एकाउन्ट के रूप में लोनिंग और गैमिंग ऐप के लिए भी प्रयोग हुए हैं, जिनके बारे में गहराई से जानकारी की जा रही है। साइबर ठगी की दर्ज इन शिकायतों के निस्तारण हेतु अलग से विधिक कार्यवाही कराई जा रही है। जबकि व्यक्तिगत रूप से ठगे गए लोगों के बारे में जानकारी प्राप्त की जा रही है एवं पीड़ितों से शिकायतें प्राप्त की जा रही है।

बाबा बागेश्वर ने काशी विश्वनाथ धाम में किए दर्शन

वाराणसी, 13 सितंबर (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने शनिवार को काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। उनके साथ संतोष दास सतुआ बाबा उपस्थित थे। दर्शन के बाद वे सतुआ बाबा आश्रम पहुंचे। यहां भारी संख्या में श्रद्धालु उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब दिखे।

पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने नेपाल में अशांति से लेकर बांग्लादेश में नरसंहार एवं सनातन धर्म पर कई बातें कहीं। उन्होंने कहा कि भारत को नेपाल और बांग्लादेश की घटनाओं से सबक लेना चाहिए।

भारत में हिंदू एकता का कार्य बहुत जरूरी है। भारत को घोषित रूप से हिंदू राष्ट्र बनाना बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि मैं सात नवंबर से 16 नवंबर तक पदयात्रा कर रहा हूं ताकि भारत हिंदू राष्ट्र बने। विश्व में शांति के लिए हिंदू राष्ट्र ही एकमात्र रास्ता है। हिंदुत्व मानवता की एक विचारधारा है।

पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भगवाधारियों के राजनेता बनने के सवाल पर कहा, जब चोर उचक्के अपराधी नेता बन सकते हैं तो भगवाधारी क्यों नहीं बन सकते राजनेता? उन्होंने सीएम योगी की तारीफ करते हुए कहा, मैं योगी बाबा का समर्थन करता हूं। योगी बहुत अच्छे हैं। जिसको बुरा लगे वो हमारी हवेली पर आएं, हमसे बात करें। पीएम की मां पर टिप्पणी को लेकर पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि सबकी मां पूज्यनीय हैं, सबका सम्मान होना चाहिए।

किसी भी मां के लिए किसी भी व्यक्ति को निंदनीय शब्द नहीं बोलने चाहिए। बाबा बागेश्वर ने कहा कि मैं बिहार के गया जा रहा हूं। बिहार मेरा घर है, मैं चुनाव के लिए नहीं जा रहा हूं। पितरों के तर्पण के लिए गया जाना चाहिए। भाजपा के पक्ष में होने के सवाल पर उन्होंने कहा, मैं सच्चा सनातनी हूं। सनातन की बात करता हूं किसी पार्टी की नहीं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विटामिन डी दूर भगा सकता है प्रोस्टेट कैंसर

शरीर की मजबूती और बेहतर स्वास्थ्य के लिए विटामिन डी की जरूरत तो सब जानते हैं। विटामिन डी का सप्लीमेंट लेने से बिना सर्जरी या रेडिएशन के ही कम तीव्रता या हल्के स्तर (लो ग्रेड) के प्रोस्टेट कैंसर को रोकना संभव है। यहां तक कि यह उस ट्यूमर को खत्म करने में भी सक्षम है। डॉक्टर के अनुसार अब तक इस बात को नहीं जान सके हैं कि कैसे प्रोस्टेट कैंसर का इलाज या रोकथाम करता है।

गिलहरी प्रकृति संरक्षक है

इंसान बड़ी बड़ी मीटिंगें करते हैं, अपने अपने स्तर पर प्रकृति का बचाव करने की कोशिश करते हैं। लेकिन इस दुनिया में इंसानों से बेहतर प्रकृति संरक्षक यदि गिलहरी को कहा जाए तो कतई गलत नहीं होगा। असल में गिलहरी के कारण प्रति वर्ष कई सैकड़ों पेड़ उगते हैं। आप सोच रहे होंगे ऐसा कैसे? दरअसल गिलहरी अपना खाना खाने के बाद जो बीज फेंकती है, वही पेड़ बन जाता है।

इन बच्चों को ऑटिज्म का खतरा...

विकास के साथ समाज में कई तरह के बदलाव आए हैं। संतान प्राप्ति की औसत आयु भी पहले की तुलना में बढ़ चुकी है। डेनमार्क के वैज्ञानिकों ने इस चलन को लेकर सावधान किया है। उनके मुताबिक ज्यादा उम्र में पैदा होने वाली संतान में ऑटिज्म का खतरा ज्यादा रहता है। युवा दंपती की संतान में यह खतरा काफी कम होने की बात सामने आई है। ऑटिज्म के शिकार बच्चे अपनी बात को रख पाने में खुद को सहज महसूस नहीं करते हैं।

हेल्थ फेक्ट

पेड़ों की छाल से इलाज...

आयुर्वेद में ज्यादातर जड़ी-बूटियां ऐसी हैं जिनमें फल, फूल, पत्ती, जड़, तने के अलावा छाल भी काम में ली जाती है। कुछ पेड़ों की छाल का काफी महत्व है जो कई रोगों में उपयोगी है। इनमें कुटज, अखरोट, बबूल, मैदा लकड़ी, बरगद, नीम, अशोक आदि खास हैं। साथ ही खादिर, पठानी लोध्र, पीपल, अर्जुन, अमलतास की छाल को भी विभिन्न रोगों में समान रूप से प्रयोग में लिया जाता है।

नीम की छाल: नीम की छाल को त्वचा पर होने वाले फोड़े-फुंसी, दाद, खुजली आदि में प्रयोग में लेते हैं। इसके लिए छाल को पानी की सहायता से घिसकर प्रभावित स्थान पर लगाएं। भोजन से पहले रोज नीम की छाल का 1-1 चम्मच चूर्ण लेने से डायबिटीज नियंत्रित रहती है।

कुटज की छाल: कुटज पेड़ की छाल और बीज दोनों को इन्द्रजौ कहते हैं जिनका आयुर्वेद में काफी महत्व है। डायरिया होने पर इसकी छाल का काढ़ा फायदेमंद है। इसके लिए इसकी थोड़ी छाल को एक गिलास पानी में एक चौथाई होने तक उबालें। पानी को छानकर भोजन करने के बाद पीना लाभदायक है। दस्त के अलावा मौसमी बुखार में इसका रस और चूर्ण आराम पहुंचाता है।

अखरोट की छाल: अखरोट की छाल दांतों के पीला होने, मुंह से बदबू आने, मसूढ़ों से खून व मवाद आने की समस्या में राहत देती है। छाल को दांतों पर व इसके पाउडर को मसूढ़ों पर रगड़ें। छाल का काढ़ा पेट के कीड़े खत्म करने के साथ पेट के रोगों में राहत देता है।

बबूल की छाल: त्वचा के जलने पर बबूल की छाल के बारीक पाउडर को थोड़े नारियल तेल में मिलाकर जले हुए स्थान पर लगाएं। इससे जलन दूर होने के साथ निशान भी नहीं पड़ेगा। छाल के पाउडर को पानी में उबालकर गरारे करने से मुंह के छाले ठीक हो सकते हैं।

बरगद की छाल: मुंह में छाले, जलन, मसूढ़ों में जलन व सूजन में बरगद की छाल के चूर्ण की 2-4 ग्राम की मात्रा रोजाना सुबह-शाम पानी से लें। एक माह तक ऐसा करें, लाभ होगा। मधुमेह रोगी में यह शुगर लेवल को सामान्य रखता है।

अशोक की छाल: त्वचा के फोड़े-फुंसी को दूर करने के लिए अशोक की छाल को पानी में उबालकर काढ़ा बनाकर लें। इसमें थोड़ा सरसों तेल मिलाकर लगाने से जल्दी असर होता है।

मैदा लकड़ी

हड्डी टूटने वाला दर्द, चोट, मोच, जोड़दर्द, सूजन, गठिया, सायटिका और कमरदर्द में मैदा लकड़ी की छाल व गोंद के पाउडर को प्रयोग में लिया जाता है। इसके अलावा चोट, मोच या हड्डी के दर्द व सूजन की स्थिति में मैदा लकड़ी व आमा हल्दी को समान मात्रा में लेकर चूर्ण बना लें। 1-1 चम्मच दूध से 10 दिन तक लेना फायदेमंद है।

चेहरा नहीं पहचान पाने की बीमारी...

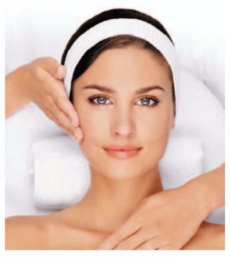

अच्छी सेहत, अच्छी याददाश्त और आंखों में अच्छी रोशनी, नेमत हैं, लेकिन कुछ लोग इससे महरूम हैं। हम एक ही नजर में बहुत सी चीजें देख लेते हैं। मिसाल के तौर पर हम अगर किसी कमरे को देखते हैं तो वहां मौजूद हरेक चीज की तस्वीर हमारे जेहन में बन जाती है और वो सब हमें याद रहता है। मान लीजिए हमने किसी का चेहरा देखा तो उसकी आंखें, नाक, होंठ, बाल सबकी तस्वीर हमारे दिमाग में बन जाती है। फिर हमारा दिमाग इन सभी अंगों को एक साथ एक शक्ल देता है और जेहन में चेहरे की तस्वीर बन जाती है। लेकिन, दुनिया में ऐसे कई इंसान हैं, जिनका दिमाग तमाम चीजों को जोड़कर एक मुकम्मल तस्वीर नहीं बना पाता। उनका दिमाग एक वक्त में एक ही बात और एक ही चीज को याद रखता हैं। इस बीमारी को साइमलटेनेग्नोसिया कहते हैं।

कैसे होता है यह

कई बार हमारा दिमाग एकदम अजब तरह का बर्ताव करता है। कांशस माइंड यानी दिमाग का वो हिस्सा जो सक्रिय रहता है, वो कुछ काम करता है तो वो फौरन जाहिर होता है। मगर दिमाग का वो हिस्सा जिसे अनकांशस माइंड या बेखयाली वाला हिस्सा कहेंगे, वो बहुत सी चीजें हमारी आंखें देखती हैं, वो जमा तो कर लेता है, मगर जाहिर नहीं करता।

ऐसा इसलिए होता है कि कई बार हमारा दिमाग कुछ जानकारियां इकट्ठी तो कर लेता है मगर उनका इस्तेमाल नहीं करता या फिर उस जानकारी के आधार पर हमें बर्ताव करने का निर्देश नहीं देता। हां, किसी मुसीबत की सूरत में वो जानकारी जरूर इस्तेमाल होती है। अगर हमें खतरा होगा तो दिमाग उस जानकारी के आधार पर हमें अलर्ट करेगा। मगर आम तौर पर ऐसा नहीं होता।

स्ट्रूप टेस्ट

स्ट्रूप टेस्ट में कई तरह के तजुर्बे किए जाते हैं ताकि इंसान के रंगों को पहचाने की कूवत का अंदाजा हो सके। इस बीमारी से ग्रसित लोग जिनका दिमाग आंख से देखी गई जानकारी को प्रोसेस ही नहीं कर पाता, उन्हें तो ये रंग दिखने नहीं चाहिए। मगर ऐसा होता नहीं। वे बारीक चीजें तो देख पाते हैं मगर उन बारीक चीजों से मिलाकर कोई बड़ी शक्ल जो बनती है, उसे समझ पाने में नाकाम रहते हैं।

यह इंसानी जेहन की खूबी है कि वो अपने आस पास हो रही हर बात और हरेक घटना को स्टोर करता रहता है। जब उसे इस जानकारी की जरूरत होती है तो जरूरत के मुताबिक उस का इस्तेमाल कर लेता है।

सही समय हो पहचान

बहरहाल दिमाग का कौन सा हिस्सा अटेंशनल विंडो को कंट्रोल करता है, कहना मुश्किल है। कुछ लोग दिमाग के इसी हिस्से में किसी चोट की वजह से साइमलटेनेग्नोसिया से पीड़ित होते हैं लेकिन जैसे जैसे दिमाग की चोट में बेहतरी आती जाती है उनकी यह बीमारी भी ठीक होने लगती है। लिहाजा कहा जा सकता है कि यह कोई ऐसी बीमारी नहीं है कि कभी ठीक ही न हो पाए। अगर सही समय पर बीमारी पकड़ में आ जाए तो इसका इलाज भी संभव है।

अटेंशनल विंडो

अचेतन में हमारा दिमाग कैसे जानकारियों को जमा करता है यह समझने के लिए और भी बहुत सी मिसालें हैं। रिसर्चर का कहना है जो नेत्रहीन होते हैं चीजों को छूकर पहचान लेते हैं क्योंकि उस वस्तु की तस्वीर अपने दिमाग में आंख से देख कर नहीं बनाते हैं बल्कि उसे छूकर बनाते हैं। साइमलटेनेग्नोसिया के मरीज अपने आसपास हो रही सारी घटनाओं को देखते और समझते हैं लेकिन उसका बहुत छोटा हिस्सा ही वे याद रख पाते हैं। इसे इन मरीजों की अटेंशनल विंडो कहा जाता है। हम सभी का अटेंशनल विंडो अलग अलग समय पर एक दूसरे से अलग होता है। मिसाल के तौर पर अगर आप किसी भीड़ वाली जगह पर चल रहे हैं, तो, आपकी अटेंशनल विंडो ज्यादा बड़ी होती है। आप अपने आस पास होने वाली हर चीज को ज्यादा ध्यान से देखते हैं। वहीं अगर आपके सामने चलते चलते अगर कोई गिलहरी आ जाए तो आपकी ये विंडो छोटी हो जाता है। आपका सारा ध्यान उस गिलहरी की तरफ लग जाता है।

हेल्थ केयर

बीमारी की जड़ तक पहुंचना जरूरी...

गूगल हर मर्ज की दवा नहीं होता है। खासतौर से बीमारियों में तो बिल्कुल भी नहीं। अपनी बीमारी के लक्षणों को गूगल पर सर्च करके दवाई लेना जानलेवा साबित हो सकता है। सिरदर्द, मतली आदि जैसे लक्षण कई बीमारियों के संकेत होते है।

पर इंटरनेट पर आपने किसी एक बीमारी के बारें मे पढ़कर कोई दवाई ले ली तो यह सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। सिर्फ बीमारी के ऊपरी लक्षणों के आधार पर अपना इलाज शुरू करने के बजाय बीमारी की जड़ तक पहुंचना जरूरी होता है। इसलिए खुद इलाज करने से अच्छा है कि डॉक्टर की सलाह लें।

दवाइयों के दुष्प्रभाव

दर्द निवारक दवाओं का सामान्यता सबसे अधिक इस्तेमाल होता है। दर्दनाशक पेट में सूजन पैदा कर सकते हैं। इससे अल्सर और रक्तस्राव का कारण बनता है। अन्य खतरे ये भी हैं कि ये दवाएं उच्च रक्तचाप वाले मरीजों में आघात का खतरा चार गुना तक बढ़ा देती हैं। सबसे महत्वपूर्ण है कि गर्भधारण में सभी दवाओं से बचना चाहिए। यहां तक कि सुरक्षित लगने वाली दवाएं भी विशेषतौर पर गर्भधारण की पहली तिमाही में अजन्मे बच्चे पर बुरा प्रभाव डाल सकती हैं। ये जन्मजात विसंगतियों का कारण बन सकती हैं।

यह है जानलेवा

डॉक्टर मानते हैं अनिवार्य जरूरत के बिना जब-तब एंटीबायोटिक्स नहीं लेना चाहिए, अन्यथा उनके लिए शरीर में खास तरह की प्रतिरोधकता पैदा हो जाती है और फिर गंभीर संकट के समय बीमारियों से लड़ने के लिए एंटीबायोटिक्स दी जाती हैं तो वे शरीर पर असर ही नहीं दिखाती हैं। एंटीबायोटिक्स के प्रति शरीर में ऐसी प्रतिरोधकता आ जाना महत्वपूर्ण मौकों पर जानलेवा साबित होता है।

मात्रा का ध्यान रखें

सबसे बड़ा खतरा तनावरोधी और अवसादरोधी दवाओं पर निर्भरता होने का है लेकिन मरीज डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाओं जैसे एंटासिड्स, खांसी के सिरप और दर्द निवारकों के भी आदी हो सकते हैं। दवाईयों की अपर्याप्त खुराक बीमारी को ठीक नहीं करती और इलाज को लंबा कर देती है। वहीं, दूसरी तरफ, अत्यधिक खुराक कई अंगों को क्षति पहुंचा सकती है।

दवा लेने के तरीके

दवा एक ही तरीके से नहीं ली जाती है। दवाई लेने के कई तरीके होते हैं। इसलिए दवा लेने से पहले उस दवाई के बारे में ये जान लेना जरूरी है कि इस दवा को किस तरह से लेना है। क्योंकि अगर दवा को ठीक तरीके से नहीं लिया जाए तो उसका असर कम हो सकता है या फिर वह नुकसान भी कर सकती है।

फेस्टिवल सीजन में इन बातों का रखें ध्यान

त्योहारों के इस मौसम का जमकर आनंद लें, लेकिन आपके इस आनंद में सेहत सही रहे, तो यह बात सोने में सुहागा की तरह साबित होगी। खासकर वे लोग जो डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर से ग्रस्त हैं,भारत अपनी भव्य संस्कृति और त्योहारों के लिए मशहूर है। सभी त्योहार खुशियों और आनंद का संदेश लकर आते हैं और अब इनका सिलसिला शुरू हो चुका है। हर त्योहार की विशेषता उससे जुड़े खास व्यंजनों से झलकती है। फिर चाहे वह नवरात्र के फलाहारी पकवान हों या फिर दीपावली की मिठाइयां।

सावधानी बरतना जरूरी: त्योहारों के इस दौर में खाए जाने वाले अधिकतर व्यंजन अत्यधिक चीनी, चिकनाई और मैदा युक्त होते हैं। ऐसे में खानपान में सावधानी बरतना अनिवार्य है। यह बोलना जितना आसान है, उस पर अमल कर पाना उतना ही कठिन। विशेषकर उन लोगों को लिए जिन्हें डायबिटीज या फिर हाई ब्लड प्रेशर हो या जो लोग वजन कम करने की कोशिश कर रहे हों।

त्योहारों पर हर घर-घर में तरह-तरह के व्यंजन शौक से बनाए जाते हैं और बाजार से लाए भी जाते हैं, परन्तु हम यह उम्मीद करते हैं कि परिवार में वे सदस्य जिन्हें डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर है या जिनका वजन अधिक है, वे इन्हें नहीं खायेंगे। वास्तविकता यह है कि ऐसे खाद्य पदार्थ जो अतिरिक्त कैलोरी या वसायुक्त हों, वो सभी के लिए ही हानिकारक होते हैं।

चुनौतियों और जोखिम से भरा काम

आपदा प्रबंधन में भी रोजगार के बेहतर अवसर

इन दिनों आपदा प्रबंधन में युवा कॅरियर बनाने के लिए आगे आ रहे हैं। चूंकि कुदरती आपदा अचानक आती है इसकी कोई तय सीमा नहीं होती। इसी के मद्देनजर 2005 में डिजास्टर मैनेजमैंट एक्ट बनाया गया। केंद्र और राज्य सरकार ने नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी का गठन किया गया। आपदा प्रबंधन के लिए हमारे देश में दो शाखाएं काम कर रही हैं। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) और डायरेक्टर जनरल सिविल डिफेंस (डीजीसीडी)। इनके जिम्मे डिजास्टर से संबंधित कई विभागों का काम होता है वहीं डीजीसीडी के अंतर्गत हर शहर और इलाके में टीमें होती हैं। ये छोटी शाखाओं में काम करते हैं।

संभावनाएं...

डिजास्टर मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद ज्यादातर जॉब पब्लिक सैक्टर में हैं। जैसे सरकारी विभागों के फायर डिपार्टमेंट, सूखा प्रबंधन विभाग। विदेशों में छात्र अपना कॅरियर एमरजेंसी सर्विस, लोकल अथॉरिटी, राहत एजेंसी, एनजीओ, यूएनओ, वर्ल्ड बैंक, एमनेस्टी इंटरनेशनल, एशियन डेवलपमेंट बैंक, रेड क्रॉस सोसायटी, यूनेस्को जैसी इंटरनैशनल एजेंसी में बना सकते हैं। इसमें पेशे में जनसेवा तो है जोखिम भी कम नहीं। इस जोखिम भरे काम के लिए वेतन भी बढ़िया मिलता है।

प्रमुख संस्थान...

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फायर इंजीनियरिंग, नई दिल्ली
- राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र
- इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट एंड फायर सेटी, मोहाली, पंजाब
- डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, भोपाल, मध्यप्रदेश

योग्यता...

डिजास्टर मैनेजमैंट से संबंधित कई तरह के कोर्स मौजूद हैं। कोर्स के स्वरूप के अनुसार अंडरग्रैजुएट व सिर्टिफिकेट कोर्स के लिए छात्र 12वीं कक्षा कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ पास हो। मास्टर तथा एमबीए सरीखे कोर्स के लिए स्नातक होना आवश्यक है। कुछ संस्थान पीएचडी भी कराते हैं। अत: उसके लिए मास्टर डिग्री जरूरी है। इसके अलावा शॉर्ट टर्म कोर्स और डिस्टेंस लर्निंग कोर्स भी एक विकल्प है। सिर्टिफिकेट कोर्स इन डिजास्टर मैनेजमेंट, डिप्लोमा इन डिजास्टर मैनेजमेंट जैस कई कोर्स हैं। रिस्क असेसमेंट एंड प्रीवेंशन स्ट्रेटेजीज, लैजिस्लेटिव स्ट्रक्चर फॉर कंट्रोल ऑफ डिजास्टर मिटिगेशन रेस्क्यू आदि विषय पढ़ाए जाते हैं।

रेसिपी

मॅक एन चीज़

सामग्री

- 1 1/4 कप पकी हुई मॅकारोनी
- 1 कप कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज़
- 2 टेबल-स्पून मक्ख़न
- 1 टेबल-स्पून मैदा
- 1 कप दूध
- नमक और ताज़ी पिसी काली मिर्च स्वादअनुसार
- 1/4 कप ब्रेड क्रम्बस

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में 1 टेबल-स्पून मक्ख़न गरम करें, मैदा डालकर, लगातार हिलाते हुए मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भून लें। दूध डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक पका लें। नमक, काली मिर्च और चीज़ डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। मॅकारोनी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। बचे हुए 1 टेबल-स्पून मक्ख़न को एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में गरम करें, ब्रेड क्रम्बस् डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट या उनके सुनहरा होने तक भून लें। एक तरफ रख दें। एक बेकिंग डिश में मॅकारोनी को फैलाकर उपर ब्रेड क्रम्बस् छिड़के। पहले से गरम अवन में 200°c (400°f) के तापमान पर 15 मिनट के लिए बेक कर लें या माईक्रोवेव में उच्च तापमान पर 1-2 मिनट तक पका लें। तुरंत परोसें।

पंजाबी पालक कढ़ी

सामग्री

1/2 कप पालक(कटी हुई), 1 प्याज (कटा हुआ),1-2 हरी मिर्च(कटी हुई),1 टी स्पून अदरक का पेस्ट,1 कप दही, 1 टेबलस्पून बेसन, 1 टीस्पून जीरा,1/2 टी स्पून लाल मिर्च पाऊडर,1 बड़ा चम्मच तेल ,नमक स्वादानुसार, हरा धनिया

विधि

सबसे एक बर्तन में दही,बेसन,हल्दी,लाल मिर्च और नमक को अच्छी तरह से मिक्स कर लें और इसे गैस पर चढ़ा दें। कढ़ी अगर गाढ़ी लगे तो उसमें पानी डाल दें। एक पैन में तेल गर्म करके उसमें जीरा,लहसुन,प्याज,अदरक और हरी मिर्च डालकर भूने और अब तड़के को कढ़ी में मिक्स कर दें। जब यह पक जाए तो इसमें ताजा पालक को इसमें डाल दें। ध्यान रखें पालक डालने के बाद इसे ज्यादा न पकाएं। ऊपर से कटा हरा धनिया डाल कर इसे सजा दें। आप चाहे तो इसमें पकौड़े भी डाल सकते हैं।

महिलाओं की उम्र बढ़ा सकती है 'कैमोमाइल'

वैसे तो दिन में एक कप चाय सेहत के लिए अच्छी मानी जाती है, लेकिन नए शोधों में पता चला है कि कैमोमाइल (बबूने का फूल) की चाय महिलाओं की उम्र बढ़ा सकती है। कैमोमाइल एक प्राचीन पौधा है, जिसका कई औषधीय उपचारों में इस्तेमाल होता है। अध्ययन में पता चला है कि कैमोमाइल का सेवन महिलाओं के लिए ज्यादा फायदेमंद होता है।

7 साल के अध्ययन के बाद सामने आया ये सच...

महिलाओं में यह जनसांख्यिकी कारकों से गुजरने, स्वास्थ्य परिस्थितियों एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार के साथ सामंजस्य बैठाने में भी मददगार है, जबकि यह प्रभाव पुरुषों में नहीं देखा जाता है। अमेरिका में यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास की मेडिकल शाखा के प्रोफेसर ब्रेट हॉवरी ने कहा कि हमारी रिपोर्ट में महिलाओं एवं पुरुषों के बीच भिन्नता पाए जाने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है, लेकिन यह जरूर देखा गया है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं कैमोमाइल का ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। शोधकर्ताओं ने अपने 7 साल के अध्ययन के दौरान मैक्सिकन-अमेरिकी लोगों में कैमोमाइल के प्रभाव और मृत्यु के कारणों का अध्ययन किया और पाया कि कैमोमाइल पीने वाले 1,677 महिलाएं एवं पुरुष 65 साल की आयु से ज्यादा जीवन जीते हैं।

पेट की गड़बड़ी-मोटापे की समस्या में मददगार...

शोधकर्ताओं ने हालांकि कहा कि यह बात स्पष्ट नहीं हो सकी है कि कैमोमाइल के सेवन और मृत्यु दर में गिरावट के बीच कैसा संबंध है। हाल के शोधों में पता चला है कि कैमोमाइल का सेवन हाइपरग्लिकेमिया, पेट की गड़बड़ी, मोटापे की समस्या और घबराहट की बीमारी के उपचार में मददगार है। कैमोमाइल को एक कारगर कॉलेस्ट्रॉल नियंत्रक, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीमाइक्रोबॉयल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी प्लेटलेट भी माना जाता है। इसलिए कहा जा सकता है कि कैमोमाइल महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रहा हैं।

जिज्ञासा

रविवार को ही छुट्टी क्यों मनाते है?

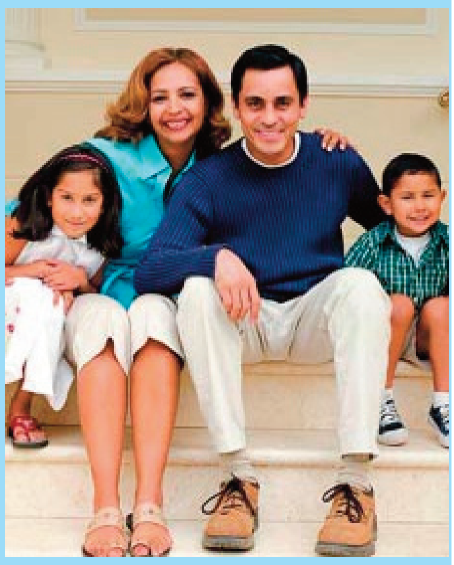

सन-डे यानी छुट्टी का दिन। मौज-मस्ती का दिन। आराम का दिन। इस दिन दुनियाभर में कोई भी इंसान काम करना पसंद नहीं करता। पर क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर रविवार को ही छुट्टी क्यों मनाई जाती है? क्या इसके पीछे कोई विशेष कारण है कि दुनिया के ज्यादातर देशों में इसी दिन छुट्टी मनाई जाती है और इस दिन स्कूल, कॉलेज, कार्यालय व अन्य संस्थान बंद रहते हैं! हिंदी कैलेंडर के अनुसार रविवार से सप्ताह की शुरुआत मानी जाती है।

वहीं इंग्लिश कैलेंडर के अनुसार रविवार सप्ताह का अंतिम दिन होता है। हिंदी पंचांग के अनुसार रविवार सूर्य का दिन है और इस दिन सूर्य सहित सभी देवी-देवताओं की आराधना का विधान है। हिंदू शास्त्रों के अनुसार ऐसा माना जाता है कि रविवार सप्ताह का प्रथम दिन होता है और इस दिन पूजादि करने से पूरे सप्ताह मन शांत रहता है, सभी कार्य बिना किसी परेशानी के सफल हो जाते हैं। इस दिन सभी लोगों से धार्मिक कार्य आदि करने के उद्देश्य से ही रविवार को अवकाश घोषित किया गया। ताकि व्यक्ति के दिमाग पर कार्य का दबाव न रहे।

वहीं इंग्लिश कैलेंडर के अनुसार सन-डे सप्ताह का अंतिम दिन होता है। पूरे सप्ताह के कार्य करने के बाद वीकएंड में शरीर और दिमाग को आराम देने के उद्देश्य से रविवार को ऑफ रखा जाता है ताकि व्यक्ति से काम का प्रैशर हट जाए और फिर से रिफ्रेश होकर नए सप्ताह में नई ऊर्जा के साथ कार्य कर सकें।

इसी उद्देश्य की वजह से दुनियाभर में रविवार को अवकाश रखा जाता है। यह भी हो सकता है कि अंग्रेजी राज से ही भारत में रविवार की छुट्टी का चलन शुरू हुआ हो।

हंसी के हसगुल्ले

बिल्ली की जिद

संता के घर एक बिल्ली रहती थी जिससे वह बहुत परेशान था। एक दिन संता उससे तंग आकर उसे कहीं छोड़कर आ गया पर संता के घर पहुंचने से पहले वह घर पहुंच गई।

संता दुबारा उसको बाहर छोड़कर आया पर वह फिर से घर पर वापस आ गई।

संता को बहुत गुस्सा आ गया और इस बार उसने बिल्ली को बहुत दूर ले जाकर छोड़ दिया। फिर थोड़ी देर बाद अपनी बीवी को फोन किया और पूछा कि क्या बिल्ली घर आ गई है।

बीवी - 'हां, वह पहुंच गई है।'

संता- 'उस कमीनी से बोल मुझे आकर ले जाए्ज में रास्ता भूल गया हूं!'

संता की टांग कट गई

संता की टांग नीली हो गई, वह बंता सिंह डॉक्टर के पास गया। बंता सिंह बोला: जहर टांग में फैल चुका है इसलिए टांग काटनी पड़ेगी। उसने टांग काट कर नकली टांग लगा दी। संता सिंह : डॉक्टर जी नकली टांग भी नीली हो गई। ध्यान से देखने के बाद बंता सिंह बोला 'ओह, अब बीमारी समझ आई, जींस रंग छोड़ रही है'।

तीन पहेलियां

बहुत समय पहले की बात है, रूस में एक राजकुमारी रहती थी, जो स्वयं को दुनिया की सबसे बुद्धिमान स्त्री समझती थी। एक दिन उसने घोषणा करवाई कि वह उसी व्यक्ति से शादी करेगी, जो उससे तीन ऐसी पहेलियां पूछेगा, जिनका उत्तर वह न दे सके। भला ऐसा कौन व्यक्ति था, जो राजकुमारी से विवाह करने का इच्छुक न होता? इसलिए, बहुत से लोग राजकुमारी से विवाह करने का सपना लेकर दरबार में आए।

उन्होंने राजकुमारी से कठिन से कठिन सवाल पूछे, लेकिन राजकुमारी ने सभी प्रश्नों के उत्तर बड़ी सरलता से दे दिए। वे सभी निराश होकर वापस घर लौट गए।

लोगों को इस प्रकार असफल होते देखकर राजकुमारी ने सोचा कि शायद उसके राज्य में कोई भी व्यक्ति उससे विवाह करने के योग्य नहीं है। वह सोचती थी, 'क्या मेरा विवाह नहीं हो सकेगा? यदि मुझे पता होता कि मेरे राज्य के लोग इतने मूर्ख हैं, तो मैं कभी ऐसी शर्त रखती ही नहीं।'

एक दिन की बात है। इवान नाम का एक युवा किसान प्रश्न पूछने महल में आया। जब राजकुमारी को पता चला कि एक किसान उससे पहेलियां पूछने आया है, तो पहले वह बहुत हंसी। फिर भी उसने उस किसान को एक अवसर देने का निश्चय किया।

इवान ने राजकुमारी से पहला सवाल पूछा, 'एक अच्छी चिड़िया में दूसरी अच्छी चिड़िया घुसी हुई थी। मैंने पहली अच्छी चिड़िया की अच्छाई के लिए दूसरी अच्छी चिड़िया को बाहर निकाल दिया। बताइए वास्तव में मैंने क्या किया?'

ऐसी कठिन पहेली एक किसान से सुनकर राजकुमारी आश्चर्यचकित रह गई। उसने इवान से कहा कि वो उसकी पहेली का उत्तर दूसरे दिन देगी। इवान तुरंत इसके लिए तैयार हो गया। उस रात राजकुमारी ने अपनी नौकरानी से कहा कि वह इवान से किसी तरह उस पहेली का जवाब पूछ कर आए। नौकरानी इवान से पहेली का जवाब पूछने में संकोच कर रही थी। वह सोच रही थी कि इवान को उस पहेली का जवाब देने के लिए राज़ी कर पाना आसान नहीं होगा, लेकिन नौकरानी के पूछने पर इवान ने उस पहेली का जवाब तुरंत ही बता दिया।

नौकरानी यह समझ नहीं सकी कि इवान ने पहेली का उत्तर इतनी आसानी से क्यों दे दिया है। लेकिन उसे इससे क्या करना था? पहेली का उत्तर तो उसे मिल ही गया था।

अगले दिन राजकुमारी ने पहेली का उत्तर बताते हुए कहा, 'तुमने गेहूं के खेत से एक गाय को भगाया था।'

इवान राजकुमारी के जवाब से संतुष्ट हो गया। फिर उसने दूसरी पहेली पूछी, 'एक दिन मैं एक जंगल से गुजर रहा था। तभी मैंने एक बुरी चिड़िया देखी। मैंने तुरंत दूसरी बुरी चिड़िया उठाकर पहली बुरी चिड़िया को मार डाला। बताइए, मैंने क्या किया?'

राजकुमारी एक बार फिर चक्कर में पड़ गई। उसने पहेली के कई उत्तर सोचकर बताए, लेकिन इवान उन उत्तरों से संतुष्ट नहीं हुआ। तब राजकुमारी ने अगले दिन प्रश्न का उत्तर देने को कहा। राजकुमारी ने एक बार फिर पहेली का जवाब पाने के लिए अपनी नौकरानी की सहायता ली। इस बार भी इवान ने बिना किसी हिचकिचाहट के पहेली का उत्तर बता दिया। अगले दिन राजकुमारी ने इवान से कहा, 'तुम जंगल से गुजर रहे थे, तब तुमने एक सांप देखा। तुमने उस सांप को डंडे से मारा।' अब तीसरे प्रश्न की बारी थी। इवान ने मुस्कुराते हुए अपनी तीसरी पहेली पूछी, 'राजकुमारी जी, आप मात्र इतना बता दीजिए कि आपने मेरी पहली दो पहेलियों का जवाब कैसे प्राप्त किया?' राजकुमारी तीसरी पहेली सुनकर भोचक्का रह गई। वह बहुत अजीब स्थिति में फंस गई थी। उसने सोचा, 'अगर मैं इस प्रश्न का जवाब देती हूं, तो सभी जान जाएंगे कि मैंने अपनी नौकरानी की सहायता से पहली दो पहेलियों का हल पाया है। अगर मैं पहेली का उत्तर नहीं देती हूं तो मुझे अपनी पराजय स्वीकार करके इस किसान से विवाह करना पड़ेगा।' फिर कुछ सोचने के बाद उसने अपने आपको पराजित घोषित कर दिया। उसका इवान से विवाह हो गया और फिर दोनों प्रसन्नतापूर्वक रहने लगे।

क्या आप जानते हो

- च्युइंगगम चबाते-चबाते प्याज काटने से आंख से आंसू नहीं आते। (हालांकि प्याज काटने से आंखों में आंसू बनने कीप्रक्रिया अवश्य होती है, किंतु जबड़ों के लगातार चलते रहने के कारण वे आंख से बाहर नहीं आ पाते हैं।)
- बिना खाना खाए एक महीने तक जिंदा रहा जा सकता है, जबकि बिना पानी पिए सिर्फ एक सप्ताह ही कोई व्यक्ति जीवित रह सकता है। शरीर में एक फीसदी पानी की कमी हो जाए, तो प्यास महसूस होने लगती है और 10 फीसदी पानी की कमी होने पर प्राण निकल जाते हैं।
- शहद एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जो हजारों साल तक खराब नहीं होता। (मिस्र के फैरो की कब्रों में पाए गए शहद को पुरातत्वविदों ने जब चख कर देखा, तो पाया कि वह आज भी खाने योग्य है।)

साथ-साथ काम करना पसंद करते हैं तोते

पैरिस में हुए एक शोध के मुताबिक कुछ पक्षी अकेले काम करना पसंद करते हैं और कुछ समूह में। शोधकर्ताओं ने पक्षियों को कई काम दिए ताकि इन्हें देखकर यह समझा जा सके कि पक्षियों में एक-दूसरे के साथ सहयोग करने की समझ है या नहीं।

'ऐनिमल कॉग्निशन' नाम की पत्रिका में छपे इस शोध में पाया गया कि स्लेटी रंग के अफ्रीकी तोते किसी परेशानी का समाधान करने में अपने व्यक्तित्व के विशिष्ट पहलुओं को उभार पाते हैं। इसकी जांच करने के लिए शोधकर्ताओं ने जो तकनीक अपनाई, वो सबसे पहले समूह में काम करने में चिम्पान्जी की दक्षता जांचने के लिए इस्तेमाल की गई थी। अब इसी तरीके से हाथियों के एक दूसरे को सहयोग देने की क्षमता जांची जा रही है।

बूझो तो जाने

- गोरा-चिट्टा खूब हूं पर पहनूं नहीं पजामा मां का तो भाई नहीं फिर भी बच्चों का मामा
- मुझ से बड़ा पेट में उंगली सिर पर रखा पत्थर गोल-गोल रूप है मेरा बूझो जल्दी उतर।
- जितनी ज्यादा सेवा करता उतना घटता जाता है। सभी रंग का नीला-पीला पानी के संग भाता हूं।
- सोने की वह चीज है पर बेचे नहीं सुनार मोल तो ज्यादा है नहीं बहुत है उसका भार।
- छोटा था तो नारी था मैं, बड़ा हुआ तो नर नारी का तो कम मोल था नर की बड़ी कदर
- नहीं मैं मिलती बाग में आधी फल हूं आधी फूल काली हूं पर मीठी हूं खा के न पाया कोई भूल।
- सोने को पलंग नहीं, न ही महल बनाए एक रुपया पास नहीं फिर भी राजा कहलाए

चंदामामा, अंगूठी, साबुन, चारपाई,
अमिया-आम, गुलाबजामुन, शेर।

रंग भरो

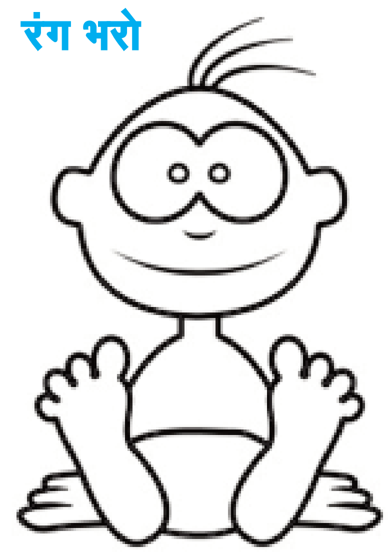

आप हैं कितने बुद्धिमान?

इस आकृति को देखकर बताएं कि कितनी लड़कियां रंग-बिरंगे कपड़ों में हैं और कितनी लड़कियां ब्लैक एण्ड व्हाइट कपड़ों में हैं। इन आकृतियों में रंग भरकर आप इसकी पूरी गणना भी कर सकते हैं।

उत्तर: 12

अंतर बताओ

कविता

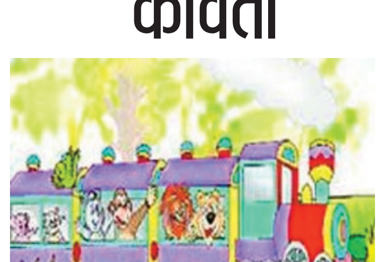

जंगल में जब रेल चली,
मच गई सब में खलबली।
शेर-शेरनी संग में आए,
बैठ रेल में वे इतराए।
आए तोता, बंदर, भालू,
संग थी मिस चीता झगड़ालू।
सुअर, बिल्ली, मैना आए,
बैठ रेल में गाना गाए।
घूम के मेंढक बेचे मूली,
बोझा ढो रहा गधा कूली।
गार्ड उल्लू ने झंडी लहराई,
ड्राइवर चींटी ने रेल चलाई।
छूटा हाथी, बोला रुक-रुक,
रेल चल दी लेकिन छुक-छुक।

हाई स्पीड ट्रेन

दो सौ से भी ज्यादा वर्ष बीत चुके हैं जब स्टीम इंजन का आविष्कार हुआ। इसके आविष्कारक रिचर्ड ट्रेवेथिक ने शायद कल्पना भी नहीं की होगी कि ट्रेन भी कर सकती हैं कभी हवा से बातें। इतना ही नहीं, उन्हें दूर-दूर इसका ख्याल भी न आया होगा कि ट्रेन प्लेन की माफिक ट्रैक पर दौड सकती हैं!

दरअसल, जब स्टीम इंजन बने तो उस समय ट्रेन की स्पीड महज 8 किमी प्रति घंटा होती थी। धीरे-धीरे 25 किमी. की रफ्तार को भी तेज रफ्तार ट्रेन में शुमार किया जाने लगा।

आज जबकि 500 किलोमीटर से भी ज्यादा प्रति घंटे की तूफानी रफ्तार से जब ट्रेनें चलती हैं, तो कोई भी एकबारगी दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर हो सकता है। रोंगटे खडे कर देने वाली ऐसी ट्रेन कहलाती हैं हाई स्पीड ट्रेन। ये बुलेट जैसी दिखती हैं, इसलिए इसे आम तौर पर बुलेट ट्रेन भी कहा जाता है। इनसे जब हजारों किलोमीटर की दूरी महज दो से तीन घंटों में नापी जाती है, तो ये ट्रेनें प्लेन होने का भ्रम पैदा करती हैं! एक नजर ऐसी तूफानी रफ्तार वाली ट्रेनों पर..

जापान की एमएलएक्स 01

हर बार एक नए रूप में आने के बाद इसकी वर्तमान स्पीड है 581 किमी. प्रति घंटा। यह ट्रेन मैग्नेटिक लेविटेशन सिस्टम पर चलती है यानी ट्रैक पर ट्रेन दौड़ती तो है, पर उसे छूती नहीं। इस ट्रेन को डेवलप किया है रेलवे टेक्निकल रिसर्च इंस्टीट्यूड जापान के साथ मिलकर जापान रेलवे कंपनी ने। इसका निर्माण कराया गया 1970 में ही, लेकिन एमएलएक्स 01 है इसका सबसे लेटेस्ट डिजाइन।

फ्रांस की टीजीवी150

जब यह ट्रेन बनाई गई यानी 1981 में, तो यह महज दो सौ किलोमीटर की रफ्तार से दौडती थी। पर वर्ष 2007 तक आते-आते यह बन गई दुनिया की दूसरी सबसे तेज रफ्तार से दौडने वाली बुलेट ट्रेन। इसकी उच्च गुणवत्ता को देखकर ही टीजीवी हाईस्पीड टेक्नोलॉजी को दूसरे यूरोपीय देशों में भी अपनाया जाने लगा है। चाहे युनाइटेड्ड्स8200;किंगडम हो, नीदरलैंड या फिर जर्मनी..सबने इस खास टेक्नोलॉजी का लोहा माना।

फ्रांस की टीजीवी

यह टीजीवी 150 का शुरुआती मॉडल है। वर्ष 1981 में इस ट्रेन की रिकॉर्ड स्पीड थी 380 किमी. प्रतिघंटा। लेकिन वर्ष 2007 में यह रफ्तार 574.8 किमी. प्रतिघंटे की तूफानी रफ्तार वाली हो गई। इसके इंजन की शक्ति है तकरीबन 25,000 हॉर्सपॉवर। इस ट्रेन को उस वक्त ईजाद किया गया जब फ्रांस में पेट्रोल का जबरदस्त संकट आ गया था। यह समय था वर्ष 1973।

चीन की शंघाई मेग्लेव ट्रेन

चीन में दुनिया का सबसे लंबा हाई स्पीड रेल नेटवर्क है। संख्या में बात करें, तो यह है तकरीबन 6,000 मील। चीन में ईजाद की गई यह ट्रेन एक दिन में तकरीबन 3, 78,000 हजार पैसेंजर्स को कैरी करती है। इसकी रिकॉर्ड स्पीड है तकरीबन 501 किमी. प्रति घंटा।

जर्मनी की टीआर 07

आमतौर पर तेज रफ्तार वाली बुलेट ट्रेन की आवाज काफी डरावनी होती है, लेकिन जर्मन टीआर 07 को कुछ इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह जब चलती है, तो डरावनी आवाज काफी हद तक दूसरे ट्रेनों से अपेक्षाकृत ज्यादा नियंत्रित रहती है। इस ट्रेन की स्पीड है 434.9 किमी. प्रतिघंटा। टीआर 07 भी मैग्नेटिक लेविटेशन टेक्नोलॉजी पर चलती है। गौरतलब है कि जर्मनी, जापान और चीन के बाद हाई स्पीड रेल टेक्नोलॉजी में अग्रणी है। इसे दुनिया का सबसे बडा हाई स्पीड ट्रेन का निर्माता देश भी माना जाता है।

जापान की शिनकांसेन

हाई स्पीड ट्रेन के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश है जापान। जब इस देश ने शिनकांसेन का आविष्कार किया, तो यह था हाई स्पीड ट्रेन की दुनिया में मील का पत्थर। बुलेट ट्रेन की अवधारणा भी इसी के साथ सामने आई। जब यह रेल सेवा शुरू की गई थी, तो इसकी स्पीड थी 210 किलोमीटर प्रति घंटा। आज यह 300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रैक पर दौडती है।

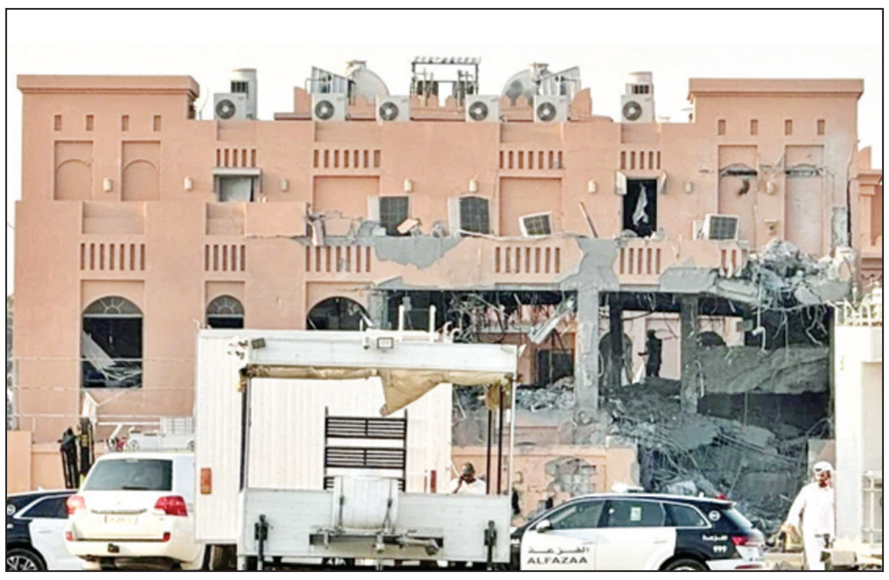

इजराइली के लिए चुनौती : कतर में हमास के नेताओं को मारने से किया इनकार

दोहा,13 सितंबर (एजेंसियां)।

दोहा में हुए इजरायली हवाई हमले को लेकर शुरुआती दावे थे कि हमास का कोई बड़ा नेता मारा गया है। लेकिन शुक्रवार को तस्वीर साफ हुई जब हमास ने घोषणा की कि उसका वरिष्ठ नेता खलील अल-हैया जिंदा है और उसने अपने बेटे हम्माम के अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया। इससे साफ हो गया कि हवाई हमले में हमास के शीर्ष नेतृत्व को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

इजरायली मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस ऑपरेशन के समय और तरीके पर इजरायल की सुरक्षा व्यवस्था में गहरी असहमति थी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला लाल सागर के ऊपर से उड़ान भर रहे आठ एफ-15 और चार एफ-35 विमानों द्वारा दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों से किया गया था।

इजरायल ने अमेरिका को हमले की सूचना केवल मिनटों पहले दी थी, जिससे उसे प्रतिक्रिया का कोई मौका नहीं मिला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुले तौर पर इस कार्रवाई पर नाराजगी जताई और कहा कि वह पूरे घटनाक्रम से बेहद असंतुष्ट हैं। हमले में अल-हय्या का बेटा हम्माम सहित पांच लोग मारे गए, जिनमें एक कतरी सुरक्षा अधिकारी भी शामिल था। इससे दोहा में आक्रोश फैल गया और अब कतर ने अगले सप्ताह आपातकालीन अरब-इस्लामी शिखर सम्मेलन बुलाने की घोषणा की है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले का समय और तरीका दोनों ही विवादास्पद थे। इजरायल के रक्षा प्रतिष्ठान के अधिकांश लोगों ने सलाह दी थी कि इस हमले को टाल दिया जाए, क्योंकि इससे बंधक-मुक्ति और युद्धविराम की वार्ता को नुकसान पहुंच सकता था।

अब इस हमले ने कतर में तीखी कूटनीतिक प्रतिक्रिया को जन्म दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि मोसाद लंबे समय से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में हमास और हिजबुल्लाह नेताओं को निशाना बनाता रहा है, लेकिन इस बार उसने दोहा में जमीनी कार्रवाई से किनारा कर लिया। मोसाद प्रमुख बरनिया का मानना था कि कतर में हमला करना कूटनीतिक स्तर पर इजरायल के लिए घातक साबित हो सकता है। एक इजरायली अधिकारी ने सवाल उठाया कि हमास नेताओं को एक साल, दो साल या चार साल बाद भी मारा जा सकता है। अभी क्यों हमले के बाद से हमास नेतृत्व सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है।

न्यूज ब्रीफ

चीन के वैज्ञानिकों ने तैयार किया बोन ग्लू........टूटी हड्डी को चिपकाने वाला फेविकाल

बीजिंग। चीन के वैज्ञानिकों ने क्रांतिकारी खोज की है, दुनिया का पहला बोन ग्लू (हड्डी का चिपकने वाला पदार्थ), जो टूटी हड्डियों को 2-3 मिनट में जोड़ देता है। यह सामग्री सीपों से प्रेरित है। पूरी तरह बायोडिग्रेडेबल है, यानी 6 महीने में शरीर में घुल जाती है। इसके इस्तेमाल के बाद मेटल इम्प्लांट की जरूरत नहीं पड़ेगी। चीन के वैज्ञानिकों ने बोन 02 नामक बायोमटेरियल तैयार किया है, जो हड्डियों को चिपकाने के लिए इस्तेमाल होता है। यह सामग्री सीपों से प्रेरित है, जो समुद्र में मजबूती से चिपक जाते हैं। डॉ. लिन जियानफेंग ने देखा कि सीप लहरों और धाराओं में भी नहीं हिलते, तो क्या हड्डियों को खून से भरे माहौल में चिपकाया जा सकता है इस विचार से यह बोन ग्लू बना। यह ग्लू 200 किलोग्राम से ज्यादा की चिपकने की ताकत रखता है। सर्जरी के दौरान लगाने से टूटी हड्डियां 2-3 मिनट में जुड़ जाती हैं। पुरानी विधि में धातु के इम्प्लांट लगाने पड़ते हैं, जो हटाने के लिए दूसरी सर्जरी की जरूरत डालते हैं। लेकिन बोन ग्लू 6 महीने में हड्डी ठीक होने पर खुद घुल जाता है, बिना दूसरी सर्जरी के। बोन ग्लू को सर्जरी में लगाने से पहले यह एक चिपचिपा पदार्थ होता है। खून से भरे माहौल में भी यह मजबूती से चिपक जाता है। वैज्ञानिकों ने 50 से ज्यादा फॉर्मूले टेस्ट किए और सैकड़ों प्रयोग किए।

ट्रंप प्रशासन ने की फंड में कटौती भारत में टीबी से अगले पांच साल में हो सकती कई मौतें

वाशिंगटन। एक हालिया अध्ययन में सामने आया हैं कि अमेरिकी विदेशी सहायता में कटौती से भारत जैसे उच्च तपेदिक (टीबी) बोझ वाले देशों में अगले पांच वर्षों में 22 लाख अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं। अमेरिका ने 2024 में टीबी कार्यक्रमों के लिए विदेशी फंडिंग का 55 प्रतिशत से अधिक योगदान दिया था। लेकिन मार्च में, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) के सभी कार्यक्रमों में 83 प्रतिशत की भारी कटौती की घोषणा की थी। यूएसएआईडी मानवीय और विकास सहायता के लिए दुनिया की सबसे बड़ी फंडिंग एजेंसी है। शोधकर्ताओं की एक टीम ने 26 उच्च टीबी बोझ वाले देशों पर यूएसएआईडी की कटौती के प्रभाव का आकलन किया, जिसमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफ्रीका के कई देश शामिल हैं, जो टीबी कार्यक्रमों के लिए फंडिंग पर निर्भर हैं। अध्ययन के अनुसार, सबसे खराब स्थिति में यानी जहां टीबी कार्यक्रम लंबे समय तक प्रभावित रहते हैं वहां 2025 से 2030 के बीच इन 26 देशों में 107 लाख अतिरिक्त टीबी मामले और 22 लाख मौतें हो सकती हैं।

ब्लड ग्रुप भी दिल की बीमारियों के खतरे को करता है प्रभावित : शोध

वॉशिंगटन। इंसान का ब्लड ग्रुप भी दिल की बीमारियों के खतरे को प्रभावित करता है। हाल ही में हुए एक

अध्ययन ने चौंकाने वाला पहलू उजागर किया है। रिसर्च में पाया गया कि ब्लड ग्रुप ए और बी वाले लोगों को हार्ट अटैक का खतरा अन्य ब्लड ग्रुप वालों की तुलना में अधिक होता है। इस अध्ययन में करीब 4 लाख लोगों के डेटा का गहन विश्लेषण किया गया। परिणामों में स्पष्ट हुआ कि ए और बी ब्लड ग्रुप वालों को ओ ब्लड ग्रुप वालों की तुलना में हार्ट अटैक का खतरा लगभग 8 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, ए ब्लड ग्रुप वालों में हार्ट फेलियर का जोखिम 11 प्रतिशत तक पाया गया। दूसरी ओर, बी ब्लड ग्रुप वाले व्यक्तियों में हार्ट अटैक का खतरा 15 प्रतिशत तक अधिक देखा गया। यह निष्कर्ष बताते हैं कि ब्लड ग्रुप भी दिल की सेहत का एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक हो सकता है। रिसर्च में यह भी सामने आया कि ब्लड ग्रुप ए और बी वालों में खून का थक्का (ब्लड क्लॉट) बनने की संभावना ओ ब्लड ग्रुप की तुलना में लगभग 44 प्रतिशत अधिक होती है। यही थक्के धमनियों में जाकर ब्लॉकेज पैदा करते हैं और हार्ट अटैक का कारण बनते हैं। ऐसे में यह तथ्य बेहद गंभीर है क्योंकि यह जोखिम किसी की जीवनशैली से नहीं, बल्कि ब्लड ग्रुप से जुड़ा हुआ है, जिसे बदला नहीं जा सकता। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि अगर आपका ब्लड ग्रुप ए या बी है तो घबराने की जरूरत नहीं है। इसका मतलब यह नहीं कि आपको हार्ट अटैक जरूर होगा, बल्कि यह चेतावनी है कि आपको अपनी जीवनशैली पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

नेपाल : प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते ही सुशीला कार्की ने खींची नई लकीर, संसद भंग कर आम चुनाव का फैसला

शुक्रवार देर शाम राष्ट्रपति पौडेल ने सुशीला कार्की को दिलाई शपथ-नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं पूर्व मुख्य न्यायाधीश कार्की-संसद विघटन का सीपीएन (यूएमएल) और माओवादी ने किया विरोध-मेयर बालेन शाह ने युवाओं की जीत बताते हुए फैसले पर खुशी जताई

काठमांडू,13 सितंबर (एजेंसियां)।

देश की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की ने नेपाल की अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार देर शाम शीतल निवास में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। वह नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री और कार्यकारी प्रमुख बनीं। इसके साथ ही उन्होंने बड़ा फैसला लेते हुए संसद के विघटन और 5 मार्च को आम चुनाव कराने की सिफारिश की जिसे राष्ट्रपति ने मंजूर कर लिया। राष्ट्रपति पौडेल ने संविधान के अनुच्छेद 61 के तहत कार्की को प्रधान मंत्री के रूप में नियुक्त किया। 2015 में नए संविधान की घोषणा के बाद से, पिछली सभी सरकारें अनुच्छेद 76 के तहत बनाई गई थीं। हालांकि, कार्की - जिन्होंने युवाओं के नेतृत्व वाले जनरल-जेड आंदोलन के समर्थन से पदभार संभाला - को अनुच्छेद 61 के तहत नियुक्त किया गया था, जो एक महत्वपूर्ण संवैधानिक और राजनीतिक बदलाव को चिह्नित करता है। 42वें प्रधानमंत्री के रूप में कार्की की नियुक्ति प्रतिनिधि सभा (एचओआर) के विघटन के बाद दिन में पहले हुए एक राजनीतिक समझौते का पालन करती है - जनरल-जेड विरोध आंदोलन और प्रणालीगत सुधार की मांग करने वाली कई राजनीतिक ताकतों की मुख्य मांग।

गहन बातचीत के एक दिन के बाद शीर्ष नेता कार्की के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार बनाने के लिए आम सहमति पर पहुंचे। शीतल निवास के सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति पौडेल, जिन्होंने पहले जोर देकर कहा था कि कार्की को संसद के औपचारिक विघटन के बाद ही नियुक्त किया जाए, अंततः बढ़ते सार्वजनिक और राजनीतिक दबाव के बीच पीछे हट गए।

संसद विघटन और 5 मार्च को चुनाव का फैसला - नव नियुक्त प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने संसद को भंग करने की सिफारिश करके अपना पहला बड़ा निर्णय लिया है, जिसे राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने तत्काल मंजूरी दी। उन्होंने आम चुनाव के तारीखों की घोषणा कर दी है। कार्की के शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत बाद शीतल निवास में आयोजित नए मंत्रिमंडल की पहली बैठक के दौरान इस निर्णय की घोषणा की गई। बैठक में, उन्होंने राजनीतिक सुधार और संस्थागत रीसेट के लिए जेन जी समूह द्वारा उठाई गई लंबे समय से चली आ रही मांग को संबोधित किया। संसद भंग करने के साथ ही आम चुनाव के तारीख की घोषणा कर दी गई है। राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से एक बयान जारी कर कहा गया है कि देश का अगला आम चुनाव 5 मार्च को किया जाएगा।

अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की द्वारा की गई सिफारिश के बाद राष्ट्रपति ने 5 मार्च 2026 को आम चुनाव की घोषणा कर दी है। प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि अगले कुछ दिनों में मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। सदन को भंग कर दिया गया है - राष्ट्रपति ने विघटन को मंजूरी दे दी है। मैंने इसकी सिफारिश की, और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया और हस्ताक्षर किए।

संसद भंग करने के फैसले की निंदा - नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दलों, सीपीएन (यूएमएल) और माओवादी पार्टी ने संसद को भंग करने के फैसले की कड़ी आलोचना की है। माओवादी ने अपने पदाधिकारियों की एक आपातकालीन बैठक बुलाई, जिसमें इस कदम को अस्वीकार्य बताया गया और राजनीतिक स्थिरता के लिए इसके प्रभावों पर चिंता व्यक्त की गई। इस बीच, सीपीएन (यूएमएल) के महासचिव शंकर पोखरेल ने सोशल मीडिया पर इस फैसले की निंदा की। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पहले संसद को भंग करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की आलोचना की थी, वे अब इस विघटन का समर्थन करने कर सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं।

मेयर बालेन शाह ने युवाओं को दी बधाई - काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के मेयर बालेन शाह ने नेपाल में संसद भंग और सत्ता परिवर्तन को संभव कर दिखाने के लिए जेन जी युवाओं को बधाई देते हुए प्रदर्शन के दौरान मारे गए युवाओं को शहीद बताया है। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की नियुक्ति के कुछ ही समय बाद बालेन ने फेसबुक पर लिखा, प्रिय जेन जी, आपके योगदान और बलिदान के कारण देश बदल गया है। बहादुर शहीदों को हार्दिक श्रद्धांजलि।

अपने ही बुने जाल में फंस रहा है अमेरिका, अब विदेश मंत्री रूबियो जाएंगे इजरायल

वाशिंगटन,13 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका की नीतियां खुद अमेरिका के लिए परेशानी का सबब बन रहीं हैं। हाल ही में इजरायल को लेकर अमेरिका अपने ही जाल में फंसता हुआ दिखाई दे रहा है। कतर पर इजरायली हमले के बाद अमेरिका के सामने अपने दोनों सहयोगियों के प्रति बैलेंस बनाने की चुनौती है। इसीलिए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात की और अब वह इजरायल जाने वाले हैं। अमेरिका की भी नीति गाजा को लेकर अस्पष्ट ही रही है। एक तरफ वह इजरायल का खुलकर समर्थन करता है और गाजा पर कब्जे को लेकर प्लान बनाता है। वहीं दूसरी तरफ वह युद्धविराम के लिए मध्यस्थता का भी दावा करता है। रविवार को मार्को रूबियो इजरायल पहुंचने वाले हैं। वह उन लोगों से मुलाकात करेंगे जिनके परिवार के लोगों को हमास ने बंधक बना लिया था। वहीं यूएन में अलग फिलिस्तीनी देश को मान्यता देने को लेकर चल रही बहस के बीच अमेरिका यह भी दिखाना चाहता है कि वह इजरायल के साथ खड़ा है और अलग देश का विरोध करता है। बता दें कि इजरयाल ने दोहा में हमास के सदस्यों को निशाना बनाते हुए हमला कर दिया था। इसमें कतर के भी एक जवान की मौत हो गई थी। इजरायल की इस हरकत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी नाराजगी जताई। बता दें कि रूबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने वाइट हाउस में कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहामन अल थानी से मुलाकात की। इके बाद डोनाल्ड ट्रंप के विशेष राजदूत स्टीव विटकॉफ ने उनके साथ डिनर किया। बता दें कि इजरायल ने कतर की राजधानी में तब हमला किया जब अमेरिका के ही युद्धविराम के प्रस्ताव पर बात करने के लिए हमास के लीडर इकट्ठे हुए थे। हमास और इजरायल के बीच युद्धविराम को लेकर अमेरिका और कतर मध्यस्थता कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने इस हमले से खुद को दूर किया था। वहीं यूएन में इजरायल के खिलाफ निंदा प्रस्ताव में अमेरिका भी शामिल था। बंधकों के परिवारों से मिलने के साथ ही मार्को रूबियो इजरायली अधिकारियों के साथ गाजा पर आगे की योजना को लेकर चर्चा करेंगे। इसके अलावा वह पुरातात्विक स्थानों के लिए प्रसिद्ध सिटी ऑफ डेविड का भी दौरा करेंगे। वहीं कतर के प्रधानमंत्री ने कहा है कि दोहा में हमास के नेताओं पर किए गए हमले से इजराइल के नेताओं ने दिखा दिया है कि उन्हें गाजा पट्टी में बंधक बना कर रखे गए लोगों की कोई परवाह नहीं है। कतर के प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपातकालीन बैठक में यह बात कही।

नासा ने चीनी नागरिकों की भौतिक और साइबर सुरक्षा को किया सीमित

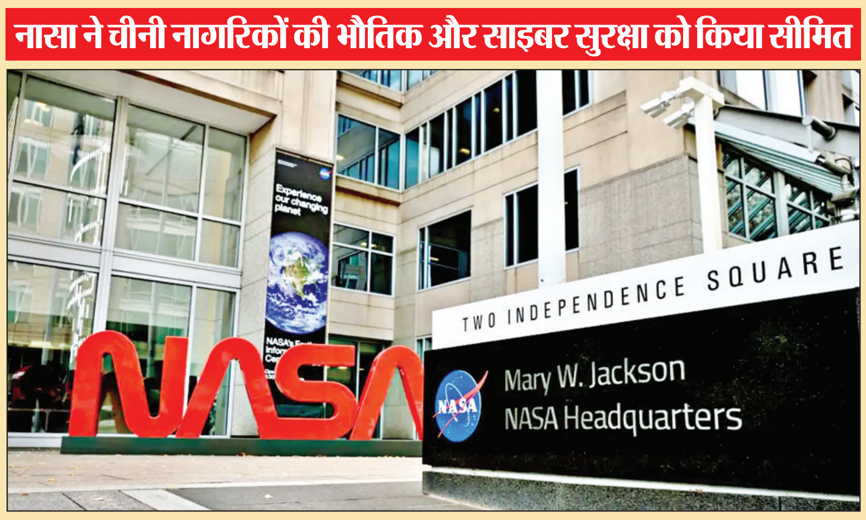

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने चीनी नागरिकों के खिलाफ आंतरिक सुरक्षा के तहत कड़ा कदम उठाया है। नासा ने चीनी नागरिकों की भौतिक और साइबर सुरक्षा को सीमित कर दिया है। इसमें नासा की सुविधाएं, अनुसंधान सामग्री और नेटवर्क शामिल हैं, जिन पर अब चीनी नागरिकों की पहुंच नहीं होगी। दरअसल नासा अब वो उन चीनी नागरिकों को अपने कार्यक्रमों से बाहर कर रहा है, जिनके पास वीजा तो वैध है लेकिन उन्हें आईटी एक्सेस मिल रहा था। इस कदम ने अमेरिका और चीन की अंतरिक्ष में होड़ को और ज्यादा बढ़ा दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नासा की प्रवक्ता बेथनी स्टीवंस ने कहा है कि सुरक्षा की दृष्टि से चीनी नागरिकों को संस्थागत रूप से नासा में फिजिकल एंट्री, साइबरनेटिक सुविधाएं, नेटवर्क और सामग्री संबंधी पहुंच से प्रतिबंधित किया है। यह फैसला स्पेस एजेंसी की आंतरिक सुरक्षा और यहां होने वाले रिसर्च वर्क की संवेदनशील प्रकृति को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। पहले चीनी नागरिक कॉन्ट्रैक्टर्स या छात्रों के रूप में नासा प्रोजेक्ट्स में काम कर सकते थे, बशर्ते वे कर्मचारी न हों। स्पेस सेंटर में नहीं मिलेगी एंट्री, अब अमेरिका-चीन में बढ़ेगी अंतरिक्ष होड़ रिपोर्ट के मुताबिक 5 सितंबर से कुछ चीनी नागरिकों ने बताया था कि उन्हें अचानक आईटी सिस्टम्स से बाहर कर दिया और उन्होंने इन-पर्सन बैठकों में भाग नहीं लिया। यह कदम उस समय उठाया गया है जब ट्रंप प्रशासन की चीन के प्रति नीति और रुख ज्यादा कड़ा है।

परमाणु हथियारों को लेकर किम जोंग उन के खतरनाक इरादे

प्योंगयांग,13 सितंबर (एजेंसियां)।

परमाणु हथियों को लेकर पूरी दुनिया में होड़ लगी है। हर एक देश परमाणु शक्ति संपन्न होना चाहता है। इसी कड़ी में उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी की जल्द ही अहम बैठक होनी है। इसमें प्योंगयांग अपने परमाणु हथियारों और सैन्य ताकत को बढ़ाने की नीति पेश करेगा। सरकारी मीडिया के हवाले से ये खबर आई है। 2019 में अमेरिका के साथ शिखर सम्मेलन असफल रहा। इसके बाद से, उत्तर कोरिया बार-बार कह चुका है कि वह अपने परमाणु हथियार कभी नहीं छोड़ेगा।

किम जोंग उन ने इस हफ्ते हथियार अनुसंधान केंद्रों का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्योंगयांग परमाणु ताकत और सशस्त्र बलों को एक साथ बढ़ाने की नीति लाएगा। किम ने देश की पारंपरिक सैन्य ताकत को आधुनिक बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया, हालांकि उन्होंने पार्टी की बैठक की तारीख नहीं बताई। किम को यूक्रेन युद्ध से हिम्मत मिली है, क्योंकि उन्होंने रूस को हजारों उत्तर कोरियाई सैनिक भेजकर उसका समर्थन हासिल किया है। पिछले साल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर कोरिया का दौरा किया था। इस दौरान मॉस्को और प्योंगयांग ने आपसी रक्षा समझौता भी किया था। सियोल ने बार-बार चेतावनी दी कि रूस प्योंगयांग को और समर्थन दे रहा है, जिसमें रूसी सैन्य तकनीक का हस्तांतरण भी शामिल हो सकता है। इसके बदले में उत्तर कोरिया यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद कर रहा है।

रुस में भूकंप के फिर जबरदस्त झटके, 7.4 की तीव्रता से हिली धरती, सुनामी की चेतावनी

मॉस्को,13 सितंबर (एजेंसियां)।

आए दिन दुनिया में कहीं न कहीं भूकंप के झटके लग रहे हैं। अफगानिस्तान में तो सैकड़ों लोगों की जान चली गई और वहां भारी नुकसान हुआ है। शनिवार को रुस में भी भूकंप ने काफी डरा दिया है। यहां कमचटका प्रायद्वीप के पूर्वी तट के पास शनिवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, इस क्षेत्र में रिक्टर पैमाने पर 7.4 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया है। इसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप रूसी शहर पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से 111 किलोमीटर (69 मील) पूर्व में कामचटका क्षेत्र के प्रशासनिक केंद्र में, 39.5 किलोमीटर की गहराई पर आया। भूकंप के बाद, कामचटका क्षेत्र के स्थानीय अधिकारियों ने सुनामी की चेतावनी जारी की। भूकंप के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए, जिनमें तेज झटकों की स्थिति दिखाई दी। कुछ वीडियो में फर्नीचर जोर-जोर से हिलता नजर आया, जबकि अन्य में कमचटका क्षेत्र के इमारतों में डर और नुकसान के दृश्य दिखे। स्थानीय खबरों के अनुसार बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है, हालांकि पूरा आकलन अभी जारी है। यह भूकंप अवाचा खाड़ी के निकट आया, जो प्रशांत अग्नि वलय के साथ स्थित होने के कारण अपनी भूकंपीय गतिविधि के लिए जाना जाता है, जो विश्व के सर्वाधिक सक्रिय टेक्टोनिक क्षेत्रों में से एक है। कामचटका क्षेत्र के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने बताया कि सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि समुद्र तट और सुनामी के खतरे वाले अन्य क्षेत्रों में जाते समय विशेष रूप से सावधान रहें। गवर्नर ने लोगों से शांति बनाए रखने और आधिकारिक स्रोतों से मिलने वाली जानकारी पर नजर रखने की सलाह दी। इस बीच, जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के हवाले से बताया कि कामचटका में भूकंप से जापान के तट पर मामूली ज्वारीय उतार-चढ़ाव हो सकता है, लेकिन देश में भूकंप से नुकसान का कोई खतरा नहीं है। रूसी मीडिया के अनुसार, यह भूकंप 30 जुलाई को कामचटका में आए 8.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद आए झटकों की श्रृंखला का हिस्सा था। जुलाई में आए शक्तिशाली भूकंप ने प्रशांत महासागर के कुछ हिस्सों में सुनामी की चेतावनी जारी कर दी थी। यूएसजीएस ने चेतावनी दी थी कि भूकंप के तीन घंटे के भीतर रूस और जापान के तटीय इलाकों में खतरनाक सुनामी लहरें पहुंच सकती हैं। भूकंप 19.3 किलोमीटर (12 मील) की कम गहराई पर दर्ज किया गया था, जिससे जमीन पर तेज झटके और संभावित सुनामी लहरों का खतरा बढ़ गया था। प्रभावित क्षेत्रों के तटीय निवासियों से ऊंचे स्थानों पर चले जाने और स्थानीय आपातकालीन प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया गया है।

सचिन और विराट हैं मेरे आदर्श : शुभमन

दुबई,13 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के उपकप्तान बने शुभमन गिल का कहना है कि वह सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली को वह अपना आदर्श मानते हैं। शुभमन पिछले कुछ समय में तेजी से अपने करियर में बुलंदियों पर आये हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने इंग्लैड दौरे में हुई टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। शुभमन को प्रिंस के नाम से भी जाना जाता है और प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह भविष्य में किंग कोहली की तरह बनेंगे। टेस्ट में कप्तानी मिलने के बाद से ही उनकी बल्लेबाजी काफी अच्छी हुई है। उन्होंने इंग्लैंड दौरे में 700 से अधिक रन बनाये थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जिस प्रकार वह ऊपर आये हैं उससे साफ है कि आने वाला समय उनका है। वहीं शुभमन ने कहा मेरे दो आदर्श रहे हैं। पहले हैं सचिन तेंदुलकर। वह मेरे पिता के पसंदीदा थे और मैं क्रिकेट में आया भी तो उनकी ही वजह से। वह 2013 में रिटायर हुए और 2011-13 के आसपास मैं क्रिकेट को समझने लगा।

वहीं शुभमन ने आगे कहा, 'उसी समय मैंने विराट को बारीकी से देखना शुरू कर दिया। वह जिस तरह से अपना काम करते थे, उसे देखना मैं पसंद करने लगा। खेल के लिए उनका जुनून और भूख मुझे अच्छी लगने लगी। आप सभी कौशल और सभी तकनीक सीख सकते हैं पर भूख ऐसी चीज है जो या तो आपके पास होगी या नहीं होगी। विराट में यह कूट-कूटकर था और इसने मुझे वाकई प्रभावित किया।

श्रेयस के लिए जगह बनाने सैमसन को पांचवे नंबर पर आजमाया जा रहा : श्रीकांत

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि एशिया कप में जिस प्रकार संजू सैमसन को पांचवें नंबर पर रखा गया है उससे उन्हें नुकसान होगा। श्रीकांत के अनुसार इस नंबर पर सैमसन अधिक सफल नहीं रहे है और इससे उनका मनोबल कमजोर होगा। इस पूर्व बल्लेबाज का मानना है कि श्रेयस अय्यर के लिए जगह बनाने सैमसन को पांचवे नंबर पर आजमाया जा रहा है। यूएई के खिलाफ मैच में वह पांचवे नंबर पर उतरे थे। शुभमन गिल को टी20 में उपकप्तान बनाये जाने के बाद से ही ये तय हो गया था कि सैमसन के हाथ से पारी की शुरुआत का अवसर निकल गया है। श्रीकांत ने कहा, मुझे लगता है कि सैमसन को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कराकर, वे श्रेयस अय्यर की टीम में वापसी का रास्ता बना रहे हैं। संजू ने पांचवें नंबर पर ज्यादा बल्लेबाजी नहीं की है और उन्हें उस नंबर पर बल्लेबाजी भी नहीं करनी चाहिए। इससे पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने का उनका आत्मविश्वास डगमगा जाएगा। ये सैमसन के पास अंतिम अवसर है। मैं उन्हें यह भी बता दूंगा कि अगर वह इस नंबर पर अगली तीन पारियों में रन नहीं बना पाए, तो श्रेयस उनकी जगह ले लेंगे।

न्यूज ब्रीफ

हांगकांग ओपन 2025: सात्विक-चिराग की जोड़ी फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली। भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शनिवार को सीधे गेम में जीत के साथ हांगकांग ओपन सुपर 500 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। विश्व की 9वें नंबर की जोड़ी ने चीनी ताइपे के बिंग-वेई लिन और चेन चेंग कुआन को 21-17, 21-15 से हराकर छह सेमीफाइनल में मिली हार के बाद सत्र के अपने पहले फाइनल में जगह बनाई। आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी का सामना फाइनल में चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग और चीनी ताइपे के फैंग-चिह ली और फैंग-जेन ली के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। सात्विक और चिराग के लिए, यह परिणाम एक और फाइनल मुकाबले की ओर कदम बढ़ाने से कहीं बढ़कर है। यह एक कठिन वर्ष के बाद एक रोमांचक वापसी का प्रतीक है जिसने उनके शरीर और मनोबल दोनों की कड़ी परीक्षा ली थी। भारतीय जोड़ी ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था और साइना नेहवाल और पीवी सिंधु के बाद इस प्रतियोगिता में एक से अधिक पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय जोड़ी बन गईं। सात्विक ओलंपिक के बाद के महीनों पीठ और कोहनी की चोटों से जूझते रहे और फरवरी में उनके पिता का हृदयाघात से निधन हो जाने के बाद उन्हें व्यक्तिगत रूप से एक बड़ी त्रासदी का सामना करना पड़ा। चिकनपॉक्स के कारण उनकी वापसी फिर से रुक गई। चिराग भी बार-बार पीठ की चोट से जूझते रहे, जिससे यह जोड़ी लय और परिणाम दोनों खो बैठी।

भारत-पाकिस्तान मुकाबले में इस बार नहीं दिखेंगे विराट , रोहित और बाबर जैसे दिग्गज

दुबई। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में रविवार को भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमें आमने-सामने होंगी। गत एक दशक में ये पहली बार होगा जब भारत-पाक मुकाबले में विराट कोहली, रोहित शर्मा और बाबर आजम जैसे खिलाड़ी नहीं दिखेंगे। इस मैच को प्रशंसक टीवी पर देख सकते हैं। इसकी मोबाइल पर लाइव स्ट्रीमिंग भी होगी। एशिया कप में दोनो ही टीमों के बीच हुए मुकाबलों पर नजर डालें तो अब तक ये टीमें 19 मुकाबलों में आमने-सामने रही हैं। इसमें भारतीय टीम ने 10 बार जीत हासिल की है। वहीं साल 2023 में ग्रुप- स्तर के तीन मैच खराब मौसम के कारण रद्द कर दिए गए थे। पाकिस्तान ने साल 2022 में संयुक्त अरब अमीरात में हुए मुकाबले में भारत को हराया था। तब सबसे अधिक 71 रन बनाए थे। दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम 11 भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव।

एशिया कप : ओमान पर जीत के बाद भी अंक तालिका में भारत से पीछे हैं पाकिस्तान

दुबई। मोहम्मद हारिस की शानदार बल्लेबाजी से पाकिस्तान ने ओमान को 93 रनों से हराकर एशिया

कप क्रिकेट टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबला जीत लिया है। इस मैच में पाक की ओर से हारिस ने सबसे ज्यादा 66 रन बनाये। इस जीत के बाद भी पाक टीम अंक तालिका में भारत से पीछे है। भारतीय टीम ने अपने पहले ही मैच में यूएई को एकतरफा मुकाबले में 9 विकेट से हराया था। अब रविवार को भारतीय टीम का मुकाबला पाक से होगा। अब एशिया कप ग्रुप ए अंक तालिका में भारतीय टीम 2 अंक के साथ पहले नंबर पर है। वहीं पाक को भी एक जीत से 2 अंक मिले हैं पर वह रन रेट के आधार पर दूसरे नंबर पर हैं। भारतीय टीम का नेटरन रेट 10.483 का हो गया है। वहीं पाक टीम का नेट रन रेट 4.650 है। दूसरी ओर ग्रुप बी में अफगानिस्तान और बांग्लादेश की टीम दो-दो अंक लेकर पहले और दूसरे नंबर पर हैं। इस मैच में पाक ने सात विकेट पर 160 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए ओमान की टीम 16.4 ओवर में 67 रन ही बना पायी। ओमान की ओर से हम्माद मिर्जा ने सबसे ज्यादा 27 रन बनाए। इसके अलावा हम्माद मिर्जा ने 27 रन बनाए। इसके अलावा आमिर कलीम 13 और शकील अहमद 10 ही दो अंकों तक पहुंच पाये।

हॉकी दिग्गजों ने की पंजाब हॉकी लीग की सराहना कहा- पीएचएल हमारे समय में होती तो बढ़ जाते करियर

मोहाली,13 सितंबर (एजेंसियां)।

राउंडग्लास और हॉकी पंजाब के संयुक्त आयोजन में चल रही पंजाब हॉकी लीग (पीएचएल) को भारत के हॉकी महान खिलाड़ियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। उनका मानना है कि यह लीग देश में खेल का भविष्य बदल रही है। 30 लाख रुपये की इनामी राशि जो भारत में जूनियर हॉकी के लिए अब तक की सबसे बड़ी रकम है, और देशभर की टीमों की भागीदारी के साथ, पीएचएल ने जमीनी स्तर के विकास में नए मानक स्थापित कर दिए हैं।

भारत के पूर्व फॉरवर्ड और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित प्रभजोत सिंह ने आयोजकों द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में टूर्नामेंट के पैमाने और दृष्टिकोण की सराहना करते हुए इसे ''युवाओं के लिए सबसे बड़ा मंच बताया।

उन्होंने कहा, ''यह लीग, जो राउंडग्लास और हॉकी पंजाब ने शुरू की है, शानदार पहल है। जब ऐसी लीग होती है, तो सभी जूनियर्स को मौका मिलता है। साथ ही इसमें 30 लाख रुपये की बड़ी इनामी राशि भी है। यह खिलाड़ियों के लिए बड़े टूर्नामेंट की तैयारी का शानदार प्लेटफॉर्म है।,''

2001 जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप विजेता और दो बार एशिया कप जीत चुके प्रभजोत ने कहा कि लीग के हर साल आयोजित होने से युवाओं को स्पष्टता और प्रेरणा मिलती है।

उन्होंने कहा, पहले खिलाड़ियों को यह नहीं पता होता था कि कौन-सा टूर्नामेंट खेलना है। अब इस लीग के चलते उन्हें पता है कि यह हर साल होती है। इसलिए वे इसके लिए तैयारी करते हैं। वे यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं ताकि यह उन्हें सीनियर कैंप में चयन का मौका दिला सके।,''

प्रभजोत ने यहां तक कहा कि अगर उनके दौर में भी ऐसी लीग होती, तो खिलाड़ियों का करियर कई साल और बढ़ जाता।

हॉकी के दिग्गज बलजीत सिंह ने कहा कि इस पहल का असर पंजाब से आगे भी दिखेगा।

उन्होंने कहा, यह शानदार पहल है। इससे भारतीय हॉकी को बढ़ावा मिलेगा। पंजाब की हॉकी हमेशा समृद्ध रही है और अब अन्य राज्य भी हमारी हॉकी संस्कृति से लाभ उठा सकते हैं। ऐसी पहलों को नियमित समर्थन मिलना चाहिए ताकि भारत को लगातार अच्छे खिलाड़ी मिलते रहें। बलजीत ने पूरे देश से भागीदारी और उसके मिलने वाले अनुभव को अहम बताया।

उन्होंने कहा, हम आमतौर पर इस स्तर के आयु-वर्ग टूर्नामेंट नहीं देखते। यहां जूनियर खिलाड़ी उसी स्तर की हॉकी खेल रहे हैं, जैसा हॉकी इंडिया लीग में दिखता है, जो कि बड़ी बात है। जब ये खिलाड़ी एचआईएल और दुनिया भर के अन्य टूर्नामेंट्स में जाएंगे, तो उन्हें महसूस होगा कि वे पहले ही दबाव की परिस्थितियों के आदी हो चुके हैं।,''

भारत के पूर्व कप्तान राजपाल सिंह ने राउंडग्लास की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने हर सीजन में स्तर को ऊंचा किया है।

उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छी पहल है। इसका पूरा श्रेय राउंडग्लास को जाता है। उन्होंने हॉकी को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी ली है और पिछले सीजन से इस बार तक स्तर में सुधार का श्रेय उन्हें ही है।''

अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित राजपाल ने इनामी राशि और राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व, दोनों की अहमियत पर भी जोर दिया।

हॉकी इंडिया की मान्यता और लगातार बढ़ती प्रतिष्ठा के साथ, पंजाब हॉकी लीग को अब जूनियर्स के लिए वैश्विक स्तर तक पहुंचने का अहम रास्ता माना जा रहा है। पंजाब हॉकी लीग 2025 का पहला चरण मंगलवार (9 सितम्बर) को पूरा हुआ, जिसमें मौजूदा चैंपियन राउंडग्लास हॉकी अकादमी 20 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर रही। उसने सातों मैच जीतकर क्लीन स्वीप किया। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, सोनीपत (एसएआई, एनसीओई, सोनीपत) 18 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। लीग का दूसरा चरण 15 सितम्बर से जालंधर में शुरू होगा।

अब तुर्की के फुटबॉल क्लब से खेलेंगे मैनचेस्टर यूनाइटेड के आंद्रे ओनाना

मैनचेस्टर,13 सितंबर (एजेंसियां)।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के गोलकीपर आंद्रे ओनाना अब आने वाले सत्र में तुर्की के फुटबॉल क्लब त्राब्जोंसपोर की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। त्राब्जोंसपोर ने इस फुटबॉलर को लोन पर शामिल किया है हालांकि अभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस करार को मंजूरी मिलनी शेष है। यह करार तुर्की की ट्रांसफर विंडो बंद होने से पहले ही पूरा किया गया है। इसी को लेकर त्राब्जोंसपोर ने कहा, मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ करार हुआ है, जिसके तहत पेशेवर फुटबॉलर आंद्रे ओनाना का 2025-26 सत्र के लिए हमारे क्लब में ट्रांसफर किया गया है। इस फुटबॉलर ने जुलाई 2023 में इटली के इंटर मिलान क्लब से जुड़ने के बाद रेड्स की ओर से 102 मैच खेले हैं। आंद्रे ने मैनचेस्टर में अपने पहले सीजन के दौरान केवल एक मैच ही नहीं खेला था। उन्होंने एफए कप में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

आंद्रे पिछले सत्र में भी पसंदीदा गोलकीपर बने थे। वह सेव ऑफ द मंथ अवॉर्ड को तीन बार जीतने वाले पहले गोलकीपर हैं।

अब हैम्पशर की ओर से काउंटी क्रिकेट खेलेंगे सुंदर

नई दिल्ली। ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर अब इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप 2025 में हैम्पशर की ओर से खेलते नजर आयेंगे। हैम्पशर ने समरसेट और सरे के खिलाफ अपने मुकाबलों के लिए सुंदर के नाम की घोषणा की है। हैम्पशर ने सोशल मीडिया में लिखा, ''आपका स्वागत है, सुंदर। वह अंतिम दो काउंटी मैचों के लिए हमारी टीम से जुड़ेंगे। हैम्पशर के क्रिकेट निदेशक जाइल्स वाइट ने भी सुंदर से करार पर खुशी जतायी हैं और कहा कि भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। वाइट ने कहा, ''काउंटी चैंपियनशिप के लिए वॉशिंगटन को क्लब में शामिल कर हमें खुशी हो रही है। समरसेट और सरे के खिलाफ आने वाले दो मैचों में वह महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।'' इस पांच मैचों की सीरीज में वॉशिंगटन ने 47 के औसत से 284 रन बनाए जिसमें ओल्ड ट्रैफर्ड में बनाया गया उनका पहला शतक भी शामिल है। वॉशिंगटन काउंटी क्रिकेट में दूसरी बार खेलेंगे। इससे पहले उन्होंने 2022 में लंकाशर के लिए चैंपियनशिप और वनडे कप खेला था।

पेरिस में मिश्रित रिले

पेरिस में मैराथन रेस वाक के मिश्रित रिले मे भाग लेते हुए प्रतियोगी।

इंग्लैंड ने रचा इतिहास, टी20 अंतरराष्ट्रीय में 300 का आंकड़ा पार करने वाली पहली टीम बनी

इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को दूसरे टी20 में 146 रनों से हराया

मैनचेस्टर,13 सितंबर (एजेंसियां)।

मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में इंग्लैंड ने इतिहास रच दिया है। इंग्लिश टीम ने शुक्रवार देर रात (भारतीय समयानुसार शनिवार) को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 20 ओवर में सिर्फ 2 विकेट खोकर 304 रन बनाए और टी20 अंतरराष्ट्रीय में किसी फुल-मेम्बर टीम के खिलाफ 300 का आंकड़ा पार करने वाली पहली टीम बन गई। फिल सॉल्ट ने धमाकेदार पारी खेलते हुए मात्र 60 गेंदों में नाबाद 141 रन बनाए।

यह किसी भी इंग्लिश बल्लेबाज का टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। कप्तान जोस बटलर ने भी सिर्फ 30 गेंदों में 83 रन की तूफानी पारी खेलकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। पहले ही ओवर से इंग्लैंड ने अपने इरादे साफ कर दिए थे। बटलर ने मात्र 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और टीम ने 5.5 ओवर में ही 100 रन ठोक दिए। सॉल्ट ने 39 गेंदों में शतक पूरा कर इंग्लैंड की ओर से सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम 16.1 ओवर में सिर्फ 158 रन पर ढेर हो गई। कप्तान एडेन मार्कराम (41) और ब्योर्न फोर्टुइन (32) ने थोड़ी कोशिश की, लेकिन इंग्लिश गेंदबाजों के सामने पूरी टीम बिखर गई। जोफ्रा आर्चर ने 25 रन देकर 3 विकेट और सैम करन ने 11 रन देकर 2 विकेट झटके। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। यह इंग्लैंड की टी20अंतरराष्ट्रीय में अब तक की सबसे बड़ी जीत है।

संक्षिप्त स्कोर

इंग्लैंड: 304/2 (20 ओवर)
- फिल सॉल्ट 141* (60 गेंद)
- जोस बटलर 83 (30 गेंद)
- ब्योर्न फोर्टुइन 2/52
- दक्षिण अफ्रीका: 158 (16.1 ओवर)
- एडेन मार्कराम 41
- ब्योर्न फोर्टुइन 32
- जोफ्रा आर्चर 3/25, सैम करन 2/11

इंग्लैंड ने 146 रनों से जीत दर्ज की।

विश्वकप निशानेबाजी : ईशा ने महिलाओं की एयर पिस्टल में जीता स्वर्ण, भारत को मिला पहला पदक

नई दिल्ली,13 सितंबर (एजेंसियां)।

ओलंपियन और मौजूदा मिश्रित टीम पिस्टल विश्व चैम्पियन ईशा सिंह ने अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल, निंगबो (चीन) में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को प्रतियोगिता का पहला पदक दिलाया। निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में हुए फाइनल में ईशा ने मेज़बान चीन की पसंदीदा और फ़ॉर्म में चल रही याओ चियानसुन को मात्र 0.1 अंकों से पछाड़ा। वहीं, इस स्पर्धा की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन कोरिया की ओ येजिन को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

पहली बार विश्व कप एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण जीतने के बाद ईशा ने कहा, मैं बहुत खुश हूं क्योंकि एयर पिस्टल वही स्पर्धा है जिससे मैंने शूटिंग की शुरुआत की थी। इसमें विश्व कप स्वर्ण जीतना मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। मेरे कुछ लक्ष्य पूरे होते देख अच्छा लग रहा है।

आगे की चुनौतियों पर उन्होंने कहा, इस साल का अगला बड़ा लक्ष्य विश्व चैम्पियनशिप है। हम उसके लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और मुझे यक़ीन है कि काहिरा में भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहतरीन रहेगा।

फाइनल के दौरान मानसिकता पर बात करते हुए ईशा बोलीं, हाँ, मुझे पता था कि भारत को अब तक कोई पदक नहीं मिला है और मुकाबले में विश्व स्तरीय निशानेबाज हैं। लेकिन मैं इन खिलाड़ियों के ख़िलाफ़ कई बार फाइनल खेल चुकी हूँ और अब मुझे विश्वास है कि पिस्टल मेरे हाथ में है और असली लड़ाई मेरे खुद के साथ है। इसलिए मैं मैच को ज़्यादा से ज़्यादा एंजॉय करने की कोशिश करती हूँ।

ईशा और रिदम सांगवान ने 578 अंक बनाकर महिलाओं की एयर पिस्टल फाइनल के अंतिम दो स्थान हासिल किए। याओ चियानसुन 584 के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहीं। वहीं, केवल रैंकिंग अंक के लिए खेल रही एशियाई खेलों की चैम्पियन पलक गुलिया ने शानदार 586 अंक बनाए, जो सभी से बेहतर था। भारत की तीसरी प्रतिभागी सुरभि राव 568 अंक बनाकर 25वें स्थान पर रहीं। आठ निशानेबाजों के फाइनल में ईशा और रिदम ने अच्छी शुरुआत की। पहले पांच शॉट के बाद रिदम शीर्ष पर थीं और ईशा दूसरे स्थान पर, जबकि हंगरी की पेरिस ओलंपिक पदक विजेता वेरोनिका मेजर पीछा कर रही थीं।

दूसरे सीरीज़ के बाद ईशा 0.2 अंकों की बढ़त से शीर्ष पर आ गईं। रिदम पाँचवें स्थान पर खिसक गईं और अंत तक उसी पर रहीं। सिंगल शॉट शुरू होने पर दबाव का असर ओलंपिक चैम्पियन ओ येजिन पर भी दिखा जब उन्होंने 11वें शॉट पर निचले 8 अंक लगाए। 12वें शॉट के बाद चीन की 19 वर्षीय ज़ेंग सबसे पहले बाहर हुईं। ईशा ने 13वें शॉट पर 10.8 का सटीक निशाना लगाया। रिदम ने भी 15वें शॉट पर 10.8 मारकर कुछ समय के लिए चौथे स्थान पर चढ़ाई की, लेकिन 18वें शॉट तक पहुँचते-पहुँचते उनका अभियान समाप्त हो गया।

अंतिम छह शॉट्स में ईशा 1.1 अंकों से आगे थीं, लेकिन 19वें शॉट के बाद याओ ने अंतर घटाकर 0.6 कर दिया। ईशा ने दबाव झेलते हुए लगातार दो 10.7 लगाए और अंत तक 0.1 अंक की नज़दीकी बढ़त बनाए रखी। उन्होंने 242.6 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दिन की दूसरी स्पर्धा, पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में, भावेश शेखावत 575 अंकों के साथ 22वें स्थान पर रहे। उनके हमवतन प्रदीप सिंह शेखावत भी समान स्कोर के साथ 23वें स्थान पर रहे, जबकि मंदीप सिंह 562 अंकों के साथ 39वें स्थान पर रहे।

ईशा के स्वर्ण के साथ भारत अब पदक तालिका में पाँचवें स्थान पर पहुँच गया है और निंगबो में स्वर्ण जीतने वाले पाँच देशों में शामिल हो गया है। मेज़बान चीन दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य के साथ शीर्ष पर है। भारत ने इस विश्व कप में अपने चौथे से छठे क्रमांक के निशानेबाजों को मौका दिया है, जो भविष्य के लिए टीम की गहराई को दर्शाता है।

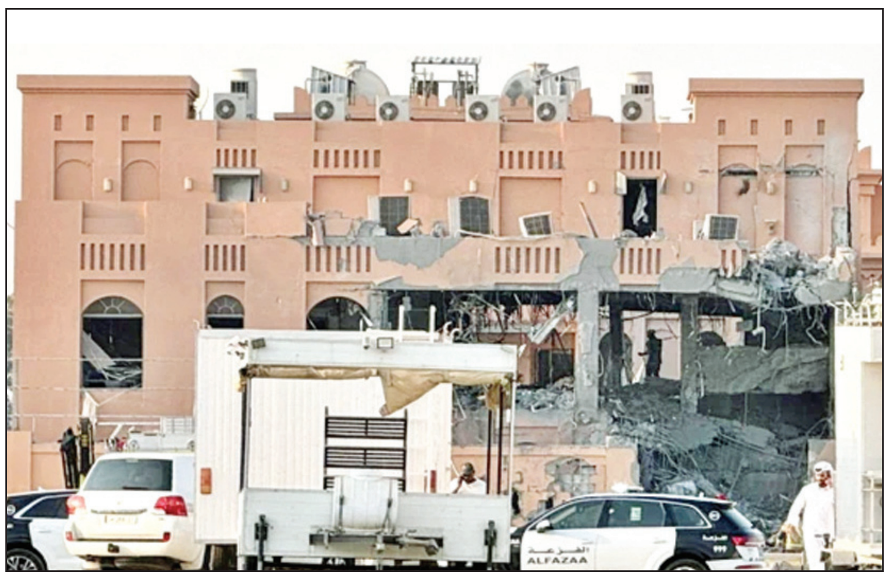

इजराइली के लिए चुनौती : कतर में हमास के नेताओं को मारने से किया इनकार

दोहा,13 सितंबर (एजेंसियां)।

दोहा में हुए इजरायली हवाई हमले को लेकर शुरुआती दावे थे कि हमास का कोई बड़ा नेता मारा गया है। लेकिन शुक्रवार को तस्वीर साफ हुई जब हमास ने घोषणा की कि उसका वरिष्ठ नेता खलील अल-हैया जिंदा है और उसने अपने बेटे हम्माम के अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया। इससे साफ हो गया कि हवाई हमले में हमास के शीर्ष नेतृत्व को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

इजरायली मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस ऑपरेशन के समय और तरीके पर इजरायल की सुरक्षा व्यवस्था में गहरी असहमति थी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला लाल सागर के ऊपर से उड़ान भर रहे आठ एफ-15 और चार एफ-35 विमानों द्वारा दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों से किया गया था।

इजरायल ने अमेरिका को हमले की सूचना केवल मिनटों पहले दी थी, जिससे उसे प्रतिक्रिया का कोई मौका नहीं मिला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुले तौर पर इस कार्रवाई पर नाराजगी जताई और कहा कि वह पूरे घटनाक्रम से बेहद असंतुष्ट हैं। हमले में अल-हय्या का बेटा हम्माम सहित पांच लोग मारे गए, जिनमें एक कतरी सुरक्षा अधिकारी भी शामिल था। इससे दोहा में आक्रोश फैल गया और अब कतर ने अगले सप्ताह आपातकालीन अरब-इस्लामी शिखर सम्मेलन बुलाने की घोषणा की है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले का समय और तरीका दोनों ही विवादास्पद थे। इजरायल के रक्षा प्रतिष्ठान के अधिकांश लोगों ने सलाह दी थी कि इस हमले को टाल दिया जाए, क्योंकि इससे बंधक-मुक्ति और युद्धविराम की वार्ता को नुकसान पहुंच सकता था।

अब इस हमले ने कतर में तीखी कूटनीतिक प्रतिक्रिया को जन्म दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि मोसाद लंबे समय से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में हमास और हिजबुल्लाह नेताओं को निशाना बनाता रहा है, लेकिन इस बार उसने दोहा में जमीनी कार्रवाई से किनारा कर लिया। मोसाद प्रमुख बरनिया का मानना था कि कतर में हमला करना कूटनीतिक स्तर पर इजरायल के लिए घातक साबित हो सकता है। एक इजरायली अधिकारी ने सवाल उठाया कि हमास नेताओं को एक साल, दो साल या चार साल बाद भी मारा जा सकता है। अभी क्यों हमले के बाद से हमास नेतृत्व सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है।

न्यूज ब्रीफ

चीन के वैज्ञानिकों ने तैयार किया बोन ग्लू........टूटी हड्डी को चिपकाने वाला फेविकाल

बीजिंग। चीन के वैज्ञानिकों ने क्रांतिकारी खोज की है, दुनिया का पहला बोन ग्लू (हड्डी का चिपकने वाला पदार्थ), जो टूटी हड्डियों को 2-3 मिनट में जोड़ देता है। यह सामग्री सीपों से प्रेरित है। पूरी तरह बायोडिग्रेडेबल है, यानी 6 महीने में शरीर में घुल जाती है। इसके इस्तेमाल के बाद मेटल इम्प्लांट की जरूरत नहीं पड़ेगी। चीन के वैज्ञानिकों ने बोन 02 नामक बायोमटेरियल तैयार किया है, जो हड्डियों को चिपकाने के लिए इस्तेमाल होता है। यह सामग्री सीपों से प्रेरित है, जो समुद्र में मजबूती से चिपक जाते हैं। डॉ. लिन जियानफेंग ने देखा कि सीप लहरों और धाराओं में भी नहीं हिलते, तो क्या हड्डियों को खून से भरे माहौल में चिपकाया जा सकता है इस विचार से यह बोन ग्लू बना। यह ग्लू 200 किलोग्राम से ज्यादा की चिपकने की ताकत रखता है। सर्जरी के दौरान लगाने से टूटी हड्डियां 2-3 मिनट में जुड़ जाती हैं। पुरानी विधि में धातु के इम्प्लांट लगाने पड़ते हैं, जो हटाने के लिए दूसरी सर्जरी की जरूरत डालते हैं। लेकिन बोन ग्लू 6 महीने में हड्डी ठीक होने पर खुद घुल जाता है, बिना दूसरी सर्जरी के। बोन ग्लू को सर्जरी में लगाने से पहले यह एक चिपचिपा पदार्थ होता है। खून से भरे माहौल में भी यह मजबूती से चिपक जाता है। वैज्ञानिकों ने 50 से ज्यादा फॉर्मूले टेस्ट किए और सैकड़ों प्रयोग किए।

ट्रंप प्रशासन ने की फंड में कटौती भारत में टीबी से अगले पांच साल में हो सकती कई मौतें

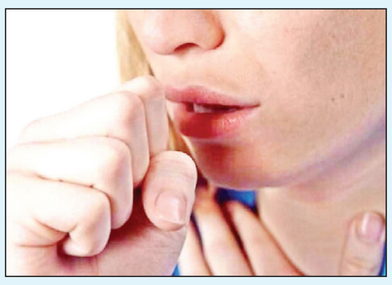

वाशिंगटन। एक हालिया अध्ययन में सामने आया हैं कि अमेरिकी विदेशी सहायता में कटौती से भारत जैसे उच्च तपेदिक (टीबी) बोझ वाले देशों में अगले पांच वर्षों में 22 लाख अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं। अमेरिका ने 2024 में टीबी कार्यक्रमों के लिए विदेशी फंडिंग का 55 प्रतिशत से अधिक योगदान दिया था। लेकिन मार्च में, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) के सभी कार्यक्रमों में 83 प्रतिशत की भारी कटौती की घोषणा की थी। यूएसएआईडी मानवीय और विकास सहायता के लिए दुनिया की सबसे बड़ी फंडिंग एजेंसी है। शोधकर्ताओं की एक टीम ने 26 उच्च टीबी बोझ वाले देशों पर यूएसएआईडी की कटौती के प्रभाव का आकलन किया, जिसमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफ्रीका के कई देश शामिल हैं, जो टीबी कार्यक्रमों के लिए फंडिंग पर निर्भर हैं। अध्ययन के अनुसार, सबसे खराब स्थिति में यानी जहां टीबी कार्यक्रम लंबे समय तक प्रभावित रहते हैं वहां 2025 से 2030 के बीच इन 26 देशों में 107 लाख अतिरिक्त टीबी मामले और 22 लाख मौतें हो सकती हैं।

ब्लड ग्रुप भी दिल की बीमारियों के खतरे को करता है प्रभावित : शोध

वॉशिंगटन। इंसान का ब्लड ग्रुप भी दिल की बीमारियों के खतरे को प्रभावित करता है। हाल ही में हुए एक

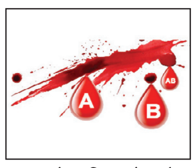

अध्ययन ने चौंकाने वाला पहलू उजागर किया है। रिसर्च में पाया गया कि ब्लड ग्रुप ए और बी वाले लोगों को हार्ट अटैक का खतरा अन्य ब्लड ग्रुप वालों की तुलना में अधिक होता है। इस अध्ययन में करीब 4 लाख लोगों के डेटा का गहन विश्लेषण किया गया। परिणामों में स्पष्ट हुआ कि ए और बी ब्लड ग्रुप वालों को ओ ब्लड ग्रुप वालों की तुलना में हार्ट अटैक का खतरा लगभग 8 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, ए ब्लड ग्रुप वालों में हार्ट फेलियर का जोखिम 11 प्रतिशत तक पाया गया। दूसरी ओर, बी ब्लड ग्रुप वाले व्यक्तियों में हार्ट अटैक का खतरा 15 प्रतिशत तक अधिक देखा गया। यह निष्कर्ष बताते हैं कि ब्लड ग्रुप भी दिल की सेहत का एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक हो सकता है। रिसर्च में यह भी सामने आया कि ब्लड ग्रुप ए और बी वालों में खून का थक्का (ब्लड क्लॉट) बनने की संभावना ओ ब्लड ग्रुप की तुलना में लगभग 44 प्रतिशत अधिक होती है। यही थक्के धमनियों में जाकर ब्लॉकेज पैदा करते हैं और हार्ट अटैक का कारण बनते हैं। ऐसे में यह तथ्य बेहद गंभीर है क्योंकि यह जोखिम किसी की जीवनशैली से नहीं, बल्कि ब्लड ग्रुप से जुड़ा हुआ है, जिसे बदला नहीं जा सकता। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि अगर आपका ब्लड ग्रुप ए या बी है तो घबराने की जरूरत नहीं है। इसका मतलब यह नहीं कि आपको हार्ट अटैक जरूर होगा, बल्कि यह चेतावनी है कि आपको अपनी जीवनशैली पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

नेपाल : प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते ही सुशीला कार्की ने खींची नई लकीर, संसद भंग कर आम चुनाव का फैसला

शुक्रवार देर शाम राष्ट्रपति पौडेल ने सुशीला कार्की को दिलाई शपथ-नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं पूर्व मुख्य न्यायाधीश कार्की-संसद विघटन का सीपीएन (यूएमएल) और माओवादी ने किया विरोध-मेयर बालेन शाह ने युवाओं की जीत बताते हुए फैसले पर खुशी जताई

काठमांडू,13 सितंबर (एजेंसियां)।

देश की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की ने नेपाल की अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार देर शाम शीतल निवास में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। वह नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री और कार्यकारी प्रमुख बनीं। इसके साथ ही उन्होंने बड़ा फैसला लेते हुए संसद के विघटन और 5 मार्च को आम चुनाव कराने की सिफारिश की जिसे राष्ट्रपति ने मंजूर कर लिया। राष्ट्रपति पौडेल ने संविधान के अनुच्छेद 61 के तहत कार्की को प्रधान मंत्री के रूप में नियुक्त किया। 2015 में नए संविधान की घोषणा के बाद से, पिछली सभी सरकारें अनुच्छेद 76 के तहत बनाई गई थीं। हालांकि, कार्की - जिन्होंने युवाओं के नेतृत्व वाले जनरल-जेड आंदोलन के समर्थन से पदभार संभाला - को अनुच्छेद 61 के तहत नियुक्त किया गया था, जो एक महत्वपूर्ण संवैधानिक और राजनीतिक बदलाव को चिह्नित करता है। 42वें प्रधानमंत्री के रूप में कार्की की नियुक्ति प्रतिनिधि सभा (एचओआर) के विघटन के बाद दिन में पहले हुए एक राजनीतिक समझौते का पालन करती है - जनरल-जेड विरोध आंदोलन और प्रणालीगत सुधार की मांग करने वाली कई राजनीतिक ताकतों की मुख्य मांग।

गहन बातचीत के एक दिन के बाद शीर्ष नेता कार्की के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार बनाने के लिए आम सहमति पर पहुंचे। शीतल निवास के सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति पौडेल, जिन्होंने पहले जोर देकर कहा था कि कार्की को संसद के औपचारिक विघटन के बाद ही नियुक्त किया जाए, अंततः बढ़ते सार्वजनिक और राजनीतिक दबाव के बीच पीछे हट गए।

संसद विघटन और 5 मार्च को चुनाव का फैसला - नव नियुक्त प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने संसद को भंग करने की सिफारिश करके अपना पहला बड़ा निर्णय लिया है, जिसे राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने तत्काल मंजूरी दी। उन्होंने आम चुनाव के तारीखों की घोषणा कर दी है। कार्की के शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत बाद शीतल निवास में आयोजित नए मंत्रिमंडल की पहली बैठक के दौरान इस निर्णय की घोषणा की गई। बैठक में, उन्होंने राजनीतिक सुधार और संस्थागत रीसेट के लिए जेन जी समूह द्वारा उठाई गई लंबे समय से चली आ रही मांग को संबोधित किया। संसद भंग करने के साथ ही आम चुनाव के तारीख की घोषणा कर दी गई है। राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से एक बयान जारी कर कहा गया है कि देश का अगला आम चुनाव 5 मार्च को किया जाएगा।

अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की द्वारा की गई सिफारिश के बाद राष्ट्रपति ने 5 मार्च 2026 को आम चुनाव की घोषणा कर दी है। प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि अगले कुछ दिनों में मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। सदन को भंग कर दिया गया है - राष्ट्रपति ने विघटन को मंजूरी दे दी है। मैंने इसकी सिफारिश की, और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया और हस्ताक्षर किए।

संसद भंग करने के फैसले की निंदा - नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दलों, सीपीएन (यूएमएल) और माओवादी पार्टी ने संसद को भंग करने के फैसले की कड़ी आलोचना की है। माओवादी ने अपने पदाधिकारियों की एक आपातकालीन बैठक बुलाई, जिसमें इस कदम को अस्वीकार्य बताया गया और राजनीतिक स्थिरता के लिए इसके प्रभावों पर चिंता व्यक्त की गई। इस बीच, सीपीएन (यूएमएल) के महासचिव शंकर पोखरेल ने सोशल मीडिया पर इस फैसले की निंदा की। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पहले संसद को भंग करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की आलोचना की थी, वे अब इस विघटन का समर्थन करने कर सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं।

मेयर बालेन शाह ने युवाओं को दी बधाई - काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के मेयर बालेन शाह ने नेपाल में संसद भंग और सत्ता परिवर्तन को संभव कर दिखाने के लिए जेन जी युवाओं को बधाई देते हुए प्रदर्शन के दौरान मारे गए युवाओं को शहीद बताया है। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की नियुक्ति के कुछ ही समय बाद बालेन ने फेसबुक पर लिखा, प्रिय जेन जी, आपके योगदान और बलिदान के कारण देश बदल गया है। बहादुर शहीदों को हार्दिक श्रद्धांजलि।

अपने ही बुने जाल में फंस रहा है अमेरिका, अब विदेश मंत्री रूबियो जाएंगे इजरायल

वाशिंगटन,13 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका की नीतियां खुद अमेरिका के लिए परेशानी का सबब बन रहीं हैं। हाल ही में इजरायल को लेकर अमेरिका अपने ही जाल में फंसता हुआ दिखाई दे रहा है। कतर पर इजरायली हमले के बाद अमेरिका के सामने अपने दोनों सहयोगियों के प्रति बैलेंस बनाने की चुनौती है। इसीलिए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात की और अब वह इजरायल जाने वाले हैं। अमेरिका की भी नीति गाजा को लेकर अस्पष्ट ही रही है। एक तरफ वह इजरायल का खुलकर समर्थन करता है और गाजा पर कब्जे को लेकर प्लान बनाता है। वहीं दूसरी तरफ वह युद्धविराम के लिए मध्यस्थता का भी दावा करता है। रविवार को मार्को रूबियो इजरायल पहुंचने वाले हैं। वह उन लोगों से मुलाकात करेंगे जिनके परिवार के लोगों को हमास ने बंधक बना लिया था। वहीं यूएन में अलग फिलिस्तीनी देश को मान्यता देने को लेकर चल रही बहस के बीच अमेरिका यह भी दिखाना चाहता है कि वह इजरायल के साथ खड़ा है और अलग देश का विरोध करता है। बता दें कि इजरयाल ने दोहा में हमास के सदस्यों को निशाना बनाते हुए हमला कर दिया था। इसमें कतर के भी एक जवान की मौत हो गई थी। इजरायल की इस हरकत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी नाराजगी जताई। बता दें कि रूबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने वाइट हाउस में कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहामन अल थानी से मुलाकात की। इके बाद डोनाल्ड ट्रंप के विशेष राजदूत स्टीव विटकॉफ ने उनके साथ डिनर किया। बता दें कि इजरायल ने कतर की राजधानी में तब हमला किया जब अमेरिका के ही युद्धविराम के प्रस्ताव पर बात करने के लिए हमास के लीडर इकट्ठे हुए थे। हमास और इजरायल के बीच युद्धविराम को लेकर अमेरिका और कतर मध्यस्थता कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने इस हमले से खुद को दूर किया था। वहीं यूएन में इजरायल के खिलाफ निंदा प्रस्ताव में अमेरिका भी शामिल था। बंधकों के परिवारों से मिलने के साथ ही मार्को रूबियो इजरायली अधिकारियों के साथ गाजा पर आगे की योजना को लेकर चर्चा करेंगे। इसके अलावा वह पुरातात्विक स्थानों के लिए प्रसिद्ध सिटी ऑफ डेविड का भी दौरा करेंगे। वहीं कतर के प्रधानमंत्री ने कहा है कि दोहा में हमास के नेताओं पर किए गए हमले से इजराइल के नेताओं ने दिखा दिया है कि उन्हें गाजा पट्टी में बंधक बना कर रखे गए लोगों की कोई परवाह नहीं है। कतर के प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपातकालीन बैठक में यह बात कही।

नासा ने चीनी नागरिकों की भौतिक और साइबर सुरक्षा को किया सीमित

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने चीनी नागरिकों के खिलाफ आंतरिक सुरक्षा के तहत कड़ा कदम उठाया है। नासा ने चीनी नागरिकों की भौतिक और साइबर सुरक्षा को सीमित कर दिया है। इसमें नासा की सुविधाएं, अनुसंधान सामग्री और नेटवर्क शामिल हैं, जिन पर अब चीनी नागरिकों की पहुंच नहीं होगी। दरअसल नासा अब वो उन चीनी नागरिकों को अपने कार्यक्रमों से बाहर कर रहा है, जिनके पास वीजा तो वैध है लेकिन उन्हें आईटी एक्सेस मिल रहा था। इस कदम ने अमेरिका और चीन की अंतरिक्ष में होड़ को और ज्यादा बढ़ा दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नासा की प्रवक्ता बेथनी स्टीवंस ने कहा है कि सुरक्षा की दृष्टि से चीनी नागरिकों को संस्थागत रूप से नासा में फिजिकल एंट्री, साइबरनेटिक सुविधाएं, नेटवर्क और सामग्री संबंधी पहुंच से प्रतिबंधित किया है। यह फैसला स्पेस एजेंसी की आंतरिक सुरक्षा और यहां होने वाले रिसर्च वर्क की संवेदनशील प्रकृति को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। पहले चीनी नागरिक कॉन्ट्रैक्टर्स या छात्रों के रूप में नासा प्रोजेक्ट्स में काम कर सकते थे, बशर्ते वे कर्मचारी न हों। स्पेस सेंटर में नहीं मिलेगी एंट्री, अब अमेरिका-चीन में बढ़ेगी अंतरिक्ष होड़ रिपोर्ट के मुताबिक 5 सितंबर से कुछ चीनी नागरिकों ने बताया था कि उन्हें अचानक आईटी सिस्टम्स से बाहर कर दिया और उन्होंने इन-पर्सन बैठकों में भाग नहीं लिया। यह कदम उस समय उठाया गया है जब ट्रंप प्रशासन की चीन के प्रति नीति और रुख ज्यादा कड़ा है।

परमाणु हथियारों को लेकर किम जोंग उन के खतरनाक इरादे

प्योंगयांग,13 सितंबर (एजेंसियां)।

परमाणु हथियों को लेकर पूरी दुनिया में होड़ लगी है। हर एक देश परमाणु शक्ति संपन्न होना चाहता है। इसी कड़ी में उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी की जल्द ही अहम बैठक होनी है। इसमें प्योंगयांग अपने परमाणु हथियारों और सैन्य ताकत को बढ़ाने की नीति पेश करेगा। सरकारी मीडिया के हवाले से ये खबर आई है। 2019 में अमेरिका के साथ शिखर सम्मेलन असफल रहा। इसके बाद से, उत्तर कोरिया बार-बार कह चुका है कि वह अपने परमाणु हथियार कभी नहीं छोड़ेगा।

किम जोंग उन ने इस हफ्ते हथियार अनुसंधान केंद्रों का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्योंगयांग परमाणु ताकत और सशस्त्र बलों को एक साथ बढ़ाने की नीति लाएगा। किम ने देश की पारंपरिक सैन्य ताकत को आधुनिक बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया, हालांकि उन्होंने पार्टी की बैठक की तारीख नहीं बताई। किम को यूक्रेन युद्ध से हिम्मत मिली है, क्योंकि उन्होंने रूस को हजारों उत्तर कोरियाई सैनिक भेजकर उसका समर्थन हासिल किया है। पिछले साल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर कोरिया का दौरा किया था। इस दौरान मॉस्को और प्योंगयांग ने आपसी रक्षा समझौता भी किया था। सियोल ने बार-बार चेतावनी दी कि रूस प्योंगयांग को और समर्थन दे रहा है, जिसमें रूसी सैन्य तकनीक का हस्तांतरण भी शामिल हो सकता है। इसके बदले में उत्तर कोरिया यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद कर रहा है।

रुस में भूकंप के फिर जबरदस्त झटके, 7.4 की तीव्रता से हिली धरती, सुनामी की चेतावनी

मॉस्को,13 सितंबर (एजेंसियां)।

आए दिन दुनिया में कहीं न कहीं भूकंप के झटके लग रहे हैं। अफगानिस्तान में तो सैकड़ों लोगों की जान चली गई और वहां भारी नुकसान हुआ है। शनिवार को रुस में भी भूकंप ने काफी डरा दिया है। यहां कमचटका प्रायद्वीप के पूर्वी तट के पास शनिवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, इस क्षेत्र में रिक्टर पैमाने पर 7.4 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया है। इसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप रूसी शहर पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से 111 किलोमीटर (69 मील) पूर्व में कामचटका क्षेत्र के प्रशासनिक केंद्र में, 39.5 किलोमीटर की गहराई पर आया। भूकंप के बाद, कामचटका क्षेत्र के स्थानीय अधिकारियों ने सुनामी की चेतावनी जारी की। भूकंप के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए, जिनमें तेज झटकों की स्थिति दिखाई दी। कुछ वीडियो में फर्नीचर जोर-जोर से हिलता नजर आया, जबकि अन्य में कमचटका क्षेत्र के इमारतों में डर और नुकसान के दृश्य दिखे। स्थानीय खबरों के अनुसार बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है, हालांकि पूरा आकलन अभी जारी है। यह भूकंप अवाचा खाड़ी के निकट आया, जो प्रशांत अग्नि वलय के साथ स्थित होने के कारण अपनी भूकंपीय गतिविधि के लिए जाना जाता है, जो विश्व के सर्वाधिक सक्रिय टेक्टोनिक क्षेत्रों में से एक है। कामचटका क्षेत्र के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने बताया कि सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि समुद्र तट और सुनामी के खतरे वाले अन्य क्षेत्रों में जाते समय विशेष रूप से सावधान रहें। गवर्नर ने लोगों से शांति बनाए रखने और आधिकारिक स्रोतों से मिलने वाली जानकारी पर नजर रखने की सलाह दी। इस बीच, जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के हवाले से बताया कि कामचटका में भूकंप से जापान के तट पर मामूली ज्वारीय उतार-चढ़ाव हो सकता है, लेकिन देश में भूकंप से नुकसान का कोई खतरा नहीं है। रूसी मीडिया के अनुसार, यह भूकंप 30 जुलाई को कामचटका में आए 8.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद आए झटकों की श्रृंखला का हिस्सा था। जुलाई में आए शक्तिशाली भूकंप ने प्रशांत महासागर के कुछ हिस्सों में सुनामी की चेतावनी जारी कर दी थी। यूएसजीएस ने चेतावनी दी थी कि भूकंप के तीन घंटे के भीतर रूस और जापान के तटीय इलाकों में खतरनाक सुनामी लहरें पहुंच सकती हैं। भूकंप 19.3 किलोमीटर (12 मील) की कम गहराई पर दर्ज किया गया था, जिससे जमीन पर तेज झटके और संभावित सुनामी लहरों का खतरा बढ़ गया था। प्रभावित क्षेत्रों के तटीय निवासियों से ऊंचे स्थानों पर चले जाने और स्थानीय आपातकालीन प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया गया है।

अमृत संजीवनी के मालिक शुक्र आज सिंह राशि में करेंगे प्रवेश

दैत्यों के गुरु, भाग्य के कारक और समस्त प्रकार के भौतिक सुखों को प्रदान करने वाले शुक्र देव 14 सितंबर की मध्य रात्रि पश्चात 00:16 मिनट पर कर्क राशि की यात्रा समाप्त करके सिंह राशि में प्रवेश कर रहे हैं। यह इस राशि में 09 अक्टूबर तक विराजमान रहेंगे। इसके बाद कन्या राशि में गोचर कर जाएंगे। शुक्र ग्रह को भोग विलास, सुख-सुविधा, प्रेम, विलासिता जैसा कारकों के लिए जाना जाता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि 14 सितंबर को शुक्रदेव कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। शुक्र के राशि परिवर्तन से राशि चक्र की सभी राशियों पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा। शुक्र के राशि परिवर्तन का प्रभाव कुछ राशियों के लिए लाभकारी साबित होगा। शुक्र एक राशि में लगभग 23 दिनों तक रहते हैं इसके बाद वह फिर से राशि परिवर्तन करते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शुक्र का गोचर बहुत अहम माना जाता है क्योंकि यह वैवाहिक जीवन सौंदर्य सुख विलासिता आदि के कारक ग्रह माने जाते हैं। शुक्र के गोचर के प्रभाव सभी राशियों पर देखने को मिलेगा। कुछ राशियों के लिए शुक्र का गोचर जीवन में उतार-चढ़ाव लेकर आएगा तो कुछ राशियों के जीवन में अच्छे दिन आएंगे।

वैदिक ज्योतिष में शुक्र ग्रह को एक शुभ ग्रह माना गया है। इसके प्रभाव से व्यक्ति को भौतिक, शारीरिक और वैवाहिक सुखों की प्राप्ति होती है। इसलिए ज्योतिष में शुक्र ग्रह को भौतिक सुख, वैवाहिक सुख, भोग-विलास, शोहरत, कला, प्रतिभा, सौन्दर्य, रोमांस, काम-वासना और फैशन-डिजाइनिंग आदि का कारक माना जाता है। शुक्र वृषभ और तुला राशि का स्वामी होता है और मीन इसकी उच्च राशि है, जबकि कन्या इसकी नीच राशि कहलाती है। शुक्र को 27 नक्षत्रों में से भरणी, पूर्वा फाल्गुनी और पूर्वाषाढ़ा नक्षत्रों का स्वामित्व प्राप्त है। ग्रहों में बुध और शनि ग्रह शुक्र के मित्र ग्रह हैं और तथा सूर्य और चंद्रमा इसके शत्रु ग्रह माने जाते हैं।

शुक्र के पास अमृत संजीवनी

अमृत संजीवनी के मालिक शुक्र पृथ्वी के साथ हैं और शुक्र के पास अमृत संजीवनी है। प्राकृतिक आपदा और अप्रिय घटनाएं जन शून्य स्थानों पर होने की संभावना अधिक है। शुक्र अमृत संजीवनी के कारण संक्रमण और दुर्घटना के शिकार लोगों को बचाने में सफल रहेंगे।

शुक्र का शुभ-अशुभ प्रभाव

शुक्र के राशि परिवर्तन से कानूनी मामलों में वृद्धि होगी। देश की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ रहेगा। खाने की चीजों की कीमतें सामान्य रहेंगी। सब्जियां, तिलहन और दलहन की कीमतें कम होंगी। भौतिक सुख और वैवाहिक सुख में वृद्धि होगी। मशीनरी समान महंगे हो सकते हैं। व्यापार में तेजी रहेगी। सोने चांदी के भाव में वृद्धि होगी। दूध से बनी चीजों का उत्पादन बढ़ सकता है। सुख-सुविधाओं की चीजों में बढ़ोत्तरी भी हो सकती है। आय में बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही राजनीति में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। शुक्र के अशुभ प्रभाव से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी होती है।

शुक्र ग्रह के उपाय

लक्ष्मी माता की उपासना करें। सफेद वस्त्र दान करें। भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कौवे और कुत्ते को दें। शुक्रवार का व्रत रखें और उस दिन खटाई न खाएं। चमकदार सफेद एवं गुलाबी रंग का प्रयोग करें। श्री सूक्त का पाठ करें। शुक्रवार के दिन दही, खीर, ज्वार, इत्र, रंग-बिरंगे कपड़े, चांदी, चावल इत्यादि वस्तुएं दान करें।

शुक्र के गोचर से सभी राशियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

मेष राशि–विद्यार्थियों और प्रतियोगिता में बैठने वाले छात्रों के लिए तो यह समय अतिउत्तम है। किसी भी तरह की सरकारी सर्विस के लिए आवेदन करना हो अथवा नए अनुबंध पर हस्ताक्षर करना हो तो परिणाम सुखद रहेगा। प्रेम संबंधी मामलों में प्रगाढ़ता आएगी।

वृषभ राशि–जमीन जायदाद से जुड़े मामले हल होंगे। मकान अथवा वाहन प्राप्ति का भी योग। मित्रों तथा संबंधियों से भी सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। विदेशी कंपनियों में सर्विस अथवा नागरिकता के लिए प्रयास करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी समय बेहतरीन रहेगा। नए लोगों से मेलजोल बढ़ेगा।

मिथुन राशि–धर्म और आध्यात्म में भी रुचि रहेगी। धार्मिक ट्रस्टों तथा अनाथालय आदि में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे और दान पुण्य करेंगे। परिवार में छोटे भाइयों से मतभेद बढ़ने न दें। अपनी रणनीतियां तथा योजनाओं को गोपनीय रखते हुए कार्य करेंगे तो अधिक सफल रहेंगे।

कर्क राशि–आय के स्रोत भी बढ़ेंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से दाहिनी आंख से संबंधित समस्या से सावधान रहें। कार्यक्षेत्र में षड्यंत्र का शिकार होने से बचें और कोर्ट कचहरी से संबंधित मामले भी आपस में सुलझा लेना समझदारी रहेगी। पैतृक संपत्ति संबंधी विवाद हल होंगे। परिवार में मांगलिक कार्यों का सुअवसर आएगा।

सिंह राशि–कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। कोई भी नया कार्य आरंभ करना हो या साझा व्यापार करना हो तो उस दृष्टि से भी यह अवसर बेहतर रहेगा। शासन सत्ता का भी पूर्ण सहयोग मिलेगा। माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहें। मकान अथवा वाहन का क्रय करना चाह रहे हों तो भी समय उत्तम है।

कन्या राशि–यात्रा देशाटन का लाभ मिलेगा। विदेशी मित्रों तथा संबंधियों से भी सुखद समाचार प्राप्ति के योग। विद्यार्थी वर्ग विदेश में पढ़ाई करने के लिए जाने का प्रयास कर रहे हों तो उस दृष्टि से ग्रह गोचर अनुकूल रहेगा। विवादित मामले कोर्ट से बाहर ही सुलझाएं।

तुला राशि–अपनी ऊर्जाशक्ति का सदुपयोग करेंगे तो पूर्ण सफल रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम संबंधी मामलों में प्रगाढ़ता आएगी। प्रेम विवाह भी करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी ग्रह गोचर अनुकूल रहेगा। नव दंपति के लिए संतान प्रादुर्भाव का भी योग।

वृश्चिक राशि–जमीन जायदाद से जुड़े मामले हल होंगे। मकान अथवा वाहन का क्रय करना चाह रहे हों तो भी ग्रह स्थितियां अनुकूल रहेगी। मित्रों तथा संबंधियों से सुखद समाचार प्राप्ति के योग। इस अवधि के मध्य यात्रा सावधानी पूर्वक करें और सामान चोरी होने से बचाएं।

धनु राशि–यात्रा देशाटन का लाभ मिलेगा। किसी दूसरे देश के लिए वीजा आदि का आवेदन करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी ग्रह-गोचर अनुकूल रहेगा। धर्म और आध्यात्म में रुचि बढ़ेगी यहां तक कि धार्मिक ट्रस्टों और अनाथालय आदि में भी बढ़कर हिस्सा लेंगे और दान पुण्य करेंगे। योजनाएं गोपनीय रखें और कार्य में लगे रहें।

मकर राशि–कार्यक्षेत्र में षड्यंत्र का शिकार होने से बचें। धोखाधड़ी से भी बचें। आपके अपने ही लोग नीचा दिखाने की कोशिश कर सकते हैं सावधान रहें। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। विषमताओं के बावजूद कहीं न कहीं आपके लिए सामाजिक सम्मान अथवा पुरस्कार की घोषणा हो सकती है।

कुंभ राशि–दांपत्य जीवन में भी मधुरता आएगी। ससुराल पक्ष से सहयोग मिलेगा। केंद्र अथवा राज्य सरकार के विभागों में किसी भी तरह के टेंडर आदि के लिए आ-वेदन करना हो तो उस दृष्टि से भी ग्रह स्थितियां अनुकूल रहेंगी। नए लोगों से मेल-जोल बढ़ेगा। परिवार में नए मेहमान के आगमन से माहौल खुशनुमा रहेगा।

मीन राशि –यात्रा देशाटन का तो लाभ मिलेगा ही विलासिता पूर्ण वस्तुओं पर अधिक खर्च होगा। उच्चाधिकारियों से मतभेद बढ़ने न दें। विवाह संबंधी वार्ता में थोड़ा और समय लगेगा। अत्यधिक खर्च के कारण आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ सकता है इसलिए अपव्यय से बचें।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

गजकेसरी राजयोग से निम्न राशियों के जीवन में आएगा बदलाव

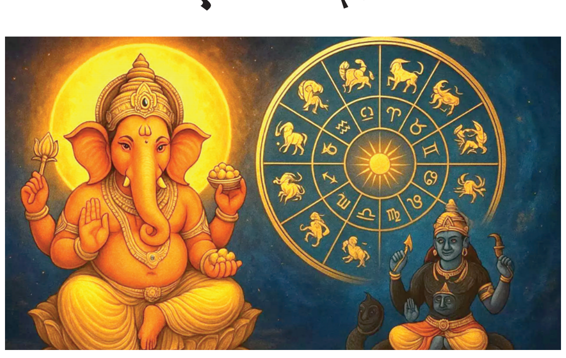

वैदिक ज्योतिष में चंद्रमा को सबसे महत्वपूर्ण ग्रह माना जाता है। सभी नौ ग्रहों में चंद्रमा को सबसे तेज गति से चलने वाला ग्रह माना जाता है। चंद्रमा एक राशि में करीब ढाई दिनों तक रहते हैं फिर इसके बाद दूसरी राशि में गोचर करते हैं। चंद्रमा के ढाई दिनों में राशि बदलने के कारण इसकी किसी न किसी ग्रह के साथ युति जरूर पड़ती है। जिसके कारण कई तरह के राजयोगों का निर्माण होता है। ऐसा ही कुछ योग 14 सितंबर को चंद्रमा के मिथुन राशि में गोचर करने से होगा। जिसके चलते पहले से मिथुन राशि में मौजूद देवगुरु बृहस्पति के साथ युति बनेगी।

ज्योतिष में चंद्रमा-गुरु की युति को बहुत ही अच्छा माना जाता है। इन दोनों की ग्रहों की युति से शक्तिशाली और शुभ गजकेसरी राजयोग का निर्माण होता है। गजकेसरी राजयोग बनने से सभी 12 राशियों पर कुछ न कुछ शुभ प्रभाव अवश्य देखने को मिलेगा, लेकिन सबसे ज्यादा इन राशि वालों को लाभ मिलने की संभावना है।

मिथुन राशि –आपकी राशि के लग्न भाव में ही गजकेसरी राजयोग का निर्माण 14 सितंबर से लेकर 17 सितंबर तक रहेगा। मिथुन राशि वालों को इस दौरान कई तरह की खुशियां और शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। इस शुभ योग के प्रभाव के चलते आपके आत्मविश्वास और मान-सम्मान में वृद्धि देखने को मिलेगा। आपको कार्य में सफलता मिलेगी जो काम पिछले कई दिनों से अधूरे थे वह अब पूरे होंगे। आर्थिक लाभ की अच्छी संभावना है। नौकरी की तलाश करने वाले जातकों को कोई अच्छी नौकरी मिल सकती है। आपके लक्ष्य इस दौरान पूरे होंगे। लोग विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाह रहे हैं उनके लिए नए तरह के अवसर मिलेंगे।

सिंह राशि – इस माह मिथुन राशि में बना गजकेसरी राजयोग सिंह राशि वालों के लिए कुछ विशेष तरह की उपलब्धियों की तरफ संकेत हैं। गुरु-चंद्रमा की युति से बना गजकेसरी राजयोग आपके कार्यक्षेत्र में आपको नए तरह के मुकाम दिला सकता है। इस दौरान कोई महत्वपूर्ण काम बनने से आपको काफी राहत महसूस होगी। आपके मान-सम्मान और आत्मविश्वास में वृद्धि देखने को मिलेगी। जो लोग किसी काम को पूरा करने में काफी दिनों से प्रयासरत थे उनको इसमें सफलता मिल सकती है। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और अतिरिक्त धन लाभ के अवसर भी मिलेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा। आपके करियर में स्थिरता रहेगी।

तुला राशि – मिथुन राशि में चंद्रमा और गुरु की युति होने से बना गजकेसरी राजयोग तुला राशि वालों के भाग्य में वृद्धि के संकेत है। इस दौरान आपके करियर-कारोबार में अच्छी प्रगति देखने को मिलेगी। नौकरी में एक से बढ़कर एक बेहतरीन अवसर आपको मिलेंगे और व्यापार में अच्छी तरक्की देखने को मिलेगी। इस दौरान आपको कोई बड़ा पुरस्कार भी मिल सकता है। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। इस दौरान आपको अपने शत्रुओं पर विजय हासिल होगी।

जितिया व्रत के दिन क्या करें और क्या न करें

इन नियमों का ध्यान रखने से व्रत का पूर्ण फल होगा प्राप्त

जितिया व्रत हर साल आश्विन मास में कृष्ण पक्ष की सप्तमी वृद्धा अष्टमी तिथि पर रखा जाता है। इस व्रत का बहुत खास महत्व होता है। भविष्य पुराण के अनुसार, जितिया व्रत करने से संतान की आयु लंबी होती है। इस कठिन व्रत को करने के कई नियम होते हैं, जिनका ख्याल रखना जरूरी होता है। इस दिन कुछ कार्य करने और न करने से आपका व्रत अधूरा रह सकता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि नहाय खाय से लेकर व्रत के पारण तक व्रती महिलाओं को किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

एक दिन पूर्व से करें नियमों का पालन

इस बार जितिया व्रत 14 सितंबर, रविवार के दिन रखा जाएगा और इसका पारण 15 सितंबर को होगा। व्रत करने वाली महिलाओं को एक दिन पहले से तामसिक भोजन छोड़ देना चाहिए। ऐसे में नहाय खाय के दिन लहसुन, प्याज आदि चीजों का प्रयोग खाने में नहीं करना चाहिए।

जितिया व्रत में नहाय खाय के नियम

नहाय खाय के दिन महिलाएं नदी या तालाब में स्नान करती हैं और फिर, झिमनी के पत्तों पर सरसों के तेल की खली को रखकर जीमूतवाहन भगवान की पूजा करती हैं। ऐसा संभव न होने पर आप घर में भी स्नान कर सकती हैं। वहीं, झिमनी के पत्ते न उपलब्ध हो पाने पर केले के पत्तों का प्रयोग किया जा सकता है। विधि-विधान से पूजा करने के पश्चात व्रती महिलाओं को तेल अपनी संतान के सिर पर आशीर्वाद के रूप में लगाना चाहिए।

नहाय खाय के दिन क्या करें, क्या न करें

सप्तमी तिथि यानी आज दिन के समय कई स्थानों पर मडुआ की रोटी और मछली खाने की परंपरा होती है। वहीं, जिनके यहां मांसाहार नहीं बनता है, वो व्रती महिलाएं सात्विक भोजन ग्रहण करती हैं। सप्तमी तिथि के दिन ज्यादा हैवी और ऑयली खाना खाने से बचना चाहिए। क्योंकि यह व्रत बेहद लंबा होता है। ऐसे में व्रत रखने में आपको समस्या आ सकता है। खाना खाने के बाद अच्छी तरह दांत साफ करने चाहिए ताकि दांत में अन्न का कोई टुकड़ा न बचे।

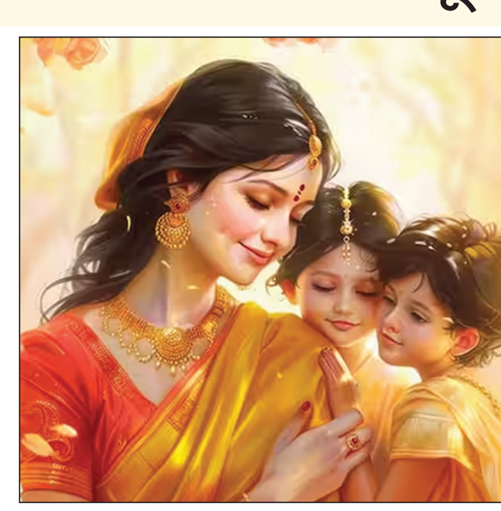

जितिया व्रत ओठगन के नियम

इस बार अष्टमी तिथि 14 सितंबर को पड़ रही है। इस दिन सूर्योदय से पहले यानी ब्रह्म मुहूर्त में जितिया ओठगन रहेगा। इस दौरान व्रती महिलाएं चूड़ा, दही, पानी, नारियल पानी आदि ग्रहण कर सकती है। भोजन करने के बाद अपने शरीर को दरवाजे से टिकाकर पानी ग्रहण किया जाता है। माना जाता है कि इससे भाइयों की आयु भी लंबी होती है।

जितिया व्रत और पारण के नियम

ओठगन के बाद महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखती हैं। इस दौरान अन्न का एक दाना भी ग्रहण नहीं किया जाता है और न ही दातुन किया जाता है। इसके बाद, नवमी तिथि जो इस बार 15 सितंबर, रविवार को पड़ रही है। इस दिन सुबह 6 बजकर 35 मिनट पर अष्टमी तिथि समाप्त हो जाएगी। जिसके पश्चात विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए और फल, नारियल, अकड़ी आदि को ढककर रखना चाहिए। अपनी संतान से कपड़ा हटवाने के बाद प्रसाद ग्रहण करके व्रत का पारण करना चाहिए। साथ ही, इस दिन आम दतुअन से दातुन करने का विधान होता है।

कथाओं के अनुसार, व्रत का पारण गाय के कच्चे दूध से किया जाता है। कहा जाता है कि चील ने जितिया व्रत रखने के बाद गउशाला से गाय का कच्चा दूध लाकर इस व्रत का पारण किया था। ऐसी मान्यता भी है कि व्रती को व्रत वाले दिन खाना बनाना नहीं चाहिए और न सिलाई-बुनाई का काम करना चाहिए।

जितिया व्रत में आधी रात को क्यों खाते हैं दही-चूड़ा?

जितिया व्रत यूपी, बिहार और झारखंड में विशेष तौर पर माताएं अपने बच्चों की सुख-समृद्धि और सलामती के लिए रखती हैं। इस व्रत में महिलाओं को निर्जला उपवास रखना होता है यानी कि, दिनभर बिना जल के रहना होता है, जो इस व्रत की विशेषता भी है।

इस कारण व्रत शुरू होने से पहले माताएं नहाय खाए और फिर सप्तमी की अर्ध रात्रि को दही चूड़ा खाने की परंपरा को निभाती हैं। आइए जानते हैं आखिर आधी रात को दही चूड़ा क्यों खाया जाता है?

जितिया व्रत में अर्ध रात्रि को दही चूड़ा पौष्टिकता के साथ साथ पचने में भी हल्का होता है। दही के सेवन से शरीर को ठंडक और चूड़े से पर्याप्त मात्रा में कार्बोहाइड्रेट मिलता है, जिसके कारण अगले दिन व्रती महिलाओं को निर्जला उपवास रखनी की शक्ति प्राप्त होती है।

दही में जलांश की मात्रा अधिक होती है, जो पेट को लंबे समय तक शांत और ठंडा रखता है। इससे अगले दिन भूख-प्यास ज्यादा नहीं लगती है।

जितिया व्रत मुख्यत भाद्रपद या आश्विन माह में आता है, जब ये मौसम धान कटाई का भी होता है। ऐसे में चावल और चूड़ा जैसे खाद्य पदार्थ आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। कहने का मतलब जितिया व्रत में दही चूड़ा खाने की परंपरा केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, मौसम और व्यावहारिकता से भी जुड़ी हुई है।

जब माताएं जितिया का व्रत करती हैं, तो उपवास रखने से पहले और पारण के समय खाने-पीने की कुछ खास परंपराएं भी निभाई जाती है।

नहाय खाय (व्रत से एक दिन पहले)

अरवा का चावल, कद्दू, झींगा, मूली, अरबी जैसी सब्जियां, दाल, देसी घी, व्रत की रात (सप्तमी की अर्ध रात्रि), दही-चूड़ा

क्षेत्रीय विभिन्नता के कारण कई जगह दूध-चूड़ा या गुड़ के साथ दही चूड़ा का सेवन किया जाता है। यह भोजन हल्का होने के साथ लंबे समय तक ऊर्जा देने वाला भी माना जाता है।

अष्टमी के दिन (व्रत के दिन)

व्रती महिलाएं पूरे दिन निर्जला उपवास रखती है।

माताएं पूजा-पाठ करने के बाद जीउतिया की कथा सुनती हैं और निर्जला व्रत रखती हैं।

व्रत का पारण नवमी तिथि को

इस दिन खास तरह के पकवान बनाएं जाते हैं।

पूड़ी, कचौड़ी, दाल-भात

कद्दू-झींगा, नोनिया का साग, मूली की सब्जी

मीठे में ठेकुआ, खीर और गुड़ की मिठाईयां

कई जगहों पर मछली भात (चावल) भी खाया जाता है।

जितिया या जीवित्पुत्रिका व्रत किन महिलाओं को नहीं रखना चाहिए

जितिया व्रत रविवार, 14 सितंबर 2025 को रखा जाएगा। इसे जिउतिया या जीवित्पुत्रिका व्रत के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू धर्म में छठ पूजा के बाद इसे सबसे कठिन व्रत माना जाता है, जिसमें माता निर्जला व्रत रखकर संतान की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना करती हैं।

जितिया व्रत का विशेष धार्मिक महत्व होता है। इस व्रत के नियम पूरे तीन दिनों तक चलते हैं। जिसमें नहाय-खाय, निर्जला व्रत और पारण शामिल है। मान्यता है कि इस व्रत को रखने से संतान के जीवन पर कोई खतरा नहीं रहता और हर क्षेत्र में उसे सफलता मिलती है।

वैसे तो हर माता के लिए जितिया का व्रत रखना बहुत शुभ होता है। लेकिन कुछ महिलाओं को यह व्रत रखने से बचना चाहिए। इसलिए यह जान लीजिए किन महिलाओं को जितिया का व्रत नहीं रखना चाहिए।

ऐसी महिलाएं न रखें जितिया व्रत

गर्भवती महिलाएं– जो महिलाएं गर्भवती हैं, उन्हें यह व्रत नहीं रखना चाहिए। इसका कारण यह है कि जितिया का व्रत निर्जला यानी अन्न-जल ग्रहण किए बिना रखा जाता है। गर्भावस्था में जितिया व्रत रखना गर्भवती महिला और गर्भस्थ शिशु की सेहत के लिए नुकसान दायक हो सकता है। इसलिए आप जितिया व्रत न रखकर केवल विधि-विधान से पूजा कर अपने शिशु के लिए कामना कर सकती हैं।

निसंतान महिला– जितिया का संतान की रक्षा, खुशहाली और लंबी उम्र के लिए रखा जाता है। ऐसे में जिन महिलाओं को संतान नहीं है, उन्हें यह व्रत नहीं रखना चाहिए। धार्मिक मान्यता के अनुसार वैसे तो निसंतान महिला को जितिया व्रत नही रखना चाहिए। लेकिन विभिन्न क्षेत्रों की परंपराओं में अंतर होता है। कुछ जगहों पर बड़े-बुजुर्ग जितिया व्रत रखने की सलाह देते हैं, जिससे कि महिला की सूनी गोद जल्दी भर जाए। आप जितिया व्रत करने से पहले अपने घर बड़े-बुजुर्गों की सलाह जरूर लें।

जाने-अनजाने में कुछ खा लेने पर- ऐसी महिलाएं जोकि व्रत रखने का संकल्प ले लेती हैं। लेकिन यदि वह जाने-अनजाने में कुछ खा लेती हैं, तो उन्हें भी जितिया का व्रत नहीं रखना चाहिए। क्योंकि व्रत के दौरान भूल से भी यदि अन्न-जल ग्रहण कर लिया जाए तो इससे व्रत खंडित माना जाता है।

हिंदी : भारतीय अस्मिता का प्रतीक और एकता का सूत्र

हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि भारतीय अस्मिता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। यह हमारी परंपराओं, मूल्यों और विविधताओं को जोड़ने वाली वह कड़ी है, जो भारत की आत्मा को अभिव्यक्त करती है। संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया और उसी दिन की याद में हिंदी दिवस मनाया जाता है। यह अवसर हमें हिंदी की शक्ति और हमारे जीवन में उसकी अनिवार्यता का स्मरण कराता है।

आज हिंदी विश्व की प्रमुख भाषाओं में गिनी जाती है। करोड़ों लोग इसे अपनी मातृभाषा या संपर्क भाषा के रूप में बोलते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया ने इसकी पहुँच को और व्यापक बनाया है। हिंदी ने सिद्ध किया है कि वह आधुनिकता और तकनीक के साथ कदमताल कर सकती है और विज्ञान व प्रौद्योगिकी जैसे जटिल विषयों को भी सरल भाषा में प्रस्तुत करने की क्षमता रखती है।

विज्ञान और तकनीकी लेखन में हिंदी की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यदि वैज्ञानिक और तकनीकी जानकारी केवल अंग्रेज़ी में सीमित हो, तो समाज का एक बड़ा वर्ग उससे वंचित रह जाता है। हिंदी के माध्यम से विज्ञान को जन-जन तक पहुँचाना संभव है। तकनीकी शब्दावली के हिंदी रूपों का प्रयोग और प्रशिक्षण इस दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम हैं। इससे राष्ट्र की वैज्ञानिक चेतना सशक्त होगी।

मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) एक तकनीकी संगठन है। यहाँ राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उच्च तकनीकी कार्यों और 'ग' क्षेत्र में स्थित होने की चुनौतियों के बावजूद मिधानि

परिवार ने यह सिद्ध किया है कि यदि आत्मीयता और प्रतिबद्धता हो, तो हिंदी प्रशासनिक और तकनीकी दोनों कार्यों की सक्षम भाषा बन सकती है। हमारे लिए हिंदी केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी है। हिंदी में कार्य करना प्रक्रियाओं को सरल बनाता है और संगठन में आत्मीयता तथा सहयोग का वातावरण निर्मित करता है।

हिंदी दिवस और विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर मिधानि में विविध प्रतियोगिताएँ और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इससे कर्मचारियों में न केवल भाषा के प्रति आत्मीयता बढ़ती है, बल्कि साहित्यिक और रचनात्मक अभिव्यक्ति को भी प्रोत्साहन मिलता है। कर्मचारियों को हिंदी भाषा और टंकण का प्रशिक्षण दिया जाता है। श्रेष्ठ कार्य के लिए उन्हें प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत सम्मानित किया जाता है। यह दर्शाता है कि हिंदी मिधानि की कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है।

हिंदी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हिंदी हमारी पहचान है और इसे आत्मीयता से अपनाना हमारा दायित्व है। मुझे विश्वास है कि हिंदी आने वाले समय में और अधिक सशक्त, आधुनिक और वैश्विक भाषा के रूप में प्रतिष्ठित होगी। मिधानि परिवार यह संकल्प लेता है कि राजभाषा हिंदी को प्रशासनिक, तकनीकी और वैज्ञानिक कार्यों में और अधिक गति प्रदान की जाएगी, ताकि यह भाषा केवल परंपरा का नहीं, बल्कि भविष्य की प्रगति का भी आधार बने। भारतेंदु हरिश्चंद्र के शब्दों में कहा जा सकता है कि निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल,बिनु निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल ।अँग्रेजी पढ़ि के जदपि, सब गुन होत प्रवीन,पै निज भाषा-ज्ञान बिन, रहत हीन के हीन।

– डॉ. एस.वी.एस नारायण मूर्ति
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मिधानि

नराकास (उपक्रम) और ईसीआईएल : राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्टता का प्रतीक

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद और इसके समन्वय कार्यालय इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) ने राजभाषा कार्यान्वयन को परियोजना प्रबंधन के रूप में साकार कर एक अनूठा कीर्तिमान स्थापित किया है। नराकास (उपक्रम) ने विगत कई वर्षों से राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त करने की गौरवशाली परंपरा कायम रखी है। पिछले वर्ष समिति ने अखिल भारतीय स्तर पर 'ग' क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि इस वर्ष 'उत्कृष्ट श्रेणी नराकास' पुरस्कार हासिल कर अपनी उत्कृष्टता को और सुदृढ़ किया है।

नराकास (उपक्रम) राजभाषा अधिनियम, नियमों और संवैधानिक प्रावधानों का पालन करते हुए 'विकसित भारत 2047' की दृष्टि को साकार करने की दिशा में कार्यरत है। समिति मौलिक लेखन, रिकॉर्ड डिजिटलीकरण और प्रौद्योगिकी अनुवाद के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। सभी सदस्य कार्यालयों से प्राप्त राजभाषा संबंधी रिपोर्ट और सूचनाएं डिजिटल प्रारूप में सुरक्षित की जाती हैं।

ईसीआईएल के समन्वय कार्यालय ने राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए एक वार्षिक प्रतियोगिता कैलेंडर तैयार किया है। प्रत्येक माह एक सदस्य कार्यालय में प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिसमें गंभीरता, शुचिता और पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए अन्य सदस्य कार्यालय के अधिकारी को पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य समय प्रबंधन, प्रोटोकॉल, आयोजन प्रबंधन और सामान्य व्यवस्थाओं से संबंधित योजनाओं को सीखने का अवसर प्रदान करना है।

ईसीआईएल प्रत्येक वर्ष 12 प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है, जिनमें अनुवाद, सुलेख, श्रुतलेख, शब्दावली, टिप्पण और आलेखन, वाक्, कंप्यूटर पर हिंदी शब्द संसाधन, अंत्याक्षरी, 'अतीत की स्मृतियों के झरोखे से', एक भारत-श्रेष्ठ भारत, राजभाषा नीति प्रश्नमंच, तकनीकी विषयों पर पेपर प्रस्तुतीकरण और निबंध लेखन प्रतियोगिताएं शामिल हैं। विशेष रूप से 'अतीत की स्मृतियों के झरोखे से' प्रतियोगिता ने सभी का ध्यान आकर्षित किया है, जिसमें प्रतिभागी अपने जीवन के प्रेरक संस्मरण साझा करते हैं, जो अन्य प्रतिभागियों को भाव-विभोर कर देता है। यह अनूठी प्रतियोगिता केवल नराकास (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद में आयोजित की जाती है।

डॉ. राजनारायण अवस्थी
सदस्य-सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) हैदराबाद-सिकंदराबाद

ईसीआईएल का समन्वय कार्यालय प्रौद्योगिकी अनुवाद, भाषा प्रौद्योगिकी और प्रकाशन कौशल के क्षेत्र में उत्कृष्टता का केंद्र है। यहां की राजभाषा टीम प्रकाशन कौशल, प्रौद्योगिकी अनुवाद और मशीन अनुवाद में सिद्धहस्त है। यह टीम प्रतियोगिताओं, प्रशिक्षण और क्षमता संवर्धन पर निरंतर कार्यरत है।

आगामी योजनाओं में संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण प्रश्नावली पर संभावित प्रश्नों के सटीक और तथ्यपरक उत्तर तैयार करने, धन्यवाद ज्ञापन पर प्रभावशाली प्रशिक्षण, पत्रिका संपादन कौशल पर व्यावहारिक प्रशिक्षण और तकनीकी लेख लेखन पर विशेष प्रशिक्षण शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, पैनेल डिस्कशन के माध्यम से संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण में विशेषज्ञता रखने वाले अधिकारियों को आमंत्रित करने की योजना है।

नराकास (उपक्रम) उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालयों को राजभाषा शील्ड, ट्रॉफी और कप से सम्मानित करता है। ईसीआईएल स्वयं के तत्वावधान में राजभाषा गरिमा पुरस्कार, राजभाषा प्रेरणा पुरस्कार और राजभाषा सौरभ पुरस्कार जैसे सम्मान प्रदान करता है। ये पुरस्कार राजभाषा हिंदी के प्रगामी उपयोग को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) और ईसीआईएल राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और कार्यान्वयन में प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर हैं, जो न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करता है।

आयुर्विज्ञान को हिंदी में जन-जन तक पहुँचाने में NIIMH का अमूल्य योगदान

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (NIIMH), हैदराबाद, भारतीय पारंपरिक चिकित्सा की समृद्ध विरासत को संरक्षित और प्रचारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। 3 जून 2024 से, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने NIIMH को पारंपरिक चिकित्सा में मौलिक और साहित्यिक अनुसंधान के लिए सहयोगी केंद्र (CC) के रूप में मान्यता दी है। संस्थान के वैज्ञानिक पारंपरिक चिकित्सा शब्दावली के मानकीकरण और अंतर्राष्ट्रीय रोग वर्गीकरण (ICD-11) के अद्यतन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में थकज का सहयोग कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, NIIMH डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय के अंतर्गत द्रव्यगुण और मौलिक सिद्धांतों में पीएचडी केंद्र के रूप में भी कार्य कर रहा है।

NIIMH की परियोजनाएँ व्यापक और प्रभावशाली हैं। साही पोर्टल के माध्यम से शिलालेखों और ताम्रपत्रों में संरक्षित आयुर्वेदिक ज्ञान को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया जा रहा है। अमर परियोजना के तहत, देवनागरी, संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, गुरुमुखी, शारदा, ग्रंथा, ब्राह्मी, और प्राकृत जैसी लिपियों में लिखित चिकित्सा पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण, संरक्षण और कैटलॉगिंग की जा रही है। इससे प्राचीन ग्रंथों का लिप्यंतरण और अनुवाद संभव हो रहा है, जिससे यह ज्ञान शोधकर्ताओं और जनमानस के लिए सुलभ हो रहा है।

संस्थान को गर्व है कि प्रांतीय भाषाओं के विशाल चिकित्सा साहित्य ने भारत की चिकित्सा संपदा को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। स्वतंत्रता के बाद हिंदी ने देश को एक सूत्र में बाँधने और शोध को जन-जन तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई है। विदेशी शासन, विशेषकर ब्रिटिश काल में, उनकी भाषा को प्राथमिकता दी गई थी, लेकिन आज हिंदी ने अनुसंधान और ज्ञान प्रसार के सेतु के रूप में इस कमी को पूरा किया है।

डॉ. गोली पेंचला प्रसाद, प्रभारी निदेशक, NIIMH, ने कहा कि प्रांतीय भाषाओं के प्रति उदासीनता को दूर करना आवश्यक है। कई शिलालेख और पांडुलिपियाँ अभी भी अप्रकाशित हैं, क्योंकि इनके लिए सटीक लिपि और भाषा विशेषज्ञों की कमी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पारंपरिक ज्ञान को भावी पीढ़ियों तक पहुँचाने और इसके विनाश को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। भाषा और लिपि ज्ञान के संवाहक हैं, जो भारत की संस्कृति और वैज्ञानिक सोच को सशक्त बनाते हैं और राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं।

डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद
प्रभारी निदेशक,
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (NIIMH), हैदराबाद

केंद्र सरकार की हिंदी भाषा नीतियों ने सरकारी कार्यों में एकरूपता लाई है, और राजभाषा के साथ-साथ प्रांतीय भाषाओं के विकास के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (CCRAS) के अंतर्गत संस्थानों के माध्यम से प्राचीन शास्त्रों और पांडुलिपियों के शोध-आधारित तथ्यों को हिंदी और अन्य राष्ट्रीय भाषाओं में जनमानस तक पहुँचाया जा रहा है।

भविष्य में, NIIMH आयुर्विज्ञान से संबंधित जानकारी को लोगों की अपनी भाषा में उपलब्ध कराने के प्रयासों को और सशक्त करेगा। इससे आयुष प्रणाली के प्रति जनसामान्य में जागरूकता और प्रेम बढ़ेगा, जिससे लोग स्वस्थ, निरोगी और आनंदमय जीवन जी सकेंगे।

प्रगति के पथ का सोपान: हिन्दी महाविद्यालय

दक्षिण भारत के हृदय स्थल हैदराबाद में स्थापित हिन्दी महाविद्यालय वर्ष 1961 से अपनी अविराम गतिविधियों और उपलब्धियों के कारण नगरद्वय की शिक्षण संस्थाओं के लिए प्रेरणा स्रोत रहा है। यह संस्था दक्षिण भारत में हिन्दी माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करने का एक अनुपम उदाहरण है।

स्थापना और प्रारंभिक इतिहास

हिन्दी महाविद्यालय की स्थापना हैदराबाद के भूतपूर्व वित्त मंत्री माननीय विनायक राव विद्यालंकार की इच्छाशक्ति और सुप्रसिद्ध समाजसेवी पन्नालाल पित्ती जी के अतुल्य योगदान से हुई। महाविद्यालय भवन का शिलान्यास आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नीलम संजीव रेड्डी के करकमलों से हुआ। संस्थापक प्राचार्य कृष्णदत्त, पूर्व सचिव गंगाराम, खंडेराव कुलकर्णी सहित अनेक हिन्दी सेवियों के निः स्वार्थ समर्पण ने इस संस्था को एक मजबूत नींव प्रदान की।

शैक्षणिक प्रगति और स्वायत्तता

हिन्दी महाविद्यालय को वर्ष 2006 में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन समिति द्वारा मान्यता प्राप्त हुई। वर्ष 2012 में स्वायत्तता प्राप्ति के साथ संस्था ने प्रगति के नए आयाम स्थापित किए। शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 से 2027-28 तक महाविद्यालय को स्वायत्तता का दर्जा प्राप्त है, और वर्ष 2023 में नैक के चतुर्थ चक्र में ग्रेड 'बी' प्राप्त हुआ।

महाविद्यालय ने कला, वाणिज्य, और विज्ञान संकायों में अपनी पहचान बनाई। वर्ष 1969 में वाणिज्य और 1971 में विज्ञान संकाय की शुरुआत हुई। वर्ष 1991 में माननीय राज्यपाल कृष्णकांत के आशीर्वाद से एम.ए. हिन्दी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू हुआ, जिसने उत्तर और दक्षिण भारत को शैक्षिक रूप से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आधुनिक पाठ्यक्रम और तकनीकी प्रगति

छात्रों के चतुर्दिक विकास को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय ने अंग्रेजी माध्यम में बी.एससी. (2007-08) और बी.बी.ए. (2011-12) पाठ्यक्रम शुरू किए। वर्ष 2012-13 में स्वतंत्र परीक्षा विभाग की स्थापना और हिन्दी स्नातकोत्तर विभाग को स्वायत्तता प्राप्त हुई। सभी शैक्षणिक सूचनाएँ वेबसाइट पर उपलब्ध हैं, और परीक्षा विभाग आधुनिक तकनीक से सुसज्जित है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की कौशल विकास योजना के तहत वर्ष 2015 से बी. वोकेशनल स्टडीज में बैंकिंग एंड इंश्योरेंस और हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन पाठ्यक्रम शुरू किए गए। वर्ष 2016-17 में बायोटेक्नॉलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, केमिस्ट्री, बायोकेमिस्ट्री, गणित, सांख्यिकी, भौतिकशास्त्र और कंप्यूटर साइन्स जैसे पाठ्यक्रमों का नवीनीकरण हुआ।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएँ

महाविद्यालय का पुस्तकालय 45,000 से अधिक पुस्तकों के साथ शोधार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र है। यहाँ कला, वाणिज्य, विज्ञान, और साहित्य से संबंधित संदर्भ ग्रंथ उपलब्ध हैं। छात्रों के लिए पृथक अध्ययन कक्ष और हॉस्टल की सुविधा भी उपलब्ध है।

कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र में 78 इंटरनेट युक्त कंप्यूटरों के साथ अंग्रेजी संप्रेषण कौशल और कंप्यूटर ज्ञान की विशेष कक्षाएँ संचालित की जाती हैं। विज्ञान संकाय की प्रयोगशालाएँ आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित हैं।

खेल और सह-पाठ्यचर्या

वर्ष 1998 में स्थापित क्रिकेट कोचिंग अकादमी ने कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया है, जिनमें विकलांग खिलाड़ी भी शामिल हैं। महाविद्यालय के विशाल खेल मैदान में ओपन स्टेडियम राज्य स्तरीय खेल स्पर्धाओं का केंद्र है। एनसीसी और एनएसएस इकाइयाँ भी सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।

प्रबंधन और नेतृत्व

महाविद्यालय प्रबंध समिति के कुशल नेतृत्व में निरंतर प्रगति कर रहा है। स्व. चेयरमैन एमिरेटस सुरेंद्र लूणिया, अध्यक्ष श्री लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा, सचिव श्री शीलकुमार जैन, संयुक्त सचिव श्री प्रदीप दत्त, और कोषाध्यक्ष सी.ए. एस.बी. काबरा के मार्गदर्शन में संस्था ने अपनी हीरक जयंती पूर्ण की। डायमंड जुबिली ब्लॉक में 33 कक्षाएँ और स्टॉफ रूम के साथ वाणिज्य, प्रबंधन, और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (स्किल डेवलपमेंट) की कक्षाएँ संचालित हो रही हैं।

एम.सी. गुप्ता कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट

सुप्रसिद्ध सामाजिक विभूति स्वर्गीय माणिकचंद गुप्ता के आर्थिक सहयोग से उस्मानिया विश्वविद्यालय से संबद्ध एम.सी. गुप्ता कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एमबीए) की स्थापना हुई। यह पाठ्यक्रम छात्रों को सरकारी और निजी संगठनों में अपनी योग्यता सिद्ध करने का अवसर प्रदान कर रहा है।

सामाजिक योगदान

महाविद्यालय सामाजिक और नैतिक मूल्यों के प्रति कटिबद्ध है। यह प्रतिवर्ष नगर के एकल शिक्षक विद्यालयों को अनुदान राशि प्रदान करता है।

भविष्य की दृष्टि

दृष्टि 2030 के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर हिन्दी महाविद्यालय उच्च शिक्षा के सभी मानदंडों को पूर्ण करने में संलग्न है। यह संस्था न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए भी समर्पित है।

– डॉ. सुरभि दत्त,
– डॉ. रजनीधारी

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज छात्र शिक्षा क्षेत्र में चमकेंगे और नवीन तरीकों से समस्याओं को सुलझाने की अपनी विशेष प्रतिभा के लिए पहचान हासिल करेंगे.व्यवसाय क्षेत्र में, आप प्रशंसा प्राप्त करेंगे और अच्छा उत्थान या पदोन्नति भी प्राप्त कर सकते हैं. आपकी लोकप्रियता बहुत बढ़ जाएगी. आपकी आमदनी बढ़ेगी जबकि आपके खर्च घटेंगे. बचत आपके आत्मविश्वास–स्तर को बढ़ावा देगी. आपका पारिवारिक जीवन आरामदायक और सुखद रहेगा. आपका जीवनसाथी के साथ तालमेल बहतर रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज रुके हुए काम जल्दी पूरे हो सकते हैं. जो काम आप काफी समय से करने की सोच रहे हैं, वो कर लेंगे. किसी बोझ या अनचाहे साथी से भी आपको छुटकारा मिल सकता है. अचानक इनकम बढ़ेगी. किसी उलझी हुई स्थिति को सुलझाने में आप सफलरहेंगे. अपने प्रेमीजनों की जरूरतों और उनकी बातों को समझने की कोशिश करें. परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज व्यवसाय के सिलसिले में विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है. परिवार में आपके गुणों की प्रशंसा होगी, जिससे आपका मन खुश रहेगा. नयी तकनीक को अपनाने से आपके काम में वृद्धि होगी. आप अपनी कोई बात दोस्तों से शेयर कर सकते हैं. शनिवार का दिन खुद में बदलाव लाने के लिये अच्छा है. आपको आगे बढ़ने के लिए नई योजनाएँ बनानी पड़ सकती है. ब्राह्मण को मिष्ठान भोग अर्पित करें कार्य सिद्धि होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ऑफिस में उच्च पदाधिकारियों द्वारा काम की सराहना होगी और वे आपके प्रेरणा स्रोत बनेंगे. आपकी शोहरत बढ़ेगी और आप आसानी से दूसरे लिंग के लोगों को अपनी तरफ़ आकर्षित करेंगे. नशीले पदार्थों का सेवन ना करें. आपको इससे काफी नुकसान हो सकता है. साथ ही देर रात में वाहन ना चलाएं. दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी. आपको अपने पार्टनर के प्रति वफादार रहने की जरूरत है.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन आपके लिए कुछ परेशानी वाला हो सकता है.नौकरी पेशा जातकों के लिए के लिए यह समय मुश्किल भरा हो सकता है . आर्थिक पक्ष में गिरावट संभव है . आपके जीवनसाथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उन्हें चिकित्सकीय देखरेख की जरूरत हो सकती है. सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है. प्रेम संबंधन को बहुत ही सावधानी और समझदारी से निभाने की जरुरत होगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

परेशान लोगों को कुछ राहत मिल सकती है. धन की बचत करने में सफल रहेंगे. अपनी कोशिशों के दम पर सही समय पर सही जगह आप मौजूद रहेंगे और इससे आपके रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं. घर–परिवार या पड़ोस में कोई कठिन परिस्थिति बने तो सकारात्मक रहें.दाम्पत्य जीवन में सुख मिलेगा. शादी लायक लोगों को आज ऑफर मिल सकते हैं. लोग आपकी सलाह मानेंगे. आज आप थोड़ा संतुलित व्यवहार रखें.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए अग्रसर रहेंगे. ऑफिस में आप किसी तरह की राजनीति में उलझ सकते हैं. इससे आपका कुछ समय खराब हो सकता है. घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे आपका मन खुश रहेगा. ऑफिस में काम की अधिकता थोड़ी ज्यादा हो सकती है. आज आप दोस्तों के साथ समय बितायेंगे. उनके साथ किसी नए विषय पर बातचीत कर सकते हैं। देवमंदिर मे दीपक प्रज्वलित करें , आपका दिन बेहतर गुजरेगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन शुरू किया गया निर्माण का कार्य संतोषजनक रूप से पूरा होगा. आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है. आप अपने परिजनों से मिलने जाएंगे. यह मुलाकात काफी लंबे समय बाद हो रही है. इससे आप बहुत ही खुश होंगे. आकस्मिक यात्रा हो सकती है. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा.पारिवारिक यात्रा का माहौल बनेगा, अपनी सामर्थ्य अनुसार गौसेवा करें मानसिक शान्ति मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

छात्रों को सामान्य से अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, फिर भी वे अपने निरंतर प्रयासों से सफलता प्राप्त कर सकते हैं. आपको अध्ययन के प्रति अपने दृष्टिकोण में अधिक ध्यान केंद्रित होना होगा. यदि आप नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं, तो आपके रास्ते में बहुत सारे अवसर हो सकते हैं और यहां तक कि चुनने के लिए विकल्प भी हो सकते हैं. महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए दूसरों पर निर्भर रहना आपको परेशानी में डाल सकता है. परिवार की महिला सदस्य को स्वास्थ्य तकलीफ दे सकता हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

घर पर ज्यादा समय देना पड़ेगा. आपको जरूरत पड़ने पर परिवार के लिए कुछ त्याग भी करना पड़ सकता है. प्रेम संबंधों के लिए अच्छा समय है. दिन भी अच्छा रहेगा. सुख मिलेगा. सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. सेहत अच्छी रहेगी. कोई ऐसी बात आपके सामने आ सकतीहै जिससे आपको भविष्य में होने वाले फायदे का संकेत मिल सकता है. किसी भी मामले को गंभीर होकर निपटा लें. कोई टेंशन भी जल्दी खत्म हो सकती है. मन में उत्साह रहेगा.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

करियर के मामले में आपको बड़ी सफलता मिलेगी. कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे. आप ऐसे लोगों के साथ जुड़ेंगे, जो आपकी हर तरह से मदद के लिये तैयार रहेंगे. आपके सगे–संबंधी आर्थिक रूप से आपकी मदद के लिए तैयार रहेंगे. बिजनेसमैन को बेहतर अपॉर्चुनिटिज़ मिलेगी. आपके परिवार में ख़ुशी का माहौल रहेगा. साथ ही घर के सदस्यों का सहयोग मिलेगा. आपका कोई जरुरी काम पूरा होगा. देवी मंत्र का स्मरण जप पाठ करें

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका या परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है. यात्रा आपके लिए आनन्द दायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी. पारिवारिक जीवन में अब तक का सबसे सुनहरा पल देखने को मिलेगा. किसी भी प्रकार के अनैतिक कार्यों से दूर रहने की गणेशजी सलाह देते हैं. ध्यान और आध्यात्मिकता मन को शांति प्रदान करेंगे. मेहनत करें भाग्य बदल जाएगा. समय रहते कार्य पूरा करें.

आज का पंचांग

दिनांक : 14 सितंबर 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन,कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 03:08 तक
नक्षत्र : रोहिणी प्रात: 08:41 तक
योग : वज्र प्रात: 07:35 तक
करण : बालव सायं 04:04 तक
चन्द्रराशि : वृषभ रात्रि 08:04 तक
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:19 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:21 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:14 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:10 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अष्टमी श्राद्ध , अशोकाष्टमी , कालाष्टमी , महालक्ष्मी व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ओलंपिक में पदक जीतने का लक्ष्य रखें खिलाड़ी : नायब सिंह सैनी

पंचकूला, 13 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज पंचकूला में अश्वनी गुप्ता मेमोरियल ऑल इंडिया सब–जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट का शुभारंभ करते हुए खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि खिलाड़ियों का अंतिम लक्ष्य केवल एशियन जूनियर टूर्नामेंट नहीं, बल्कि ओलंपिक खेलों में पदक जीतना होना चाहिए।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों में भारत को एक खेल महाशक्ति बनाने का लक्ष्य है और हरियाणा सरकार अभी से इसकी तैयारियों में जुट गई है। पंचकूला में आयोजित इस टूर्नामेंट में देशभर से लगभग 2000 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि जीत–हार खेल का हिस्सा है, लेकिन उनका जज्बा और खेल भावना ही उन्हें महान खिलाड़ी बनाएगी। इस अवसर पर उन्होंने अपने स्वैच्छिक कोष से स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी, पंचकूला को 11 लाख रुपये देने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने हरियाणा को 'स्पोर्ट्स हब' बताते हुए कहा कि राज्य ने 'खेले हरियाणा–बढ़े हरियाणा' के मंत्र के साथ खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 1,489 खेल नर्सरियां कार्यरत हैं, जिनमें 37 हजार से अधिक खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इन खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता भी दी जा रही है, जिससे वे अपनी खेल प्रतिभा को निखार सकें। नायब सिंह सैनी ने हरियाणा के खिलाड़ियों की उपलब्धियों का भी जिक्र किया।

उन्होंने बताया कि पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के 6 में से 5 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते, और टोक्यो ओलंपिक 2020 में 7 में से 4 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने हासिल किए थे। उन्होंने कहा कि यह हमारे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और सरकार की नीतियों का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों से टीम भावना के साथ खेलने का आग्रह किया और कहा कि बैडमिंटन जैसे खेल शारीरिक कौशल के साथ–साथ मानसिक दृढ़ता और अनुशासन भी सिखाते हैं।

हरियाणा रोडवेज की बसों के एक्सीडेंट मामलों की जांच के लिए कमेटी गठित होगी: अनिल विज

अंबाला, 13 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने आज कहाकि हरियाणा रोडवेज की बसों के एक्सीडेंट होने के मामलों की जांच के लिए कमेटी का गठन किया जाएगा और इस कमेटी में तकनीकी अधिकारियों के साथ–साथ पुलिस के जांच अधिकारी को भी शामिल किया जाएगा। विज ने आज सिरसा में हरियाणा रोडवेज की बस से ट्रेक्टर–ट्रॉली के टकराने के कारण दो औरतों की मृत्यु होने पर कडा संज्ञान लेते हुए यह आदेश परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को दिए। उन्होंने अतिरिक्त मुख्य सचिव को निर्देशित करते हुए कहा कि रोडवेज बसों के साथ होने वाली दुर्घटनाओं के संबंध में जांच करने की प्रैक्टिस सेट कर दी जाए ताकि जांच में जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

सिरसा में हुई दुर्घटना के संबंध में विज ने अतिरिक्त मुख्य सचिव को निर्देश देते हुए यह भी कहा कि ''मैं चाहता हूं कि इस दुर्घटना की एक जांच होनी चाहिए कि हमारी रोडवेज की बस के ड्राइवर की गलती थी या ट्रैक्टर चलाने वाले ड्राईवर की गलती थी क्योंकि इस संबंध में हमें पता होना चाहिए''।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह पहल हरियाणा की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में जवाबदेही को मजबूत करेगी और सड़क सुरक्षा को बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा परिवहन विभाग में बसों की दुर्घटनाओं के बारे में अब यह प्रैक्टिस बना ली जाएगी कि जब भी इस प्रकार की दुर्घटनाएं हरियाणा रोडवेज की बस के साथ होगी तो उसकी जांच जरूर की जाएगी।

इन दुर्घटनाओं के बारे में एक कमेटी का गठन किया जाएगा जिनमें तकनीकी अधिकारियों के साथ–साथ पुलिस के जांच अधिकारी भी शामिल किए जाएगें ताकि यह पता चल सकें कि सडक दुर्घटनाओं में गलत कौन था यदि हमारे रोडवेज के ड्राइवर गलत ड्राइविंग करते हैं तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। गौरतलब है कि सिरसा के ऐलनाबाद में आज सुबह सड़क हादसा हो गया जिसमें हरियाणा रोडवेज की बस से ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि इस हादसे में ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार दो लोगों की मौत हो गई जबकि सात लोग घायल हो गए। हादसे के बाद घायलों को नागरिक अस्पताल में पहुंचाया गया है जहां घायलों का उपचार चल रहा है।

प्रदेश में स्वास्थ्य ढाँचे को किया जाएगा मजबूत : आरती सिंह राव

चंडीगढ़, 13 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने और आम जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 135 नए स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण को प्रशासनिक मंजूरी प्रदान कर दी है। इन संस्थानों के निर्माण पर लगभग 74.43 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने जानकारी दी कि इनमें 126 सब हेल्थ सेंटर शामिल हैं, जिन पर लगभग 6993 लाख रुपये की लागत आएगी। इसी के साथ 9 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट्स के निर्माण को भी स्वीकृति प्रदान की गई है, जिन पर कुल 450 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने विस्तार से बताया कि जिन जिलों में सब हेल्थ सेंटर स्थापित किए जाएंगे, उनमें महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, भिवानी, चरखी दादरी, फतेहाबाद, गुरुग्राम, झज्जर, जींद, करनाल, कुरुक्षेत्र, कैथल, पलवल, पानीपत और सोनीपत शामिल हैं। वहीं ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट्स का निर्माण सिरसा, भिवानी, रेवाड़ी, झज्जर और पानीपत जिलों में किया जाएगा।

आरती सिंह राव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को उन्नत बनाने के लिए कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य है कि राज्य का कोई भी नागरिक बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे। इसी दिशा में डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने, आधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जिस भी गांव या शहर में स्वास्थ्य संस्थान की आवश्यकता महसूस होगी, वहां यथाशीघ्र नए संस्थान का निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा।

पंचकूला में ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप की शुरुआत

पंचकूला , 13 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से अश्विनी गुप्ता मेमोरियल ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। सेक्टर 3 ताऊ देवीलाल स्टेडियम के मल्टीपर्पज हॉल में शनिवार को बैडमिंटन चैंपियनशिप का आगाज हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप के शुभारंभ कार्यक्रम में पहुंचे।

हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता की अध्यक्षता में इस बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन हो रहा है, जिसमें अंडर 15 और 17 आयु समूह के लड़के और लड़कियां हिस्सा ले रही हैं। इस चैंपियनशिप में देश के अलग–अलग राज्यों से करीब 2,000 खिलाड़ी भाग लेने पहुंचे हैं। इस सेलेक्शन टूर्नामेंट में चुने गए खिलाड़ी चाइना में होने वाली बैडमिंटन चैंपियनशिप में खेलेंगे।

इस चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग राउंड मुकाबले 13–17 सितंबर के बीच आयोजित होंगे। मुख्य ड्रॉ के मैच 18–21 सितंबर तक खेले जाएंगे। लड़कियों के क्वालीफाइंग मैच जीरकपुर स्थित एएम बैडमिंटन एकेडमी में होंगे।

अश्विनी गुप्ता मेमोरियल ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप से उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सकेगा। इसके साथ ही उनकी रैंकिंग में भी असर देखने को मिलेगा, जिससे आगे चलकर वह राष्ट्रीय टीम या बड़े टूर्नामेंट्स में चयनित हो सकें।हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन की इस पहल से खिलाड़ियों को कम उम्र में उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिलेगा। खिलाड़ियों के टैलेंट को सामने लाना और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना ही इस प्रतियोगिता का मकसद है।

इसके साथ ही अश्विनी गुप्ता मेमोरियल ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप के आयोजन से बैडमिंटन को राज्य और देशभर में लोकप्रिय बनाने में योगदान मिलेगा।इस आयोजन से खिलाड़ियों में खेल भावना, अनुशासन और टीम स्प्रिट विकसित होगी। इसके साथ ही खिलाड़ी खेल के शुरुआती स्तर पर ही फिटनेस और तकनीकी कौशल में सुधार के लिए प्रेरित होंगे।

हरियाणा में नमो युवा रन में होगी दौड़

चंडीगढ़, 13 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन और भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर बड़े पैमाने पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। हरियाणा के युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता तथा खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने घोषणा की है कि 17 सितंबर से पूरे प्रदेश में 'सेवा पखवाड़ा' की शुरुआत की जाएगी। यह पखवाड़ा 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर समाप्त होगा।

गौतम ने यह जानकारी चंडीगढ़ स्थित भाजपा कार्यालय में एक प्रेस वार्ता के दौरान दी। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे। गौरव गौतम ने बताया कि इस पखवाड़े के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी कड़ी में, युवाओं को प्रेरित करने के लिए 21 सितंबर को कुरुक्षेत्र और गुरुग्राम में 'नमो युवा रन' का आयोजन भी किया जाएगा। यह पहल प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों और भगवान विश्वकर्मा जयंती के महत्व को एक साथ जोड़ती है, जिसमें सेवा, समर्पण और कौशल विकास पर जोर दिया गया है।

लालसोट में राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन, करोड़ों के प्रकरणों का निस्तारण

लालसोट, 13 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में शनिवार को तालुका विधिक सेवा समिति, लालसोट मुख्यालय पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हुआ।सचिव राहुल कुमार शर्मा ने बताया कि लालसोट न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निस्तारण हेतु दो बैंच गठित की गईं। इनमें अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रितु चौधरी की बैंच ने 125 प्रकरणों का निस्तारण कर ₹1,10,18,320 के अवार्ड पारित किए। वहीं वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं एसीजेएम–01 रितु चंदानी की बैंच ने 185 प्रकरणों में ₹83,67,388 के समझौते कराए।

लोक अदालत में एसबीआई, यूको बैंक, केनरा बैंक, पीएनबी सहित विभिन्न बैंकों, बीमा कंपनियों और बिजली विभाग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अधिवक्ताओं ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा का विधानसभा स्पीकर पर विवादित बयान

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। विधानसभा में विपक्ष की तरफ एक्स्ट्रा कैमरे लगाकर जासूसी करने के विवाद के बीच कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने स्पीकर वासुदेव देवनानी पर बड़ा आरोप लगाया है। डोटासरा ने कहा कि स्पीकर कांग्रेस की महिला विधायकों को रेस्ट रूम में बैठकर देखते हैं और उनकी वेशभूषा और अवस्था पर फोकस रखते हैं।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में डोटासरा ने कहा, स्पीकर का केवल महिलाओं पर ज्यादा ध्यान है। इससे बड़ी शर्म की बात नहीं हो सकती कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति हमारे प्रतिपक्ष की महिला विधायकों के रेस्ट रूम में कैमरा लगाकर उनका एक्सेस रखता है। ऐसे व्यक्ति को डूब के मर जाना चाहिए।विधानसभा में जासूसी के आरोप पर दो दिन तक हंगामा हुआ था। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने इसका बचाव करते हुए कहा था कि सुरक्षा के लिए कैमरे लगाए गए हैं और सदन का 360 डिग्री व्यू यूट्यूब पर भी आता है।

इस मामले में कांग्रेस विधायकों ने राज्यपाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और जासूसी की जांच के लिए संयुक्त कमेटी बनाने की मांग की है।

उदयलाल माली दिशा समिति में राज्य स्तरीय सदस्य मनोनीत

भीलवाड़ा, 13 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य विकास समन्वय और निगरानी समिति–दिशा का गठन किया गया है। इस (दिशा) कमेटी में भीलवाड़ा जिले के लाम्बियाकलां निवासी उदयलाल माली को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली दिशा समिति में राज्य स्तरीय सदस्य नियुक्त किया।

दिशा के केन्द्रीय सचिव पियूष राजन ने आदेश जारी कर उदयलाल को गैर सरकारी स्टेट लेवल सदस्य नियुक्त किया।

राजस्थान में मातृ मृत्यु दर अब राष्ट्रीय औसत से कम

प्रदेश में 94.9 प्रतिशत संस्थागत प्रसव

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का निरन्तर उन्नयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता के चलते प्रदेश में गांव–ढाणी तक मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार सुदृढ़ किया गया है, ताकि प्रदेश में मातृ एवं शिशु मृत्युदर को न्यूनतम स्तर पर लाया जा सके। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने कई नवाचार कर एवं मातृ स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर सकारात्मक परिणाम हासिल किए हैं। हाल ही में जारी एसआरएस सर्वे के अनुसार प्रदेश में मातृ मृत्यु दर घटकर 86 प्रति एक लाख जीवित जन्म दर्ज की गई है जो कि राष्ट्रीय औसत से कम है।

मातृ स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से एएनसी रजिस्ट्रेशन के साथ ही कम से कम 4 बार गर्भवती महिला की जांच की जाती है। उन्हें आईएफए कैल्शियम एवं आयरन की गोलियां देने के साथ ही डीटी के दो टीके लगाए जाते हैं। हर माह की 9, 18 एवं 27 तारीख को प्रत्येक पीएचसी स्तर से लेकर उच्चतर संस्थानों तक गर्भवती की विशेष जांच व्यवस्था नियमित रूप से उपलब्ध है। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत प्रत्येक गर्भवती माता को निशुल्क दवा, जांच, रेफरल व प्रसव के समय भर्ती के दौरान कलेवा एवं आवश्यकता होने पर निःशुल्क रक्त प्रदान करने की सेवाएं उपलब्ध है। प्रसव कक्षों की गुणवत्ता बनाए रखने हेतु दक्षता कार्यक्रम संचालित है। प्रत्येक प्रसव के समय संबल प्रदान करने की दृष्टि से प्रसव सखी अर्थात् प्रसूता की परिजन महिला को साथ रखा जाता है। प्रत्येक प्रसूता को जेएसवाई एवं लाडो प्रोत्साहन योजना का लाभ सीधा बैंक खातों में दिया जा रहा है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को निरंतर कम करने के लिए प्रदेश में गांव–कस्बों तक मातृ एवं स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया गया है। विभाग का प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा प्रसव संस्थागत हो, ताकि जच्चा–बच्चा के जीवन को कोई खतरा नहीं रहे। इस दिशा में प्रदेश में कुल 2065 डिलीवरी प्वाइंट संचालित हैं, जहां संस्थागत प्रसव संपादित होते हैं। राज्य में जिला स्तर व उप जिला स्तर पर कुल 42 एमसीएच इकाइयां स्वीकृत हैं। अधिक भार वाले चिकित्सा संस्थानों में 114 जेएसवाई वार्ड संचालित हैं। प्रदेश में स्वीकृत 160 एफआरयू केन्द्रों में से 106 पर सिजेरियन विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध है। शेष केन्द्रों पर भी सामान्य प्रसव सेवाएं दी जा रही हैं। मातृ एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को देखते हुए लक्ष्य कार्यक्रम के तहत 95 लेबर रूम एवं 44 ओटी भारत सरकार के स्तर से सर्टिफाई किए जा चुके हैं। इन सभी प्रयासों के चलते प्रदेश में संस्थागत प्रसव लगातार बढ़ता जा रहा है। एनएफएचएस–5 सर्वे के अनुसार राज्य में संस्थागत प्रसव 94.9 प्रतिशत है जो अन्य राज्यों की तुलना में काफी बेहतर है।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि हमारी माताएं–बहनें स्वस्थ एवं सेहतमंद रहें और आने वाली पीढ़ी भी स्वस्थ एवं तंदुरूस्त हो, इसी संवेदनशील सोच के साथ राज्य सरकार मा–वाउचर योजना लेकर आई। सुदूरवर्ती गांव–कस्बों में जिन राजकीय अस्पतालों में सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां राज्य सरकार ने निजी केन्द्रों पर निःशुल्क सोनोग्राफी के लिए यह योजना शुरू की है। योजना के लागू होने से गर्भस्थ शिशु एवं गर्भावस्था में गर्भवती महिला की प्रसव संबंधी जटिलता की पहचान होने पर आवश्यक प्रबंधन संभव हो रहा है। योजना के तहत लगभग 1300 अधिकृत निजी सोनोग्राफी केन्द्रों पर क्यूआर कोड आधारित वाउचर से निःशुल्क सोनोग्राफी की जा रही है। अब तक 2 लाख से अधिक कूपन जारी किए जा चुके हैं। इन कूपनों के आधार पर लगभग 1 लाख 50 हजार गर्भवती महिलाएं निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा प्राप्त कर चुकी हैं। योजना के तहत प्रतिवर्ष लगभग 03 लाख गर्भवती महिलाओं को सेवा दिये जाने का लक्ष्य रखा गया है।

शुभ लाभ DAILY | खबरें जो सोच बदल दे | हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तेजस्वी का 16 जिलों वाला नया प्लान, क्राइम और करप्शन को लेकर विजय-सम्राट पर सीधा अटैक

पटना (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को 24 घंटे के भीतर पटना और खगड़िया में हुई दो हत्याओं के बाद बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर सवाल उठाया। साथ ही उन्होंने राज्य में अपनी नई यात्रा की घोषणा की।

पत्रकारों से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने पूरे बिहार में एक नई यात्रा की घोषणा की। उन्होंने कहा, 'अब हम मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान छूटे हुए 16 जिलों तक जाएंगे। यह नई यात्रा हमें उन इलाकों तक ले जाएगी।' तेजस्वी यादव की ये बिहार अधिकार यात्रा 16 सितंबर को जहानाबाद से शुरू होगी। इसके बाद 20 सितंबर को ये यात्रा वैशाली जिले में खत्म हो जाएगी।

उन्होंने बिहार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा, 'बिहार की सड़कें खून से लाल हो गई हैं। हर जगह हत्याएं हो रही हैं। खगड़िया में तो गुरुवार रात हमारे विधायक के ड्राइवर की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई। इससे पहले पटना में भी ऐसी ही एक घटना हुई थी जब एक राजद नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सरकार बेसुध है जबकि अपराध सुनियोजित तरीके से बढ़ रहे हैं। इन घटनाओं की योजना उपमुख्यमंत्री के आवास से बनाई जा रही है। अपराधी अब सम्राट और विजय बन गए हैं।'

राजद नेता ने भ्रष्टाचार का मुद्दा भी उठाया और दावा किया कि यह व्यवस्था के हर स्तर तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा, 'इंजीनियरों के घरों से करोड़ों रुपये बरामद हो रहे हैं। पुलिस थानों और प्रखंड कार्यालयों से लेकर उच्च नौकरशाही तक, भ्रष्टाचार व्याप्त है।'

तेजस्वी ने राघोपुर में हुई एक हत्या को चुनावी राजनीति से जोड़ने वाले उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के विवादास्पद बयान पर निशाना साधते हुए कहा, 'एक व्यक्ति की हत्या हुई है और न्याय की बात करने के बजाय, उपमुख्यमंत्री यह पूछ रहे हैं कि इससे राजनीतिक लाभ किसे होगा। यह सत्ता में बैठे लोगों की गंदी और शर्मनाक सोच को दर्शाता है। ऐसे लोग उपमुख्यमंत्री बनने के लायक नहीं हैं। अगर उन्हें राघोपुर की इतनी चिंता है, तो प्रधानमंत्री खुद आकर मेरे खिलाफ चुनाव लड़ें।'

कांग्रेस द्वारा अपलोड किए गए एआई-जनरेटेड वीडियो, जिसमें एनडीए नेताओं ने माताओं का अपमान करने का दावा किया था, पर उठे विवाद पर, तेजस्वी ने भाजपा की आलोचना को खारिज कर दिया। राजद नेता ने कहा, 'मैंने वीडियो नहीं देखा है, लेकिन स्पष्ट रूप से वे लो-गों का ध्यान अपराध, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे वास्तविक मुद्दों से भटका रहे हैं। भाजपा ने किसी और से ज्यादा महिलाओं का अपमान किया है। जरा याद कीजिए कि प्रधानमंत्री मोदी ने सोनिया गांधी के खिलाफ क्या शब्द इस्तेमाल किए थे, या उन्होंने नीतीश कुमार के डीएनए का कैसे मजाक उड़ाया था। इससे बड़ा कोई अपमान नहीं हो सकता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा के निर्धारित बिहार दौरों पर प्रतिक्रिया देते हुए, राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि उनका आना पूरी तरह से चुनावी था। उन्होंने कहा, 'अब चुनाव आ गए हैं, तो वे आएंगे ही। लेकिन चुनाव खत्म होते ही वे बिहार को फिर से भूल जाएंगे।'

नेपाल के नवलपरासी जेल से फरार कैदी वाल्मीकि नगर बार्डर पर पकड़ा गया

ड्रग्स तस्करी मामले में हुई थी गिरफ्तारी

बगहा (एजेंसियां)।

नेपाल की नवलपरासी जेल से फरार हुए एक कैदी को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने वाल्मीकि नगर बॉर्डर पर पकड़ा है। कैदी की पहचान 20 वर्षीय निशेष कुमार के रूप में हुई है, जो ड्रग्स के एक मामले में पिछले चार महीने से जेल में बंद था।पूछताछ में निशेष ने बताया कि वह नेपाल में जेन जेड की ओर से किए गए उपद्रव के दौरान जेल से भागा था। बुधवार को परासी जेल में करीब 500 कैदियों ने आगजनी की और सुरक्षाकर्मियों को बंधक बना लिया था, जिसके बाद वे फरार हो गए थे। इन्हीं में से एक निशेष भी था। जेल से भागने के बाद निशेष पैदल चलकर त्रिवेणी बॉर्डर तक पहुंचा। निशेष ने बताया कि जेल से भागने के बाद वह पगडंडी के रास्ते त्रिवेणी बॉर्डर तक पहुंचा। वहां से उसने वाल्मीकि नगर में रह रहे अपने माता-पिता को बुलाया। जब उसके पिता उसे लेने 36 नंबर पिलर के पास पहुंचे, तो एसएसबी ने चेकिंग के दौरान उसे पकड़ लिया। एसएसबी ने तुरंत नेपाल पुलिस के साथ-साथ नेपाल के सशस्त्र सीमा बल को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर नेपाल पुलिस के हव-लदार नवीन पौडेल और एपीएफ के जवान गंडक बराज आउट पोस्ट पर पहुंचे, जहां एसएसबी ने निशेष को उन्हें सौंप दिया।

नेपाल पुलिस सूत्रों से जानकारी मिली कि देश में जेन जेड की ओर से किए उपद्रव के बाद बुधवार को परासी जेल में लगभग 500 कैदियों ने आगजनी कर सुरक्षाकर्मियों को बंधक बना लिया और फरार हो गए थे। इन्हीं में से एक निशेष भी था। एसएसबी ने इस मामले की सूचना नेपाल की त्रिवेणी थाना और नेपाल बॉर्डर पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एपीएफ) को दी। इसी सूचना पर निशेष की गिरफ्तारी हुई।

भोजपुर में सड़क हादसे में सफाई कर्मी की मौत, परिवार में मचा कोहराम

पटना (एजेंसियां)।

भोजपुर जिले के पीरो थाना क्षेत्र के बिजन टोला में एक सड़क दुर्घटना में सफाई कर्मी की मौत हो गई। मृतक दारोगा राम (55) निवासी बिजन टोला, पीरो थाना क्षेत्र के थे और प्राथमिक मध्य विद्यालय रोझाई टोला में सफाई कर्मी के रूप में कार्यरत थे। जानकारी के अनुसार, दारोगा राम शुक्रवार की शाम घर से दवा और सब्जियां खरीदने के लिए बाजार जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ऑटो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल दारोगा राम को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल ले जाया गया, जहां

डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार के अनुसार, घटना की सूचना मिलने के बाद परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय थाना को सूचित किया। थाना टीम ने अस्पताल पहुंचकर आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की और शव का पोस्टमार्टम शनिवार को आरा सदर अस्पताल में कराया गया। हादसे के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। अचानक हुई इस घटना से परिजन शोक में डूबे हैं और उनका रो-रोकर बुरा हाल है।

बेगूसराय में गिरिराज सिंह ने देखी 'द बंगाल फाइल्स', युवाओं से फिल्म देखने की कि अपील

मुंगेर (एजेंसियां)।

बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार शाम शहर के एक सिनेमाहॉल में 'द बंगाल फाइल्स' फिल्म देखी। फिल्म देखने के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि आजादी के बाद की पीढ़ी, जिसने देश के बंटवारे को नहीं देखा, उसे यह फिल्म अवश्य देखनी चाहिए। उन्होंने बताया कि फिल्म में बंटवारे के असली सच को दिखाया गया है और यह नई पीढ़ी के लिए इतिहास की उन कड़वी सच्चाइयों को सामने लाती है,

जिनसे अनभिज्ञ रहना खतरे से खाली नहीं है।

गिरिराज सिंह ने कहा कि फिल्म इतिहास के उन पन्नों को उजागर करती है जिनसे कभी भी मुंह नहीं छिपाना चाहिए। उन्होंने गांधी की भूमिका और बंगाल में गोपाल पाठा की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि आज पश्चिम बंगाल की स्थिति को देखते हुए यह समझा जा सकता है कि वहां लोगों को अपने को बचाने के लिए 'गोपाल पाठा' जैसी स्थिति बनानी पड़ती। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वे इस फिल्म को जरूर देखें और इसके संदेश को समझें।

विपक्ष द्वारा फिल्म को लेकर उठाए गए सवालों पर गिरिराज सिंह ने कहा कि इतिहास के पन्नों और उनके सच को झुठलाया नहीं जा सकता। उन्होंने डायरेक्ट एक्शन डे और सोहरावर्दी द्वारा पुलिस को दिए गए आदेश का उदाहरण भी दिया। गिरिराज सिंह ने फिल्म के संदेश पर जोर देते हुए कहा, बंटोगे तो कटोगे और इसे नई पीढ़ी को हमेशा याद रखना चाहिए।

इसके अलावा, गिरिराज सिंह ने मस्जिदों से मौलवियों द्वारा फतवे जारी करने के अपने बयान को फिर से दोहराया। उन्होंने कहा कि अगर मौलवी राजनीतिक फतवे जारी करेंगे तो मंदिरों से भी 'हुंकार' भरना स्वाभाविक है और यह बिल्कुल सही कदम है।

पटना में पत्थर से कुचलकर दिव्यांग की हत्या

पटना (एजेंसियां)।

पटना में दिव्यांग की निर्मम हत्या कर दी गई। घटना मनेर थाना क्षेत्र अंतर्गत जीवराखन टोला, टाटा कॉलोनी गांव के स्थित राजकीय मध्य विद्यालय के पास चबूतरे पर हुई। दिव्यांग चबूतरा पर सो रहा था।

अपराधियों ने शनिवार की अहले सुबह पत्थर से कुचलकर बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या की घटना को अंजाम देकर सभी अपराधी मौके से फरार हो गए। जब गांव के लोग सुबह चबूतरे पर मृतक के शव को देखा, तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल करते हुए मृतक के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हालांकि, घटना का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों की काफी भीड़ मौके पर जुटी रही। ग्रामीणों ने बताया कि

मृतक अपने बहन के गांव में रह रहा था। बताया जाता है कि शेरपुर गांव के रहने वाले जीत लाल राय (45), मनेर के गोरिया स्थान स्थित जीवराखन टोला, टाटा कॉलोनी में अपने बहन के गांव में रहता था। हर रोज की तरह वह गांव के बाहर देवी स्थान स्थित चबूतरे पर सोया हुआ था। इस बीच, किसी अज्ञात अपराधियों ने सोते समय उसके सिर पर पत्थर से प्रहार कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या की घटना को अंजाम देकर अपराधी मौके से फरार हो गए। शनिवार की सुबह जब गांव के लोग सड़क पर निकले तो देखा कि जीत लाल राय की बेरहमी से हत्या की गई है। इसके बाद गांव के लोगों में सनसनी फैल गई। धीरे-धीरे गांव के लोग बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए।

स्थानीय लोगों ने मनेर पुलिस को घटना की सूचना दी। हत्या की घटना की सूचना पर मनेर थाना अध्यक्ष प्रदीप कुमार, एसआई राहुल कुमार समेत जिला पुलिस बल के जवान मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक के परिजनों से घटना से जुड़े सवालों पर पूछताछ की।

हालांकि, मृतक के किसी से दुश्मनी की चर्चा नहीं है। हत्या करने वाले के खिलाफ ग्रामीणों में काफी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक की किसी से दुश्मनी नहीं थी और वह गांव में मांग कर खाने का काम करता था।

उसके परिवार वालों से उसका कोई लेना-देना नहीं था। इधर, घटना को लेकर मृतक के परिवार में शोक का माहौल है। पुलिस ने मृतक के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल दानापुर भेज दिया है।

गयाजी में पितृपक्ष की धूम, सोलह वेदियों पर श्रद्धालुओं ने किया पिंडदान

गयाजी (एजेंसियां)।

गया जी जिले की पितरों की मोक्षस्थली गयाजी नगरी में 6 सितंबर से चल रहे 17 दिवसीय त्रिपाक्षिक श्राद्ध कर्म के सातवें दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। शनिवार को विष्णुपद मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में देश-दुनिया से आए लगभग 12 लाख तीर्थयात्री मौजूद रहे। त्रिपाक्षिक गयाजी श्राद्ध के तहत पिंडदानियों ने सोलह वेदियों में से पांच वेदियोंङ्ककार्तिकपद, दक्षिणाग्निपद, गार्हपत्याग्निपद, आह्वानीयाग्निपद और सूर्यपदङ्कपर अपने पूर्वजों का पिंडदान किया। इस दौरान सबसे अधिक भीड़ विष्णुपद मंदिर में रही। पिंडदानियों ने कर्मकांड के बाद विष्णु चरणों के दर्शन और पूजन भी किया।

देश के विभिन्न हिस्सों से एक दिवसीय पिंडदान करने आए तीर्थयात्रियों की भीड़ भी विष्णुपद मंदिर, सोलह वेदी, देवघाट और अक्षयवट वेदी पर भारी रही। जिला प्रशासन ने सफाई, सुरक्षा, बिजली और आवासन व्यवस्था को दुरुस्त रखा, जिससे तीर्थयात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। पितृपक्ष मेला के दौरान प्रशासन और स्वयंसेवी संस्थाएं अतिथि देवो भव की भावना के तहत तीर्थयात्रियों की सेवा में जुटी हैं।

तीर्थयात्रियों ने प्रशासन की व्यवस्था की सराहना की। महाराष्ट्र के गिरधर कुमार गुप्ता, तेलंगाना के एस. लक्ष्मी और झारखंड के रामाकांत तिवारी ने बताया कि परिवार के छह सदस्यों के साथ पिंडदान करने आए हैं और प्रशासन की व्यवस्था देखकर मन प्रसन्न हुआ। जिला प्रशासन के अनुसार, 6 सितंबर से अब तक कुल 15,33,287 तीर्थयात्रियों ने गयाजी में पिंडदान किया है। इनमें 39,177 तीर्थयात्रियों ने मेडिकल उपचार का लाभ लिया और 282 लोगों को व्हीलचेयर उपलब्ध कराई गई। 355 बिछड़े परिजनों को मिलवाया गया और 4,730 तीर्थयात्रियों को टेंट सिटी में निशुल्क ठहराया गया।

गया जी में दिनदहाड़े 4.50 लाख की लूट, महिला घायल

गयाजी (एजेंसियां)।

गया जी जिले में छिनतई और लूट की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र का है, जहां दिनदहाड़े अपराधियों ने 4 लाख 50 हजार रुपये की छिनतई कर ली। वारदात मेहता पेट्रोल पंप से ओवरब्रिज की ओर जाने वाले मार्ग पर हुई।

जानकारी के अनुसार, बुनियादगंज थाना क्षेत्र के भेड़िया खुर्द निवासी संतोष सिंह, पिता स्वर्गीय रामलखन सिंह, शनिवार को मानपुर बाजार स्थित इंडियन बैंक से 4 लाख 50 हजार रुपये की निकासी कर अपनी पत्नी आरती देवी के साथ बुलेट बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान तीन बाइक सवार अपराधियों ने घात लगाकर झपट्टा मारा और बैग सहित रुपये लूटकर फरार हो गए।

घटना के दौरान संतोष सिंह की पत्नी आरती देवी बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्हें इलाज के लिए अस्प-ताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित ने बताया कि अपराधियों ने बैंक से ही उनकी रैकी की थी। संतोष सिंह ने यह भी कहा कि उन्होंने बेटी की शादी में लिए कर्ज को चुकाने के लिए बैंक से पैसे निकाले थे।घटना की सूचना पर मुफस्सिल थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

जमीनी विवाद के दौरान मारपीट, एक युवक की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली जिले के रुस्तमपुर थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक और घायलों की पहचान स्थानीय निवासी श्यामदेव राय के परिवार से हुई है। घायल भीखन राय (28), गमला देवी (50) और शकल राय (48) को प्रारंभिक इलाज के लिए राघोपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था।

डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए सभी घायलों को पटना पीएमसीएच रेफर किया। इलाज के दौरान भीखन राय की मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलने पर रुस्तमपुर थाना पुलिस ने शव को

कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया गया।

पुलिस और परिजनों के अनुसार, इस घटना में लगभग एक दर्जन से अधिक हमलावर शामिल थे, जिन्होंने मृतक और घायलों पर हमला किया और जमकर पिटाई की। घटना के बाद घायल शकल राय ने थाने में लिखित आवेदन देकर मामले की शिकायत की, जिसके आधार पर पुलिस पूरी जांच कर रही है। रुस्तमपुर थाना पुलिस ने बताया कि मारपीट के कारण हुई गंभीर चोटों के चलते पटना पीएमसीएच में इलाज के दौरान युवक की मौत हुई और मामले की कानूनी कार्रवाई जारी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com